करगिल में स्थापित होगा 10,000 लीटर का डेयरी प्लांट
-12

वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण देश के समक्ष बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति
-12

ईरान के खिलाफ युद्ध 60 दिन की तय समय सीमा से पहले ही समाप्त हो गया
-13

व्यक्तिगत उपलब्धियों की बजाय टीम के लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करता हूं : भुवनेश्वर
-14

आज का मौसम
36.0⁰ अधिकतम तापमान
23.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.31
सूर्यास्त 06.40

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष प्रतिपदा 12:50 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2083
शनिवार, 2 मई 2026, वर्ष 4, अंक 251, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

न्यूज ब्रीफ

अनुराग ठाकुर और प्रवेश वर्मा के खिलाफ रिपोर्ट की मांग खारिज

नई दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने भाजपा नेताओं अनुराग ठाकुर और प्रवेश वर्मा के खिलाफ कथित नफरत फैलाने वाले भाषणों के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग वाली याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि इन नेताओं के बयानों से कोई संज्ञेय अपराध नहीं बनता है।**मामला :** यह मामला 2020 में दिल्ली के शाहीन बाग में सीएए विरोधी प्रदर्शनों के दौरान दिए गए भाषणों से जुड़ा है। माकपा नेता वृंदा करात और के. एम. तिवारी ने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसने निचली अदालत द्वारा एफआईआर दर्ज करने से इनकार करने के निर्णय को सही ठहराया था। शीर्ष अदालत ने माना कि उच्च न्यायालय का आकलन सही था और इसमें हस्तक्षेप की कोई आवश्यकता नहीं है।

तेलंगाना: फार्मा फैक्ट्री में ब्लास्ट, एक कर्मचारी की मौत

हैदराबाद। नालगोंडा जिले में शुक्रवार को एक दवा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट होने से 5 कर्मचारी झुलस गए और एक की मौत हो गई। हादसा चित्याल के पास स्थित प्लांट में उस समय हुआ जब कर्मचारी काम कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, प्राथमिक जांच में विस्फोट का कारण संयंत्र में अत्यधिक दबाव बनना लग रहा है। जिस समय धमाका हुआ, प्लांट में कुल आठ लोग मौजूद थे। झुलसे हुए लोगों में से पांच कर्मचारी 10 से 15 प्रतिशत तक जले हैं।

मजदूरी नहीं देगा, तो सरकार काम तमाम करेगी : मुख्यमंत्री

शोषण या मजदूरी में कटौती बर्दाश्त नहीं, यूपी में विकसित होगा सख्त निगरानी तंत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 'श्रमवीर गौरव समारोह-2026' में अटल आवासीय विद्यालय वाराणसी के प्रधानाचार्य सत्येंद्र प्रताप सिंह को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रमिकों के सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए दो टूक कहा कि काम किया है तो दाम भी मिलना चाहिए। अगर कोई मजदूरी नहीं देगा, तो सरकार उसका काम तमाम करेगी। उन्होंने कहा कि अब श्रमिकों के शोषण या मजदूरी में कटौती को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसके लिए सख्त निगरानी तंत्र विकसित किया गया है।

मुख्यमंत्री योगी शुक्रवार को राजधानी लखनऊ के आईजीपी में आयोजित "श्रमवीर गौरव समारोह 2026" में श्रमिक कल्याण एवं आधारभूत संरचना से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास समेत उत्कृष्ट कार्य करने वाले श्रमिकों और अटल आवासीय विद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र और टैबलेट देकर सम्मानित करने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और रोजगार से जुड़े कई बड़े फैसलों और योजनाओं की घोषणा करते हुए कहा कि सरकार हर श्रमिक परिवार को स्वास्थ्य सुरक्षा के दायरे में लाने के लिए तेजी से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का विकास तभी सार्थक माना जाएगा, जब श्रमिक वर्ग सुरक्षित, सम्मानित और आत्मनिर्भर होगा। बताया कि 12.26 लाख निर्माण श्रमिकों को आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराए जा चुके हैं। शेष 15.83 लाख श्रमिकों को भी जोड़ने का लक्ष्य है। कहा कि औसतन एक परिवार में पांच सदस्यों के आधार पर यह पहल 75 से 80 लाख लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा देगी, जबकि सरकार का लक्ष्य इसे बढ़ाकर 1 करोड़ श्रमिक परिवारों (करीब 5 करोड़ लोगों) तक पहुंचाने का है।

- 12.26 लाख निर्माण श्रमिकों को आयुष्मान सुविधा, 15.83 लाख को जल्द जोड़ा जाएगा

औद्योगिक विकास और श्रमिक हित साथ-साथ

सीएम योगी ने स्पष्ट किया कि उद्योग और श्रमिक एक-दूसरे के पूरक हैं और दोनों के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने चेताया कि जहां औद्योगिक अशांति होती है, वहां अंत में खंडहर के सिवाय कुछ नहीं बचता है। सरकार नए वेज बोर्ड के गठन के जरिए श्रमिकों के वेतन, बीमा और अन्य सुविधाओं को और बेहतर करने की दिशा में काम कर रही है। साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों को भी 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य और दुर्घटना बीमा कवर देने की तैयारी है।

श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया

ईएसआईसी अस्पताल और विद्यालय का शिलान्यास

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा में श्रमिक सुविधा केंद्र, ईएसआईसी अस्पताल और जेवर में सीएम कंपोजिट विद्यालय के शिलान्यास के साथ श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया। ग्रेटर नोएडा के विभिन्न सेक्टरों में श्रमिक सुविधा केंद्रों के निर्माण का शिलान्यास किया। इन केंद्रों के जरिए श्रमिकों को एक ही स्थान पर आवास, पंजीकरण, स्वास्थ्य और अन्य जरूरी सेवाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था विकसित की जाएगी। साथ ही ग्रेटर नोएडा में 7.2 एकड़ भूमि पर 300 बेड के अत्याधुनिक ईएसआईसी अस्पताल के निर्माण के लिए भूमि आवंटन पत्र भी सौंपा गया। मुख्यमंत्री ने जेवर में सीएम कंपोजिट विद्यालय के निर्माण का भी शिलान्यास किया।

ऊर्जा संकट का बड़ा प्रहार

कमर्शियल सिलेंडर 993, पांच किलो वाला 261 रुपये महंगा

नई दिल्ली, एजेंसी/ अमृत विचार नेटवर्क

उत्पाद	नई कीमत (दिल्ली)	बढ़ोतरी
कमर्शियल गैस (19kg)	3,071.50	+ 993
छोटा सिलेंडर (5kg)	810.50	+ 261
थोक डीजल	149.00+	+ 12
पेट्रोल / घरेलू गैस	बदलाव नहीं	

- पश्चिम एशिया युद्ध से वैश्विक सप्लाई चेन ठप, 50% तक उछले कच्चे तेल के दाम
- सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए खुद सहा 18 प्रति लीटर तक का नुकसान

पश्चिम एशिया में गहराते युद्ध और सामरिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से उत्पन्न वैश्विक ऊर्जा संकट का सीधा असर अब भारतीय बाजार पर दिखने लगा है। शुक्रवार को सरकारी तेल कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 993 की ऐतिहासिक वृद्धि की घोषणा की, जिससे 19 किलोग्राम वाले सिलेंडर का दाम 3,071.50 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इसके साथ ही 5 किलो वाले छोटे सिलेंडर के दाम भी 261 बढ़कर 810.50 हो गए हैं।

सरकार ने 33 करोड़ घरेलू उपभोक्ताओं के लिए रसोई गैस और पेट्रोल-डीजल की कीमतों को स्थिर रखा है, वहीं दूसरी ओर तेल कंपनियों पर वित्तीय दबाव खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। रेटिंग एजेंसी इक्रा के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें 50% बढ़ने के बावजूद खुदरा रेट न बढ़ने से कंपनियों को डीजल पर 18 और पेट्रोल पर 14 प्रति लीटर का भारी घाटा उठाना पड़ रहा है।

क्यों गहराया संकट?

होर्मुज की बंदी : वैश्विक तेल परिवहन का मुख्य मार्ग पिछले तीन महीनों से बाधित है।युद्ध का प्रभाव : पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने सप्लाई चेन को तोड़ दिया है।रणनीति : सरकार कीमतों में वृद्धि को 'चरणबद्ध' तरीके से लागू कर रही है ताकि अर्थव्यवस्था पर अचानक बोझ न पड़े।

एअरलाइंस को संजीवनी, दिल्ली के रेट स्थिर

विमानन क्षेत्र को बड़ी राहत देते हुए घरेलू एटीएफ की दरें स्थिर रखी गई हैं। एअर इंडिया और इंडिगो जैसी कंपनियों ने पहले ही आगाह किया था कि लागत बढ़ने से उड़ानें अव्यवहारिक हो रही हैं। फिलहाल दिल्ली में पेट्रोल 94.72 और डीजल 87.62 प्रति लीटर पर टिका हुआ है।

केरल में होटल संगठन की राज्यव्यापी हड़ताल की घोषणा

कोच्चि। केएचआरए ने वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि के विरोध में छह मई को राज्यव्यापी हड़ताल की घोषणा की है। प्रदेश अध्यक्ष जी. जयपाल ने कहा कि एलपीजी कीमतों में अनुचित बढ़ोतरी के विरोध में छह मई को राज्यभर के सभी होटल और रेस्तरां बंद रहेंगे।

रोकी टोल वसूली : गंगा एक्सप्रेस-वे पर 15 दिन तक करें मुफ्त सफर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री ने परिचालन शुरू होने से पहले दो हफ्ते टोल टैक्स वसूली पर लगाई रोक

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की जनता को बड़ी सौगात देते हुए गंगा एक्सप्रेसवे को वाणिज्यिक परिचालन की तारीख से पहले 15 दिनों तक टोल-मुक्त रखने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री के इस फैसले के बाद अब यात्री बिना किसी शुल्क के प्रदेश के सबसे लंबे और अत्याधुनिक एक्सप्रेसवे का अनुभव ले सकेंगे।

शुक्रवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री के निर्देश पर यूपीडा ने निर्माण कंपनियों आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर और अदाणी इन्फ्रास्ट्रक्चर को तत्काल प्रभाव से 15 दिनों तक टोल संग्रह स्थगित रखने के निर्देश जारी कर दिए हैं।राजस्व की भरपाई करेगी सरकारपीपीपी मॉडल पर बने इस एक्सप्रेसवे में कंपनियों को 27 वर्षों तक टोल वसूली का अधिकार है। हालांकि, शुरुआती 15 दिनों में होने वाले राजस्व नुकसान की भरपाई राज्य सरकार या यूपीडा द्वारा अनुबंध के प्रावधानों के अनुसार की जाएगी।

उप्र की अर्थव्यवस्था के लिए 'गेम चेंजर' मेरठ से प्रयागराज तक 594 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे को उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था के लिए 'पासा पलटने वाला' माना जा रहा है। सरकार का उद्देश्य है कि टोल छूट के माध्यम से अधिक से अधिक लोग इसकी गुणवत्ता, गति और जन-सुविधाओं से सीधे रूबरू हो सकें। यूपीडा ने स्पष्ट किया है कि टोल-फ्री अवधि के दौरान भी परिचालन और रखरखाव से संबंधित सभी मानकों का सख्ती से पालन किया जाएगा।

राहुल गांधी पर प्राथमिकी दर्ज कराने की याचिका खारिज

प्रयागराज: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। यह आदेश न्यायमूर्ति विक्रम डी. चौहान की पीठ ने सिमरन गुप्ता द्वारा दायर पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई के बाद दिया। याचिकाकर्ता ने राहुल गांधी द्वारा 15 जनवरी 2025 को कांग्रेस कार्यालय के उद्घाटन पर दिए गए बयान को 'देशद्रोही' बताते हुए संभल की अदालत में शिकायत की थी। निचली अदालत द्वारा अर्जी खारिज होने के बाद उन्होंने हाईकोर्ट का रुख किया था। हाईकोर्ट ने 8 अप्रैल को सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रखा था।

- पेज दो भी पढ़े।

पहल

मई से श्रावस्ती में होगी शुरुआत, ग्राम पंचायत स्तर पर खुलेगी चौपाल

संध्या संवाद से गांव-गांव पहुंचेगी सरकार की बातें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: देवीपाटन मंडल में 'संध्या संवाद कार्यक्रम' की शुरुआत आठ मई से की जा रही है। इसकी शुरुआत श्रावस्ती की चयनित ग्राम पंचायत से होगी। जहां खुली चौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी जाएंगी, मौके पर ही उनका निस्तारण किया जाएगा। योगी सरकार इस मॉडल को सभी मंडलों में अपना सकती है।

देवीपाटन मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल ने बताया कि यह पहल मुख्यमंत्री के सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के विजन को जमीनी स्तर पर लागू करने के उद्देश्य से शुरू की जा रही है। कार्यक्रम के तहत गोंडा, बहराइच, श्रावस्ती और बलरामपुर की ग्राम पंचायतों में संवाद स्थापित किया जाएगा, जिससे ग्रामीण सीधे प्रशासन से जुड़ सकें। कार्यक्रम के दौरान एक दिवसीय विशेष शिविर भी लगाया जाएगा, जहां पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ मौके पर ही दिया जाएगा। प्रमाणपत्र वितरण भी उसी दिन किया जाएगा, ताकि लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

दोपहर तक जनसुनवाई, शाम को खुली चौपाल

आठ मई को श्रावस्ती में सुबह 10 से 12 बजे तक जनसुनवाई होगी। इसके बाद दोपहर 12 से 1 बजे तक कर्मचारियों और पेंशनरों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं का निस्तारण किया जाएगा। दोपहर 2 से 4 बजे तक निर्माणाधीन और पूर्ण परियोजनाओं की गुणवत्ता की जांच की जाएगी। शाम 5 से 7 बजे के बीच चयनित ग्राम पंचायत में "संध्या संवाद" के तहत खुली चौपाल आयोजित होगी। सरकार का मानना है कि इस पहल से न केवल योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि जमीनी समस्याओं की पहचान कर उनका त्वरित समाधान भी संभव होगा।

मौके पर रिकार्ड के साथ आएंगे अफसर

अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सभी आवश्यक अभिलेखों के साथ मौके पर उपस्थित रहें, ताकि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों को प्रमाणपत्र भी मौके पर ही वितरित किए जाएंगे, जिससे उन्हें बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें। इस पहल को प्रशासन और जनता के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम माना जा रहा है, जिससे न केवल समस्याओं का त्वरित समाधान होगा बल्कि योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली बाधाओं की भी पहचान की जा सकेगी।

अन्य जिलों में भी लागू हो सकता मॉडल

संध्या संवाद कार्यक्रम को सफल होने पर प्रदेश के अन्य मंडलों और जिलों में भी लागू किया जा सकता है। ग्राम पंचायत स्तर पर सीधा संवाद स्थापित कर योजनाओं का लाभ देना शासन की प्राथमिकताओं को तेजी से पूरा करने में सहायक होगा। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी, शिकायतों का समयबद्ध समाधान होगा।

अमृत विचार

कानपुर, शनिवार, 2 मई 2026

न्यूज ब्रीफ

'हायर एंड फायर' व्यवस्था से श्रमिकों में असुरक्षा बढ़ी

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि वर्तमान में आउटसोर्सिंग, दैनिक वेतन और 'हायर एंड फायर' जैसी व्यवस्थाओं ने श्रमिकों के जीवन में असुरक्षा बढ़ा दी है, जिससे उनके परिवार, शिक्षा और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। बसपा प्रमुख ने शुक्रवार को बुद्ध पूर्णिमा और मई दिवस के अवसर पर कहा कि गौतम बुद्ध के बताए मार्ग पर चलकर लोगों के जीवन को सुखी और समृद्ध बनाना ही सच्चा राजधर्म है। उन्होंने सभी धर्मों के लोगों की जान-माल और मजहब की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया, इसे ही बुद्ध के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि बताया। मायावती ने कहा कि शिक्षा और आत्मविकास के माध्यम से ही देश महान बन सकता है।

बच्चों के हाथ में किताब हो, औजार नहीं : त्यागी

अमृत विचार, लखनऊ : अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर रालोद के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोकी त्यागी ने बाल श्रम को देश के भविष्य के साथ समझौता बताते हुए इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि "बच्चों के हाथों में औजार नहीं, बल्कि किताबें होनी चाहिए", ताकि वे शिक्षित होकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकें। प्रदेश कार्यालय में आयोजित बैठक में त्यागी ने न्यूनतम मजदूरी के सख्त अनुपालन पर जोर देते हुए कहा कि आज भी कई स्थानों पर श्रमिकों को उचित पारिश्रमिक नहीं मिल रहा है, जो गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने सरकार से बाल श्रम उन्मूलन के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने की मांग की। बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्रम प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेश पाल धनगर ने श्रमिकों के सम्मानजनक जीवन, सामाजिक सुरक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ाने पर जोर दिया।

बुद्ध पूर्णिमा पर सारनाथ में उमड़ा आस्था का सैलाब

अमृत विचार, लखनऊ : बुद्ध पूर्णिमा पर सारनाथ में आयोजित 'बौद्ध महोत्सव' में देश-विदेश से आए एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने भगवान गौतम बुद्ध की पवित्र अस्थि धातु के दर्शन किए। इंटरनेशनल बौद्धिस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट, महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया और जम्बू द्वीप बुद्ध विहार के संयुक्त तत्वावधान में हुए कार्यक्रम में भिक्षुओं, विद्यार्थियों और अनुयायियों की बड़ी भागीदारी रही। मूलगंध कुटी विहार में दर्शन के बाद निबंध व चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं, जबकि धम्म देशना और विपश्यना के जरिए शांति व करुणा का संदेश दिया गया।

पहले अंधेरा था, अब घर में उजाला...साझा की जिंदगी में बदलाव की कहानियां

श्रमवीर गौरव समारोह में सीएम से सम्मान पाकर भावुक हुए श्रमिक, मेधावी छात्र-छात्राओं में दिखा उत्साह, लाभार्थी बोले- जीवन में आया सकारात्मक बदलाव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: 'श्रमवीर गौरव समारोह-2026' श्रमिकों और उनके परिवारों के लिए सम्मान और भावनाओं का विशेष अवसर बन गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सम्मानित होकर श्रमिकों और मेधावी छात्र-छात्राओं ने अपने जीवन में आए बदलाव को साझा किया और खुशी जताई।

राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले श्रमिकों और अटल आवासीय विद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र और टैबलेट देकर सम्मानित किया। सीतापुर के श्रमिक मुन्नालाल सम्मान पाकर भावुक हो उठे। उन्होंने कहा कि पहले घर में अंधेरा रहता था और मिट्टी के तेल की डिबरी से काम चलता था, लेकिन अब बिजली, आवास और गैस कनेक्शन जैसी सुविधाएं मिल गई हैं।

'श्रमवीर गौरव समारोह-2026' के दौरान श्रमिकों और उनके मेधावी बच्चों को सम्मानित करने के बाद ग्रुप फोटो खिंचवाते मुख्यमंत्री योगी, साथ में अन्य। अमृत विचार

समय पर मजदूरी से बदली जिंदगी

बरेली के आकाश, जो ओमैक्स मेट्रो सिटी, कल्ली पश्चिम (रायबरेली रोड) में मिस्त्री के साथ हेल्पर के रूप में कार्यरत हैं, ने बताया कि अब उन्हें समय पर मजदूरी मिलती है। इससे परिवार का भरण-पोषण सुचारु हुआ है और आर्थिक स्थिति में सुधार आया है।

महिला श्रमिकों ने जताया आभार

लखनऊ की श्रमिक प्यारी और सरस्वती ने कहा कि अब उन्हें काम के साथ आवश्यक सुविधाएं और समय पर भुगतान मिल रहा है, जिससे उनका जीवन पहले की तुलना में बेहतर हुआ है।

छात्रों ने जताया गर्व, संजोए सपने

समारोह में अटल आवासीय विद्यालयों के कक्षा-10 के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। छात्रा अभिलाषा ने कहा कि मुख्यमंत्री से सम्मान पाना उनके लिए गर्व का क्षण है और वह आगे चलकर डॉक्टर बनना चाहती हैं।

सम्मान से बढ़ा उत्साह : प्रधानाचार्य

अटल आवासीय विद्यालय प्रयागराज के प्रधानाचार्य डॉ. गोपाल कांत मिश्रा और वाराणसी के प्रधानाचार्य सत्येंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि इस तरह का सम्मान शिक्षकों और छात्रों दोनों का उत्साह बढ़ाता है।

ढिलाई बर्दाश्त नहीं, 30 मई तक डी-सिल्टिंग पूरी करें : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने पेयजल, सिंचाई और राहत प्रबंधन को लेकर दिए सख्त निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सूखा आशंका के बीच अलर्ट मोड में सरकार, हर जिले में 24×7 कंट्रोल रूम सक्रिय रखने के निर्देश
- किसानों के हित सर्वोपरि, टेल एंड तक पानी पहुंचाने और वैकल्पिक इंतजाम पुख्ता करने पर जोर

अमृत विचार: भीषण गर्मी और सामान्य से कम वर्षा की आशंका को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशभर में पेयजल, सिंचाई और राहत प्रबंधन को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्तर पर शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी और सभी विभाग अग्रिम तैयारी सुनिश्चित करें। 30 मई तक हर हाल में डी-सिल्टिंग पूरी करें।

उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेश में कहीं भी पेयजल संकट नहीं होना चाहिए। पाइप्ड जल योजनाओं के साथ टैंकर जैसी वैकल्पिक व्यवस्थाएं पूरी तरह तैयार रखी जाएं। साथ ही शासन से लेकर जनपद स्तर तक 24×7 कंट्रोल रूम सक्रिय रहें और नियमित सूचना मुख्यमंत्री कार्यालय, मुख्य सचिव और डीजीपी तक पहुंचती रहे।

मुख्यमंत्री ने जल संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए नहरों, तालाबों और पोखरों की डी-सिल्टिंग 30 मई तक हर हाल में पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे न केवल जल संचयन बढ़ेगा, बल्कि सिंचाई व्यवस्था भी मजबूत होगी। तालाबों से निकली मिट्टी को प्रजापति समाज और पारंपरिक कुम्हार शिल्पकारों को निःशुल्क उपलब्ध कराने का निर्देश भी दिया गया है, ताकि जल संरक्षण के साथ आजीविका के अवसर भी सृजित हों। गर्मी से बचाव के लिए अस्पतालों में हीट स्ट्रोक और लू से निपटने की तैयारियां मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही पशुधन के लिए पानी, चारा और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है।

अपने आवास पर मंत्रियों और अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

सूखा घोषित करने की तैयारी

मुख्यमंत्री ने पूर्व में सूखा प्रभावित रहे 18 जिलों में विशेष निगरानी रखने और 15 जून से 30 जुलाई के बीच स्थिति का आकलन करने के निर्देश दिए। आवश्यकता पड़ने पर समयबद्ध तरीके से सूखा घोषित करने और राहत कार्य शुरू करने को कहा गया है।

किसानों के लिए विशेष निर्देश

किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री ने सभी नलकूपों को क्रियाशील रखने, समय पर मरम्मत और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने टेल फीडिंग के जरिए अंतिम छोर तक सिंचाई पानी पहुंचाने पर विशेष जोर दिया, ताकि किसी भी क्षेत्र में पानी की कमी न हो। अनुदानित बीज वितरण, फसल बीमा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और किसान क्रेडिट कार्ड के जरिए ऋण उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है।

असहमति लोकतंत्र की आत्मा हर तीखी टिप्पणी देशद्रोह नहीं

राहुल गांधी के विवादित बयान मामले में हाईकोर्ट की टिप्पणी

विधि संवाददाता, प्रयागराज

- कहा- मात्र आशंका, कल्पना या वैचारिक असहमति को आपराधिक अभियोजन का आधार नहीं बनाया जा सकता

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी के विवादित बयान के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में सरकार, नीतियों या राज्य की आलोचना स्वतः अपराध नहीं बन जाती। किसी वक्तव्य पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 152 के तहत कार्रवाई तभी संभव है, जब वह वास्तव में अलगाववाद, सशस्त्र विद्रोह, विध्वंसक गतिविधियों या भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को प्रत्यक्ष रूप से खतरे में डालता हो। कोर्ट ने कहा कि मात्र आशंका, कल्पना या वैचारिक असहमति को आपराधिक अभियोजन का आधार नहीं बनाया जा सकता। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति विक्रम डी. चौहान की एकलपीठ ने सिमरन गुप्ता की याचिका खारिज करते हुए की।

याचिका में संभल (चंदौसी) की अदालतों के उन आदेशों को चुनौती दी गई थी, जिनमें राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग अस्वीकार कर दी गई थी। मामला 15 जनवरी 2025 को राहुल गांधी द्वारा दिए गए उस बयान से जुड़ा था, जिसमें कथित तौर पर कहा गया था कि उनकी "लड़ाई" एक संगठन, एक राजनीतिक दल और भारतीय राज्य से है। इस बयान को राष्ट्रविरोधी बताते हुए याची ने 23 जनवरी 2025 को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 173(4) के तहत संभल की विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट में आवेदन देकर भारतीय न्याय संहिता की धारा 152 के अंतर्गत एफआईआर दर्ज कराने की मांग की थी। हालांकि ट्रायल कोर्ट ने 10 फरवरी 2025 को आवेदन खारिज कर दिया, जिसे बाद में आपराधिक पुनरीक्षण अदालत ने भी 7 नवंबर 2025 को बरकरार रखा। मामले के तथ्यों पर विचार करते हुए कोर्ट ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता संविधान के अनुच्छेद 19(1)(क) के तहत प्रदत्त एक मौलिक अधिकार है और इसे केवल अनुच्छेद 19(2) में वर्णित युक्तिसंगत प्रतिबंधों के दायरे में ही सीमित किया जा सकता है। कोर्ट ने रेखांकित किया कि असहमति का अधिकार एक जीवंत लोकतंत्र का अनिवार्य तत्व है। विचारों का उत्तर विचारों से दिया जाना चाहिए, न कि आपराधिक मुकदमों से। कोर्ट ने यह भी कहा कि किसी भाषण को अपराध सिद्ध करने का दायित्व शिकायतकर्ता पर है। उसे यह दिखाना होगा कि संबंधित वक्तव्य न केवल धारा 152 के आवश्यक तत्वों को पूरा करता है, बल्कि वह संवैधानिक संरक्षण के दायरे से भी बाहर है। इस मामले में याची न तो कथित बयान का पूरा संदर्भ प्रस्तुत कर सकी और न ही कोई ऐसा ठोस सामग्री दे सकी, जिससे यह स्थापित हो कि उक्त वक्तव्य ने अलगाववाद, विद्रोह या राष्ट्र की अखंडता के विरुद्ध कोई वास्तविक खतरा उत्पन्न किया। कोर्ट ने कहा कि निर्वाचित प्रतिनिधियों को नीतियों और विचारधाराओं के विरुद्ध मुखर होने का अधिकार है। राजनीतिक विमर्श में प्रयुक्त "लड़ाई" जैसे शब्दों का अर्थ हर बार शाब्दिक या हिंसक नहीं होता। अनेक बार यह वैचारिक प्रतिरोध, प्रखर वकालत या लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक होता है। सरकार की आलोचना और राजद्रोह के बीच की संवैधानिक रेखा को धुंधला नहीं किया जा सकता। विधि के अनुरूप समवर्ती निष्कर्ष दर्ज किए जाने और निचली अदालतों के आदेशों में कोई गंभीर त्रुटि या न्यायिक अतिक्रमण न पाते हुए कोर्ट ने अनुच्छेद 227 के तहत हस्तक्षेप से इनकार कर दिया और याचिका को निरस्त कर दिया।

गेहूं खरीद में देवरिया सबसे आगे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पूर्वांचल ने पश्चिम को छोड़ा पीछे प्रदेश में 6.10 लाख मीट्रिक टन की गेहूं खरीद
- डीबीटी से 1.15 लाख किसानों के खाते में 1318 करोड़ रुपये हुए ट्रांसफर

अमृत विचार: प्रदेश में रबी विपणन सत्र के दौरान गेहूं खरीद अभियान ने रफ्तार पकड़ ली है। खरीद में पश्चिम को पूर्वांचल के जिलों ने पीछे छोड़ दिया है। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही का जिला देवरिया गेहूं खरीद में सबसे आगे है।

गेहूं खरीद में पूर्वांचल के जिलों का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा है। देवरिया ने 55.82% खरीद के साथ प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। इसके अलावा बस्ती, प्रतापगढ़, बलरामपुर और संतकबीरनगर भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। बेहतर प्रबंधन और पारदर्शी व्यवस्था ने किसानों का भरोसा मजबूत किया है।

सरकार ने इस पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और किसानों की सुविधा को प्राथमिकता दी है। अब तक 1,15,854 किसानों को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए 1318 करोड़ रुपये सीधे उनके बैंक खातों में भेजे जा चुके हैं। इससे किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित हो रहा है और बिचौलियों की भूमिका खत्म हो रही है। प्रदेश भर के खरीद केंद्रों पर तौल, भंडारण और भुगतान की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया गया है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि हर केंद्र पर पर्याप्त संसाधन उपलब्ध रहें और कोई भी किसान अपनी उपज लेकर लौटने को मजबूर न हो। निगरानी तंत्र को भी मजबूत किया गया है ताकि खरीद प्रक्रिया सुचारु रूप से चलती रहे।

बेमौसम बारिश के बीच राहत: इस बार बेमौसम बारिश के कारण गेहूं की गुणवत्ता प्रभावित हुई। ऐसे में किसानों को नुकसान से बचाने के लिए केंद्र सरकार ने राहत देते हुए 70% तक चमकविहीन और 20% तक सिकुड़ा या टूटा गेहूं बिना कटौती के खरीदने की अनुमति दी है।

अजय राय की तबीयत बिगड़ी, मेदांता में भर्ती

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की तबीयत शुक्रवार शाम अचानक बिगड़ गई। बेहोशी की हालत में उन्हें तत्काल मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है, देर शाम उन्हें आईसीयू में शिफ्ट किया गया है। जहां, उनका इलाज चल रहा है। पार्टी प्रवक्ता अंशु अवस्थी के अनुसार, सोडियम स्तर कम होने के कारण प्रदेश अध्यक्ष अपने आवास पर बेहोश हो गए, फिलहाल उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और विस्तृत मेडिकल जांच जारी है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता बनी हुई है।

जेवर एयरपोर्ट : 15 जून से शुरू होंगी कामर्शियल उड़ानें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- इंडिगो की पहली उड़ान, पश्चिमी यूपी-एनसीआर को मिलेगा ग्लोबल गेटवे

अमृत विचार: उत्तर भारत के एविएशन सेक्टर में एक बड़ा बदलाव 15 जून से देखने को मिलेगा, जब नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कमर्शियल फ्लाइट्स का संचालन शुरू हो जाएगा। इस शुरुआत के साथ ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और पश्चिमी उत्तर प्रदेश को एक विश्वस्तरीय एविएशन गेटवे मिल जाएगा, जिससे यात्रा, व्यापार और निवेश की संभावनाएं नई ऊंचाई पर पहुंचेंगी।

यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में तेजी से विकसित हो रहे इंफ्रास्ट्रक्चर नेटवर्क का अहम हिस्सा मानी जा रही है। एयरपोर्ट से पहली कमर्शियल उड़ान इंडिगो द्वारा संचालित की जाएगी। इसके बाद आकाश एयर और एयर इंडिया एक्सप्रेस भी अपनी सेवाएं शुरू करने की तैयारी में हैं। उड़ानों के शेड्यूल और गंतव्यों की घोषणा जल्द की जाएगी।

एयरपोर्ट का संचालन प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन और ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी से एयरोड्रोम सुरक्षा कार्यक्रम (एएसपी) की मंजूरी मिलने के बाद शुरू किया जा रहा है, जो इसकी सुरक्षा और संचालन मानकों की पुष्टि करता है।

आधुनिक सुविधाओं से लैस, कनेक्टिविटी का हब : नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट अत्याधुनिक टर्मिनल, स्मार्ट ऑपरेशन सिस्टम और मजबूत मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के साथ विकसित किया गया है। इसे यमुना एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न व वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से जोड़ा गया है, जिससे यात्रियों और कार्गो ऑपरेटरों को सहज कनेक्टिविटी मिलेगी। यह एयरपोर्ट न केवल दिल्ली-एनसीआर के एयर ट्रैफिक का दबाव कम करेगा, बल्कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास, पर्यटन और रोजगार सृजन को भी नई गति देगा।

ग्रीन और भविष्य उन्मुख परियोजना : यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित यह ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट टिकाऊ डिजाइन और नेट-जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य के साथ तैयार किया गया है। वर्तमान में यह सालाना 1.2 करोड़ यात्रियों की क्षमता रखता है, जिसे भविष्य में बढ़ाकर 7 करोड़ से अधिक करने की योजना है।

उपलब्धि

प्रदेश में बीते 9 वर्षों में महिला सुरक्षा को लेकर प्रदेश सरकार की नीतियों का जमीन पर दिख रहा असर

महिला सुरक्षा पर सख्ती और त्वरित न्याय से आया सुधार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सुनवाई, चार्जशीट व सजा दर से न्याय प्रणाली में भी बदलाव

अमृत विचार: महिला सुरक्षा अब सिर्फ नीतिगत घोषणा नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर लागू व्यवस्था बन चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति से पिछले नौ वर्षों में व्यापक बदलाव देखने को मिला है।

पहले जहां महिला अपराधों के मामलों में देरी और कार्रवाई की कमी थी, वहीं अब त्वरित न्याय, सख्त पुलिसिंग और तकनीकी निगरानी के जरिए सुरक्षा तंत्र अधिक मजबूत हुआ है। प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को केंद्र में रखते हुए कई स्तरों पर ठोस कदम उठाए गए हैं। बीट पुलिसिंग, पिंक बूथ, एंटी रोमियो स्क्वाड, मिशन शक्ति और फास्ट ट्रैक कोर्ट जैसी व्यवस्थाओं ने सुरक्षा का बहुस्तरीय ढांचा तैयार किया है, जिससे अपराध रोकथाम और त्वरित कार्रवाई दोनों में सुधार हुआ है।

फास्ट ट्रैक कोर्ट से तेज हुआ न्याय

महिलाओं और बच्चियों से जुड़े मामलों में त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए राज्य में 9 वर्षों में 218 फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही सभी 75 जिलों में पॉक्सो विशेष न्यायालय संचालित हैं, जहां मामलों के निस्तारण के लिए छह माह का लक्ष्य तय किया गया है। पहले जहां ऐसे मामलों में लंबित मामलों की संख्या अधिक रहती थी, वहीं अब सुनवाई की गति बढ़ी है। सरकार के अनुसार, न्यायिक प्रक्रिया में तेजी से पीड़िताओं का भरोसा भी बढ़ा है।

एंटी रोमियो और मिशन शक्ति का असर

2017 में गठित एंटी रोमियो स्क्वाड ने सार्वजनिक स्थानों पर छेड़छाड़ और उत्पीड़न के मामलों में अंकुश लगाने में अहम भूमिका निभाई है। फरवरी 2026 तक इन टीमों द्वारा व्यापक स्तर पर चेकिंग अभियान चलाते हुए हजारों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। वर्ष 2020 से संचालित मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला सुरक्षा, जागरूकता और स्वावलंबन को जोड़ते हुए एकीकृत प्रयास किए गए हैं। 40 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया है।

तकनीक व हेल्पलाइन से बढ़ी पहुंच

महिला हेल्पलाइन 1090 के जरिए अब तक 5 करोड़ से अधिक शिकायतों का निस्तारण किया गया है। इसके माध्यम से एफआईआर दर्ज कराने की सुविधा ने भी प्रक्रिया को आसान बनाया है। इसके अलावा सेफ सिटी प्रोजेक्ट के तहत लखनऊ समेत कई शहरों में हजारों सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी बढ़ाई गई है। 2500 से अधिक पिंक बूथ और महिला पुलिस थानों की स्थापना ने महिलाओं को सुरक्षित माहौल प्रदान किया है।

'एक पेड़ मां के नाम' यूपी मॉडल को मिली ब्रिक्स देशों की सराहना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- रिकॉर्ड पौधरोपण और भावनात्मक जुड़ाव से बनी वैश्विक पहचान

अमृत विचार: केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से आयोजित वर्चुअल समिट में ब्रिक्स देशों ने उत्तर प्रदेश के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की सराहना की। ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, इथोपिया, ईरान और इंडोनेशिया समेत नौ देशों के युवा प्रतिनिधियों ने इस पहल को जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए प्रभावी और प्रेरक मॉडल बताया।

प्रदेश ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में चल रहे 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' अभियान ने पौधरोपण के नए मानक स्थापित किए हैं। 9 जुलाई 2025 को एक ही दिन में 37 करोड़ से अधिक पौधे लगाकर प्रदेश ने विश्व रिकॉर्ड बनाया, जबकि पिछले नौ वर्षों में 242 करोड़ से अधिक पौधरोपण किया जा चुका है।

समिट में प्रतिभागियों ने कहा कि यह अभियान लोगों को प्रकृति से भावनात्मक रूप से जोड़ता है, जो इसकी सबसे बड़ी ताकत है। उनका मानना रहा कि जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौती से निपटने के लिए केवल नीतियां पर्याप्त नहीं, बल्कि समाज की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है—जिसे उत्तर प्रदेश ने व्यवहार में उतारकर दिखाया है। समिट में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले बागपत के युवा अमन कुमार ने पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने पर जोर दिया।

प्रदेश सरकार ने इस पहल को केवल पौधरोपण तक सीमित न रखकर इसे संस्कृति, संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ा है। यही वजह है कि यह मॉडल अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उदाहरण बनकर उभर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

महिला के बाले छीनने वाला पकड़ा गया

कानपुर देहात। मूसानगर थाना पुलिस ने बीते दिनों महिला के साथ बाला लूट की घटना करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से लूटा गया सोने का बाला और घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल बरामद की गई है। 15 अप्रैल को मूसानगर के वार्ड नंबर 13 निवासी रेशू कुमार की दादी खेत से गेहूं काटकर घर लौट रही थीं। खिरियनपुरवा-मूसानगर मार्ग पर सरकारी ट्यूबवेल के पास बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने उन्हें रोका और बेरहमी से उनके कान के सोने के बाले नोच लिए। इस झपटमारी में वृद्धा के कान कट गए और काफी खून बह गया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस टीम गुरुवार को चांदपुर तिराहे के पास रोहित निवासी जिगनीपुरवा थाना गजनेर को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से पीली धातु का एक कान का बाला बरामद हुआ। कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने अपने साथी श्याम सिंह (निवासी चौनपुरवा, कानपुर नगर) के साथ मिलकर घटना को अंजाम देने की बात स्वीकार की।

नौ को होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

कानपुर देहात। नौ मई को जिले में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होगा। इसके सफल, सुव्यवस्थित एवं प्रभावी आयोजन के दृष्टिगत जिला एवं सत्र न्यायालय सभागार में विस्तृत तैयारी बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य जनपद स्तर पर राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों की समीक्षा करना तथा संबंधित विभागों एवं अधिकारियों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करना रहा। बैठक के दौरान जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम (नोडल अधिकारी) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रजत सिन्हा द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य आमजन को सस्ता, सुलभ एवं त्वरित न्याय उपलब्ध कराना है। लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न प्रकार के विवादों का आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर निस्तारण किया जाता है, जिससे न्यायालयों में लंबित मामलों का बोझ भी कम होता है तथा वादकारियों को शीघ्र न्याय प्राप्त होता है।

डंपर की टक्कर से एक किसान की मौत एक घायल

रसूलाबाद : डंपर की टक्कर से 45 वर्षीय किसान की मौके पर ही मौत हो गई। बैजूपुरवा तिगाई निवासी लालशाह पुत्र बादशाह ट्रैक्टर पर भूसे की झालें लादकर करियावर रसूलाबाद निवासी रिश्तेदार रामचंद्र के यहां जा रहे थे। रसूलाबाद-झींझक मार्ग पर ट्रैक्टर से भूसे की कुछ झालें नीचे गिर गईं। चालक संजय झालों को उठवाकर लालशाह के सिर पर रख रहा था तभी झींझक की तरफ से आ रहे डंपर ने टक्कर मार दी। इससे लालशाह ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। ट्रैक्टर चालक संजय इस घटना में बाल-बाल बच गया और उसे मामूली चोटें आईं। सूचना पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को सीएचसी रसूलाबाद ले गए। वहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद लालशाह को मृत घोषित कर दिया।

पोषण ट्रैकर पर नियमित दर्ज कराएं बच्चों का ब्यौरा

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

- जिला पोषण समिति की बैठक डीएम ने दिए निर्देश

अमृत विचार: जिलाधिकारी कपिल सिंह की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल की उपस्थिति में मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार, कलेक्ट्रेट में जिला पोषण समिति की बैठक आयोजित की गई। इसमें जनपद में संचालित विभिन्न पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी द्वारा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में जिलाधिकारी ने 0 से 6 वर्ष तक के सभी बच्चों का पोषण ट्रैकर एप पर नियमित रूप से ऊंचाई, वजन आदि विवरण शत-प्रतिशत दर्ज कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी लाभार्थियों, गर्भवती महिलाएं, धात्री महिलाएं एवं बच्चों का एफआरएस पोर्टल पर आधार प्रमाणीकरण सुनिश्चित करने को कहा।

अवगत कराया गया कि लगभग 96 प्रतिशत लाभार्थियों का आधार प्रमाणीकरण पूर्ण किया जा चुका है, जिस पर जिलाधिकारी ने शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि महिलाओं एवं बच्चों को समय पर पोषाहार, राशन का वितरण सुनिश्चित किया जाए तथा ग्राम पंचायत स्तर पर गठित समितियों द्वारा उसका सत्यापन भी कराया जाए। उन्होंने प्रत्येक बीएचएनडी सत्र पर आंगनबाड़ी केंद्रों में आवश्यक गतिविधियों का नियमित आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जानकारी दी गई कि मार्च माह तक जनपद में 454 सैम एवं 3099 मैम बच्चे चिन्हित हैं। इस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सैम बच्चों को मैम श्रेणी में तथा मैम बच्चों को सामान्य श्रेणी में लाने हेतु प्रभावी एवं लक्षित कार्यवाही की जाए। जिलाधिकारी द्वारा एनआरसी एवं प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने शेष आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं का आधार प्रमाणीकरण शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए। आंगनबाड़ी केंद्रों में उपलब्ध कराए जाने वाले मिड-डे मील की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु समय-समय पर परीक्षण कराए जाने एवं निर्धारित मेनू के अनुरूप भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्रों के कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में डीएम के साथ मौजूद रहे अधिकारी। अमृत विचार

गर्भवतियों व बच्चों का सौ फीसदी कराएं टीकाकरण

■ कानपुर देहात : कलेक्ट्रेट सभागार में जनपदीय स्वास्थ्य समिति के शासी निकाय की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता डीएम कपिल सिंह ने की। उन्होंने पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन की समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए। समीक्षा में संस्थागत प्रसव बढ़ाने, मातृत्व मृत्यु दर में कमी करने, जननी सुरक्षा योजना का लाभ देने, गर्भवती महिलाओं व बच्चों के शत प्रतिशत टीकाकरण कराने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने मातृत्व मृत्यु के संबन्ध में विशेष संवेदनशीलता बरतने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने सभी एमओआईसी को संस्थागत प्रसव बढ़ाने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आरबीएसके टीम कमजोर बच्चों का चिन्हांकन कर प्रभावी कार्यवाही करें। जिलाधिकारी ने कहा वर्तमान में मच्छर जनित विभिन्न बीमारियों के सम्बन्ध में विशेष सतर्कता बरती जाये, आने वाले सभी मरीजों की जांच की जाए। बैठक में टीकाकरण, आभा आईडी, टीवी, तम्बाकू उन्मूलन कार्यक्रम, राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम आदि की समीक्षा कर दिशा निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी द्वारा सभी एमओआईसी व संबंधित अधिकारियों को विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों से संबंधित अद्यतन आंकड़े, प्रगति की रिपोर्ट समय अंतर्गत पोर्टल पर अपलोड करने के सख्त निर्देश दिए गए। साथ ही जिलाधिकारी द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए की यदि किसी कार्यक्रम अथवा योजना के संचालन में किसी प्रकार की लापरवाही अथवा लक्ष्य के अनुरूप अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। इस मौके पर मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 एके सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी विकास पटेल सहित अधिकारी मौजूद रहे।

नर्सिंग होम में मरीज की गई जान,परिजनों ने काटा हंगामा

नर्सिंग होम संचालक पर लापरवाही का लगाया आरोप, पुलिस ने शुरू की जांच

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचार। यहां विषधन रोड पर एक निजी नर्सिंग होम में इलाज के दौरान नगर पंचायत की संविदा सफाई कर्मी की मौत हो गई। गलत इलाज का आरोप लगा मृतका के परिजनों ने हंगामा किया। संचालक के विरुद्ध पुलिस को तहरीर दी गई है।

कस्बा के सुभाष नगर निवासी सफाई कर्मी अशोक की पत्नी सीमा 48वर्ष को अचानक सांस लेने में दिक्कत होने लगी। परिजन विषधन रोड पर संचालित श्री हंस अस्पताल ले गए और वहां भर्ती कर दिया। दोपहर करीब एक बजे इलाज के दौरान सीमा देवी की मौत हो गई। पति अशोक व पुत्र सूरज आदि ने बताया कि सांस लेने में दिक्कत होने के कारण सीमा देवी को इलाज के लिए श्री हंस हॉस्पिटल लाए थे जहां मिले अस्पताल के डायरेक्टर लाखन सिंह, सोहित कुमार,संजय राठौर आदि ने ठीक कर देने का आश्वासन देते हुए बीस हजार रुपए काउंटर पर जमा करा लिए।

इसके बाद जांचों के नाम पर 5000 रुपए और लिए। इसी दौरान एक बजे के करीब सीमा देवी की हालत बिगड़ने लगी। तब वह लोग आनन फानन सीएचसी रसूलाबाद ले गए। डॉक्टर बृजेश कुमार ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने इलाज के दौरान लापरवाही बरतने तथा बिना लाइसेंस के अस्पताल संचालित कर मरीजों की जान से खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। सूचना पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक शिवनारायण सिंह, कस्बा प्रभारी प्रमोद दीक्षित समेत अन्य पुलिस टीम ने जांच पड़ताल के बाद अस्पताल संचालकों की तलाश शुरू की है। इधर घटना से नाराज नगर पंचायत के सफाई कर्मियों ने भी अस्पताल गेट के बाहर प्रदर्शन कर कार्रवाई की मांग की है। घटना से पति अशोक कुमार, बेटा विजय, विशाल ,आकाश, सूरज ,सुनील, अनिल विवाहित बेटी वैष्णवी समेत अन्य परिजन बिलखते रहे।

मरीज की मौत से उत्तेजित परिजनों को समझाते कस्बा प्रभारी प्रमोद दीक्षित। अस्पताल के बाहर जमा भीड़। अमृत विचार

कोर्ट में पेशी के बाद जेल भेजे गए असद हुसैन के हत्यारोपी

रसूलाबाद: मंगलवार को कस्बा रसूलाबाद के बाहर एक स्लाटर हाउस (हड्डीमिल) के हौज में बोरी में बंद मिले कस्बा के कबीर नगर निवासी अनाज कारोबारी रियायत हुसैन उर्फ मुन्ना खान की बेटे असद हुसैन 27 के शव के मामले में पुलिस ने मुख्य हत्यारोपी शहनवाज उर्फ जेके पुत्र सुलेमान निवासी कबीर नगर एवं उसका साथी बाइक मिस्त्री सरताज पुत्र मुश्ताक निवासी कबीर नगर को जेल भेज दिया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने पूछताछ के दौरान हत्या में प्रयुक्त शराब की बोतल, बीयर की कैन के साथ-साथ शव को ठिकाने लगाने के दौरान इस्तेमाल की गई बाइक भी बरामद कर दाखिल की। दोनों हत्यारो को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। दोनों हत्यारोपियों ने पूछताछ के दौरान बताया कि मृतक असद शाहनवाज का करीबी दोस्त था लेकिन सट्टेबाजी के रुपए के लेनदेन को लेकर शाहनवाज ने असद की हत्या की योजना बनाई और बाइक मिस्त्री सरताज की मदद से हत्या की घटना को अंजाम दिया।

किशोरी की संदिग्ध हालात में मौत, फंदे से लटका मिला शव

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचार: रसूलपुर रसूलाबाद में सुबह शौच के लिए गई एक 17 वर्षीय किशोरी ने संदिग्ध परिस्थितियों में गांव के बाहर नीम के पेड़ में दुपट्टे से फांसी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। उसके न लौटने पर घर वालों ने उसकी तलाश की तो उसे गांव के बाहर एक खेत में खड़े नीम के पेड़ में फांसी पर लटके पाया। इस पर पूरे परिवार में कोहराम मच गया। इसकी सूचना पुलिस को प्रधान पुत्र ने दी है। बाद में पिता की सूचना पर पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलवाकर शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा है।

रसूलपुर रसूलाबाद निवासी जितेंद्र कठेरिया की 17 वर्षीय पुत्री अनामिका शुक्रवार सुबह शौच के लिए गई थी। वहां से देर तक न लौटने पर घर वालों ने उसकी तलाश की तो उसे गांव के बाहर विद्याराम के खेत में खड़े नीम के पेड़ में दुपट्टे से फांसी के फंदे पर लटका पाया। इस पर परिवार में कोहराम मच गया। अनामिका कक्षा 8 तक पढ़ी थी और लगभग पिछले तीन-चार साल से घर पर ही रहती थी। कुछ ग्रामीणों की माने तो उसने मोबाइल पर बात करते-करते फांसी लगाई थी। किंतु पिता ने उसके पास मोबाइल होने की बात नकार दी है।

अनामिका।

इसकी सूचना ग्राम प्रधान जय सिंह के पुत्र नीरज ने पुलिस को दी है। सूचना पाकर मौके पर बिरहुन चौकी इंचार्ज जेपी सिंह पहुंचे और फोरेंसिक टीम को बुलवाकर आवश्यक जांच की। इसके बाद पिता द्वारा दी गई फौती सूचना पर शव को पोस्टमार्टम हेतु भिजवाया है। अनामिका की असामयिक मौत पर उसकी मां सोनी, पिता जितेंद्र, बहनें गोलू, आरती, मुस्कान व भाई कार्तिक का रो रो कर बुरा हाल है। थाना प्रभारी शिव नारायण सिंह ने बताया की शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया है। जांच कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

श्रमिक दिवस:विकास की इमारत के असली कारीगर होते हैं मजदूर

संवाददाता, रनियां

अमृत विचार: मजदूर दिवस पर शुक्रवार को औद्योगिक क्षेत्र रनियां में समाजवादी पार्टी मजदूर सभा के तत्वावधान में कार्यक्रम हुआ। इसमें वक्ताओं ने मजदूरों के हितों के लिए निरंतर प्रयास, जागरूकता और ठोस कार्ययोजना का मुद्दा उठाया।

वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सपा व्यापार सभा हरदीप सिंह राखरा ने कहा कि मजदूर किसी भी इंडस्ट्री की रीढ़ होते हैं और उद्योगों की वास्तविक मजबूती उन्हीं में निहित होती है। उन्हें काम के लिए सुरक्षित वातावरण, उचित मजदूरी, और समय-समय पर प्रशिक्षण उपलब्ध कराना उद्यमियों की जिम्मेदारी है। आश्वस्त किया कि इस दिशा में उद्योग जगत सक्रिय सहयोग करते हुए मजदूरों के कौशल विकास व सम्मानजनक जीवन के लिए निरंतर प्रयास करेगा। जिला बार एसो. के अध्यक्ष जितेंद्र प्रताप सिंह चौहान

- रनियां में सपा मजदूर सभा के तत्वावधान में कार्यक्रम

ने कहा कि देश के विकास की इमारत के असली कारीगर मजदूर हैं। बावजूद इसके वे हाशिये पर हैं। कहा कि असंगठित क्षेत्र के मजदूर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में अहम भूमिका निभाते हैं। लेकिन वे आज भी मूलभूत अधिकार सुरक्षा व सम्मान से वंचित हैं। इनके लिए बनाए गए कानूनों का प्रभावी ढंग से पालन करना चाहिए।

कार्यक्रम में सपा व्यापार सभा के जिलाध्यक्ष विष्णु कुमार गुप्ता, सहित मुलायम सिंह यादव, सुनील गुप्ता, राघवेन्द्र सिंह, रमेश चंद्र सिंह गौर, प्रमोद नायक, जगदीश शर्मा, अतुल सेठ, धरम सिंह, मनोज गुप्ता, प्रदीप गुप्ता आदि रहे।

श्रमिक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते जितेंद्र प्रताप सिंह चौहान।

पोल पर काम करते युवक की करंट से मौत

मंगलपुर। एचटी लाइन के विद्युत पोल में चढ़ते समय युवक करंट की चपेट में आ गया। बाद में उसकी मौत हो गई।

क्षेत्र के ररौंख गांव निवासी पिंटू शंखवार पुत्र भूरा संखवार बिजली के खंभे पर चढ़ा था। तभी अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर पड़ा। हादसे में उसे गंभीर चोटें आईं। घटना के तुरंत बाद परिजन और ग्रामीण उसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हवासपुर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मृतक के परिजनों का कहना है कि घटना की पूरी निष्पक्ष जांच कर यह स्पष्ट किया जाए कि किन परिस्थितियों में युवक खंभे पर चढ़ा। परिजनों ने प्रशासन से आर्थिक सहायता की मांग की है।

मौसम के मिजाज में आई नर्मी से उड़द और मूंग फसल को लाभ

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचार। गुरुवार तड़के मौसम ने करवट ली। छाए काले बादलों के बीच बूंदाबांदी हुई। इससे भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों ने राहत की सांस ली। पिछले कई दिनों से जिले में तापमान 42 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच चल रहा था। यह हल्की बारिश किसानों की उड़द और मूंग की फसलों के लिए लाभदायक है।

हल्की बारिश और ठंडी हवाओं के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई जिससे वातावरण में ठंडक महसूस हुई। मौसम में आए इस बदलाव से लोगों के चेहरों पर खुशी दिखी। सड़कों पर निकले लोगों ने भी बदले हुए मौसम का आनंद लिया और तेज धूप व लू से मिली राहत पर संतोष जताया। यह बूंदाबांदी किसानों के लिए भी फायदेमंद साबित हो रही है। हल्की बारिश से खेतों में खड़ी उड़द और मूंग की फसल को पर्याप्त नमी मिली

- बारिश के बाद तापमान में आई गिरावट, लोगों को मिली राहत

है, जिससे उनकी पैदावार में मदद मिलने की उम्मीद है। साथ ही, गर्मी के कारण सूख रही जमीन को भी राहत मिली है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, यदि इसी तरह हल्की बारिश होती रही तो दलहनी फसलों के उत्पादन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। मौसम विभाग ने भी आने वाले एक-दो दिनों तक बादलों की आवाजाही और हल्की बारिश की संभावना जताई है। इससे तापमान में और गिरावट आ सकती है, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। इस बूंदाबांदी ने जहां आम लोगों को राहत दी है, वहीं किसानों के चेहरे पर भी उम्मीद की किरण जगाई है।

बोई गई उड़द-मूंग की फसल। अमृत विचार

बैठक सीडीओ ने अमृत सरोवर में जल संग्रहण किए जाने के संबन्ध में की समीक्षा

तालाबों को नहरों, नलकूपों या वर्षा जल से भरवाएं

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचार: सीडीओ विधान जायसवाल ने ग्रीष्म ऋतु में पेयजल समस्या और गिरते भूगर्भ जल स्तर को देखते हुए अमृत सरोवर में जल संग्रहण किए जाने के संबंध में विकास भवन सभागार में समीक्षा बैठक की। बैठक का मुख्य उद्देश्य जनपद में निर्मित अमृत सरोवरों में जल संग्रहण की स्थिति का जायजा लेना और गर्मी के दौरान उन्हें सूखने से बचाने के लिए रणनीति बनाना था।

उन्होंने निर्देश दिए कि जिन अमृत सरोवरों में जल स्तर कम हो गया है, उन्हें साथ ही ग्राम पंचायतों में अन्य तालाबों को नहरों, नलकूपों या वर्षा जल संचयन के अन्य माध्यमों से तत्काल भरने की व्यवस्था की जाए साथ ही ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए मनरेगा के माध्यम से सरोवरों की सिल्ट निकालने के निर्देश दिए गए ताकि उनकी जल धारण क्षमता में वृद्धि हो सके। उन्होंने कहा कि यदि किसी विकास खंड में रखरखाव के अभाव में अमृत सरोवर सूखा पाया गया या वहां गंदगी मिली, तो संबंधित खंड विकास अधिकारी और ग्राम पंचायत सचिव के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने निर्देश दिए कि जिन सरोवरों में जल स्तर 25: से कम है, उन्हें स्थानीय संसाधनों (नहर-सरकारी बोरिंग) के माध्यम से प्राथमिकता पर भरा जाए एवं जल प्रवाह में बाधा डालने वाले कचरे और मलबे को 03 दिनों के भीतर साफ कराया जाए। बैठक में उपायुक्त श्रम रोजगार अशोक कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी विकास पटेल, संबंधित खंड विकास अधिकारी मौजूद रहे।

विकास भवन सभागार में बैठक करते सीडीओ विधान जायसवाल। अमृत विचार

सेवानिवृत प्रधानाध्यापक को दी विदाई, सभी ने सराहा कार्यकाल

रसूलाबाद: जनता इंटर कालेज के प्रधानाध्यापक के सेवानिवृत्त होने पर विद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। इस विदाई समारोह में शिक्षकों ने माला पहनकर एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर उनके कार्यकाल की प्रशंसा की। कहिंजरी स्थित जनता इंटर कॉलेज के सेवानिवृत हुए प्रधानाचार्य वीरभान सिंह का विदाई समारोह हुआ।

उनके निर्विवाद सेवा काल की सभी ने प्रशंसा की और उन्हें माला पहनकर एवं प्रतीक देकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य पद पर आरूढ़ हुए दयाशंकर त्रिपाठी दुर्गेश ने अपने संबोधन में उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि वह एक अनुशासित, कर्मठ एवं प्रेरणादायक प्रधानाचार्य (शिक्षक) रहे हैं।

विधायक के नेतृत्व में निकली महिला जनआक्रोश पद यात्रा

रसूलाबाद: विकासखंड रसूलाबाद में भाजपा विधायक पूनम संखवार व ब्लॉक प्रमुख राधा दुबे के संयुक्त नेतृत्व में महिलाओं ने सशक्त नारी समर्थ राष्ट्र और पंचायत से पार्लियामेंट तक बढ़ेगी भागीदारी जैसे नारों के साथ महिला जनआक्रोश पदयात्रा का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।

इस दौरान विधायक पूनम संखवार ने कहा कि यह समय महिलाओं के सशक्तिकरण का है। सरकार भी महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने जोर दिया कि महिलाएं अब केवल घर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाज और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने महिलाओं से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और समाज में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। ब्लॉक प्रमुख राधा दुबे ने अपने संबोधन में बताया कि पदयात्रा का उद्देश्य महिलाओं को संगठित कर उन्हें आत्मनिर्भर और जागरूक बनाना है।

उन्होंने महिलाओं से शिक्षा, सुरक्षा और स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। पदयात्रा विकासखंड क्षेत्र के विभिन्न मार्गों से होते हुए ऋषि आश्रम पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। महिला जन आक्रोश पदयात्रा में महिलाओं ने हाथों में तख्तियां लेकर श्सशक्त नारी, समर्थ राष्ट्रश् और श्पंचायत से पार्लियामेंट तक बढ़ेगी भागीदारीश् जैसे नारे लगाए। इस अवसर पर समाजसेवी छुन्नी दुबे, मंडल अध्यक्ष अटल वाजपेई, मीनू शुक्ला, मनोज सेंगर (गोपी), पिंटू राठौर, राम आसरे, गौरव गौर, मधु वर्मा, रानी संदीपा आदि रहे।

मृत्यु अटल सत्य भक्ति से मोक्ष संभव

रसूलाबाद: मृत्यु एक अटल सत्य है और जीवन के अंतिम समय में ईश्वर की भक्ति से मोक्ष प्राप्त किया जा सकता है। यह बात दशहरा स्थित चामुंडा माता मंदिर में हो रही श्रीमद्भागवत कथा के समापन दिवस पर कथावाचक अंकुश तिवारी ने परीक्षित मोक्ष की कथा के दौरान श्रोताओं को बताई। समापन के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण किया गया।

कहा कि सभी की मृत्यु निश्चित है, इसलिए अंतिम समय के भय को त्यागकर शेष जीवन में ईश्वर की भक्ति और सत्संग के माध्यम से मोक्ष प्राप्त करना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि मृत्यु पर शोक करने के बजाय उसे जीवन के परम सत्य के रूप में स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि हम सभी के जीवन के दिन निश्चित हैं, और मृत्यु कभी भी आ सकती है। हर दिन को जीवन का अंतिम दिन मानकर प्रभु की सेवा करें।

न्यूज ब्रीफ

मेले में भिड़े दो पक्ष दोनों ओर से छेड़छाड़ की सौंपी तहरीरें

मौदहा (हमीरपुर)। कोतवाली क्षेत्र के बड़ी आबादी वाले गांव गुसियारी में आयोजित हजरत मखदूम जहानिया रह के सालाना उर्स में दो गुट भिड़ गए। बाद में दोनों ओर से छेड़छाड़ की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गुसियारी गांव की एक महिला ने कोतवाली में दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह अपनी सहेली के साथ मेला देखने गई थी। जहां पर गांव का अरमान पुत्र इलियास उर्फ भूरा आ गया और पुरानी रंजिश को मानते हुए उसके साथ गाली गलौज व अभद्रता करते हुए उसे पकड़ कर अश्लील हरकतें करने लगा। वहीं दूसरे पक्ष की ओर से अरमान ने दी गई तहरीर में बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ मेला गया था। जहां पर जहां पर रोशन पुत्र वाजिद ने उसकी पत्नी पर अश्लील टिप्पणी शुरू कर दी और उसके साथ कुछ और लोगों ने गाली गलौज करते हुए धमकी दी। दोनों ओर की तहरीरों के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घरेलू विवाद के दौरान बेटे ने वृद्धा को पीटा

राठ (हमीरपुर)। कोतवाली क्षेत्र के टोला गांव में घरेलू विवाद के चलते पुत्र ने अपनी वृद्ध मां को जमकर पीटा। मां बेटे के विरुद्ध कोतवाली में तहरीर दी है। पुलिस ने वृद्धा का मेडिकल परीक्षण कराया है। टोला गांव निवासी कुब्जा रानी ने बताया कि घरेलू विवाद के दौरान उसके पुत्र ने उसे गाली गलौज करना शुरू कर दिया। जब उसने इसका विरोध किया तो पुत्र ने उसे जमीन पर पटककर लात घूंसों से पीटा और ईंट मारकर घायल कर दिया। मारपीट के दौरान वृद्धा के शरीर में चोटें आईं हैं। पुलिस का कहना था जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

अलग-अलग दुर्घटनाओं में दो की गई जान

महोबा। जिले में दो अलग-अलग स्थान पर एक महिला समेत दो लोगों की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। जनपद जालौन के कस्बा आटा निवासी पूसू 70 किसी काम से महोबा आया था लौटते समय रास्ते में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे पुस्सू की मौत हो गई।दूसरी घटना महोबा सुरहा मार्ग की है। जहां पर। सड़क पार करते समय थाना कबरई के सुरहा निवासी काशीरानी पत्नी गोविंद दास की वाहन की टक्कर से मौत हो गई।

गुमशुदा महिला को सकुशल पति के साथ भेजा

महोबा। क्षेत्राधिकारी कुलपहाड़ रविकांत गोंड के नेतृत्व में गुमशुदा व्यक्तियों की बरामदगी के लिए चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना महोबकंठ पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। 2022 से गायब गुमशुदा (24) महिला को सकुशल बरामद किया गया। बरामदगी के उपरांत गुमशुदा के भाई को सूचना दी गई, जिस पर वह थाना महोबकंठ पहुंचे। तत्पश्चात मिशन शक्ति केन्द्र की पहल के तहत गुमशुदा की काउंसलिंग कर उसका बयान अंकित किया गया। काउंसलिंग दौरान महिला ने बताया कि उसने अपनी इच्छा से भगवंतपुरा थाना के साथ विवाह कर लिया है और वर्तमान में उनके दो पुत्रियां हैं और वह उसने अपने पति के साथ ही रहने की इच्छा व्यक्त की। उसके पति जहीर खान के साथ सम्मानपूर्वक रुखसत किया गया।

उर्मिल डैम में नहाने गए दो बच्चों की डूबकर मौत, उतराते मिले शव

श्रीनगर के पिपरामाफ का मामला, रात भर डैम किनारे बैठे रहे बच्चों के परिजन

कार्यालय संवाददाता, महोबा

घटना के बाद रोते-बिलखते परिजन। अमृत विचार

अमृत विचार। थाना श्रीनगर के पिपरामाफ गांव में गुरुवार की शाम उर्मिल डैम में नहाने गए दो बच्चों की डूबने से मौत हो गई। देर शाम तक बच्चों के घर वापस न आने पर उनके परिजनों ने खोजबीन करते हुए, जानकारी मिलने पर डैम पहुंचे।

ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी, पुलिस ने एसडीआरएफ टीम को बुलाया और गोताखोरों ने उर्मिल डैम के पानी में काफी खोजबीन की, लेकिन अंधेरा होने पर रेस्क्यू ऑपरेशन रोक दिया, लेकिन बच्चों के परिजन पूरी रात डैम में बैठकर बच्चों के मिलने की आस लगाए रहे। शुक्रवार की सुबह दोनों बच्चों के शव पानी में उतराते मिले।

गुरुवार दोपहर 8 वर्षीय रितेश और उसका 10 वर्षीय आर्यन अपनी 4 वर्षीय बहन प्राची के साथ डैम पर नहाने गए थे। प्राची डैम किनारे दोनों बच्चों के कपड़े लेकर बैठ गई और रितेश व आर्यन डैम में नहाने लगे। नहाते समय वह गहराई का अंदाजा नहीं लगा पाए और पानी में डूब गए। जब बच्चे काफी देर तक घर नहीं लौटे, तो परिजनों को चिंता हुई। इसी दौरान प्राची दोनों बच्चों के कपड़े लेकर घर पहुंचकर परिजनों को बताया कि भाई पानी में ही रह गए। इसके बाद रितेश के पिता ज्ञान सिंह व अन्य ग्रामीण फौरन डैम की ओर भागे और पुलिस को सूचना दी। ग्रामीणों और स्थानीय पुलिस ने तत्काल खोजबीन शुरू की, लेकिन शाम होने और अंधेरा छाने के कारण सफलता नहीं मिल सकी और सुबह आने की बात कहकर चले गए, लेकिन बच्चों माता पिता और परिजन डैम किनारे पूरी रात बैठे रहे। प्रशासन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की टीम को मौके पर बुलाया और शुक्रवार को एक बार फिर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। कई घंटे बाद अचानक दोनों बच्चों के शव पानी में उतराते हुए मिले। शव मिलते ही परिजनों में रोना पीटना शुरू हो गया। पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मृतक रितेश के दादा बढ़ना व स्थानीय निवासी आकाश बताते हैं कि आर्यन अपनी चार बहनों का इकलौता भाई था, जबकि रितेश भी अपनी तीन बहनों का एक मात्र सहारा था। एक साथ दो बच्चों की मौत से परिवारों में गहरा दुख है। बताया जाता है कि मृतक रितेश के पिता फेरी लगाकर परिवार का पालन पोषण करते थे और वह आदिवासी कुचबंदिया परिवार से ताल्लुक रखते है और दोनों बच्चे रिश्ते में चाचा-भतीजा थे।

चौबेपुर में तेज रफ्तार वैन ने ई-रिक्शा में मारी टक्कर, चालक की हालत गंभीर

संवाददाता, चौबेपुर

घायल पड़ा चालक व मौजूद अन्य लोग। अमृत विचार

अमृत विचार। क्षेत्र के अमिलिहा गांव के सामने नेशनल हाईवे के कट पर शुक्रवार दोपहर तेज रफ्तार वैन ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। दुर्घटना में ई रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

क्षेत्र के अमिलिहा गांव के सामने नेशनल हाईवे के कट पर शुक्रवार दोपहर तेज रफ्तार वैन ने ई- रिक्शा में टक्कर मार दी। दुर्घटना में धरती सिंह निवासी अब्दुलपुर चौबेपुर गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार के लिए सीएचसी भेजा। वहां पर प्राथमिक उपचार के पश्चात उसे हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया। अमिलिहा गांव के सामने हाईवे का कट लंबे समय से हादसों का सबब बना हुआ है। अभी हफ्ता पहले ही इसी कट पर एक तेज रफ्तार कार ने मंडप विसर्जन कर घर लौट रही महिलाओं व बाइक सवार को टक्कर मार दी थी। इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई थी। हादसे के बाद डीसीपी पश्चिम एस एम कासिम आबिदी ,डीसीपी यातायात, एन एच ए आई की टीम के साथ मौके पर पहुंचे थे। इस दौरान डी सीपी ने खतरनाक मोड़ पर संकेतक लगाए जाने व प्रकाश की समुचित व्यवस्था कराये जाने के निर्देश दिए थे। बावजूद इसके सुधार नहीं हो रहा।

पेड़ की टहनी टूटकर गिरने से किसान की मौत

हमीरपुर। गुरुवार की शाम आई तेज आंधी पानी के दौरान पेड़ के नीचे बैठे मजदूर के सिर पर टहनी गिरने से मौत हो गई। जरिया थाने के कछवा कलां गांव निवासी प्रताप ने बताया कि उसके पिता बालकिशन (61) परिवार के साथ जनपद एटा में गुम्मा पाथने के लिए गए थे। गुरुवार की शाम अचानक मौसम बदला और वह बारिश से बचने के लिए पीपल के पेड़ के नीचे बैठ गए। तभी तेज हवा के झोंके से पेड़ की टहनी टूट कर उनके सिर पर गिर गई। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गए। घायल को इलाज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। प्रताप ने बताया कि मृतक पिता बालकिशन के नाम सिंहरावन मौजा में 4.75 बीघा भूमि है।

चलती ट्रेन से उतरने के प्रयास में किसान की मौत, कोहराम

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। बिल्हौर रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। रिश्तेदारी में आयोजित शादी समारोह से लौट रहे एक 52 वर्षीय किसान की चलती ट्रेन से उतरने के दौरान चपेट में आने से मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल किसान ने कानपुर ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। इस घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है।

ककवन थाना क्षेत्र के चंसी निवादा गांव निवासी मेघनाथ सिसोदिया (52) गुरुवार को शिवराजपुर क्षेत्र में एक संबंधी के यहां शादी समारोह में शामिल होने गए थे। शुक्रवार सुबह वह ट्रेन से वापस लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जैसे ही ट्रेन बिल्हौर स्टेशन पहुंची, मेघनाथ ने चलती ट्रेन से ही उतरने की कोशिश की। इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे ट्रैक की ओर गिरकर ट्रेन की चपेट में आ गए।

परिजनों और स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में उन्हें निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बिल्हौर पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए कानपुर रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में ही उनकी सांसें थम गईं। मेघनाथ अपने पीछे पत्नी, दो बेटे और एक विवाहित बेटी को रोता-बिलखता परिवार छोड़ गए हैं। परिजनों ने मामले में कानूनी कार्रवाई या पोस्टमार्टम कराए बिना ही शव का अंतिम संस्कार करने का निर्णय लिया।

घाटमपुर के मेधावियों ने स्कूल का नाम किया रोशन

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर के भास्कर क्लासेस संस्थान के कई छात्रों ने 90 फीसदी अंक पाकर विद्यालय ही नहीं अपने माता-पिता का नाम भी रोशन किया है। वहीं विद्यालय का शत प्रतिशत रिजल्ट रहा। विद्यालय के निदेशक भास्कर त्रिवेदी ने सभी सफल छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

उन्होंने बताया कि भास्कर क्लासेस के बच्चों का शानदार प्रदर्शन रहा। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। इसी के चलते यहां के तमाम बच्चों ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हैं।

संस्थान में आईसीएसई के

शिक्षक के साथ मौजूद मेधावी छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

● **भास्कर क्लासेस के छात्रों का रहा शानदार प्रदर्शन**

परिणाम में अनुज प्रजापति 97 फीसद प्रथम स्थान, प्रणत शुक्ला 95.2 फीसद द्वितीय स्थान, आयुष सचान 92 फीसद तृतीय स्थान, अक्षरा सचान 91 फीसद, यश्वी गुप्ता 90 फीसद ,रियांशी 89 फीसद और अपूर्वा गुप्ता ने 88 फीसद अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर सभी सफल विद्यार्थियों को पुरस्कृत व सम्मानित किया गया तथा मिठाई वितरित कर खुशी साझा की गई।

भगवान बुद्ध के सिद्धांत आज भी अत्यंत प्रासंगिक

भगवान बुद्ध का पूजन करते श्रद्धालु। अमृत विचार

संवाददाता, कानपुर।

अमृत विचार। गौतम बुद्ध नगर के जूही बम्बरहिया स्थित बुद्ध विहार साधना केन्द्र में त्रिविधि बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव संपन्न हुआ। बुद्ध विहार साधना केन्द्र-संस्थान ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत पूजा-वन्दना एवं धम्म देशना के साथ हुआ। भिक्खु संघ को भोजनदान कराया गया। धम्म प्रवचन में भिक्खु संघ ने भगवान बुद्ध के जीवन, उनके त्याग, ज्ञान प्राप्ति तथा महापरिनिर्वाण की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्य आयोजक अखिल भारतीय भिक्खु महासंघ उप्र शाखा के अध्यक्ष भदंत दीपांकर महास्थविर थे।

भगवान बुद्ध ने दिया करुणा, अहिंसा, शांति का संदेश : महात्मा बुद्ध ने संदेश दिया है कि जीवन में शांति बाहर नहीं हमारे भीतर ही है उनका अष्टांगिक मार्ग आज भी हमारे जीवन को नई दिशा और ऊर्जा देता है। शुक्रवार को भाजपा कानपुर उत्तर के जिला कार्यालय में भगवान बुद्ध की जयंती मनाई गई। जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित ने कहा कि भगवान बुद्ध के संदेश सुनाये।

विधायक ने दो नलकूपों का किया उद्घाटन

लोगों को संबोधित करती विधायक सरोज कुरील। अमृत विचार

घाटमपुर। घाटमपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बेहटा व ग्राम गिरसी में किसानों की सिंचाई सुविधा को मजबूत करने के लिये विधायक सरोज कुरील ने दो नए नलकूपों का शुभारंभ किया।

विधायक सरोज कुरील ने बेहटा व गिरसी गांव में दो नलकूपों का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि इन नलकूपों के चालू होने से क्षेत्र के किसानों को समय पर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे फसलों की उपज में वृद्धि होगी और किसानों की आय में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। प्रत्येक नलकूप की लागत लगभग 48 लाख रुपये है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हितों के लिए निरंतर कार्य कर रही है और क्षेत्र के विकास हेतु हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। ग्रामीणों व गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी रही।

युवक के खिलाफ थाने में दी तहरीर

बिवांर(हमीरपुर)। छेड़ी बसायक गांव निवासी ने बताया कि पड़ोसी राजकुमार रुपयों का लालच देते हुए उसकी बात मानने की बात कह रहा है। उसकी बात न मानने पर शराब के नशे में दो दिन से अभद्रता कर परेशान कर रहा है। युवक से परेशान महिला ने उसके खिलाफ थाना में तहरीर दी है। पुलिस मामंले की जांच कर रही है।

उधार पैसा वापस मांगने पर पीटा

चौबेपुर। क्षेत्र के पचोर गांव में उधार दिया पैसा वापस मांगने पर युवक व उसके परिवारीजनों के साथ मारपीट की गई। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है।

क्षेत्र के पचोर गांव निवासी सुनील पुत्र रजवा कश्यप ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया है, कि कई माह पहले गांव के रोहित पुत्र उमाकांत ने उससे दो हजार रुपये उधार लिए थे। कई बार तकादा करने के बावजूद वह पैसा वापस नहीं कर रहा। इधर चार दिन पहले पुनः पैसा लौटाने की बात कहे जाने पर रोहित ने गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर रोहित उसके भाई मोहित व उसकी मां सोनी ने लाठी डंडों से हमला बोल दिया। शोरगुल सुन बचाव के लिए दौड़ी आरती व पुत्र अंकुल को भी मारापीटा। मारपीट में तीनों लोगों को गम्भीर चोटें आईं।

युवती के साथ मारपीट के दो आरोपी गिरफ्तार

सुमेरपुर(हमीरपुर)। गुरुवार को देर शाम बड़े पावर हाउस के सामने संचालित अर्थ होटल में युवती के साथ हुई मारपीट की घटना में पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके दो युवकों को गिरफ्तार किया है।गुरुवार को देर शाम मौदहा निवासी शिवानी यादव के साथ कुछ युवकों ने गाली-गलौज करके जमकर अभद्रता करते हुए मारपीट की थी और कार में सवार होकर फरार हो गये थे। इस घटना के बाद युवती ने होटल में जमकर बवाल काटा था। घटना की सूचना पाकर थाने से पहुंची सब इंस्पेक्टर प्रियंका ने युवती को समझा बुझाकर शांत कराकर थाने लायी थी। युवती ने देर रात अज्ञात युवकों के खिलाफ मारपीट गाली गलौज करने की तहरीर पुलिस को दी थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके होटल अर्थ में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर घटना में शामिल बिदोखर पुरई निवासी अनुभव उर्फ प्रिंस एवं आशीष सिंह को गिरफ्तार करके जेल भेजा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती कमला श्रीवास्तव पत्नी बख्त नारायण श्रीवास्तव मकान संख्या 6/31-A रानी घाट चौराहा, पार्वती बागला रोड, कानपुर नगर का वसीयतनामा (WILL) अपने पौत्र आशीष श्रीवास्तव, पुत्र स्वर्गीय कैलाश चंद्र श्रीवास्तव के पक्ष में निष्पादित किया था। यह वसीयतनामा उप-निबंधक कार्यालय, कानपुर नगर में दिनांक 24.09.1996 को पुस्तक संख्या 3, जिल्द संख्या 82, पृष्ठ संख्या 375 से 380, क्रम संख्या 255 पर पंजीकृत है। तत्पश्चात, श्रीमती मनोरमा श्रीवास्तव, पत्नी स्वर्गीय कैलाश चंद्र श्रीवास्तव ने मकान संख्या 6/31-A, रानी घाट चौराहा, पार्वती बागला रोड, कानपुर नगर का वसीयतनामा अपनी दो पुत्रियों, नामतः श्रीमती शुभा रंजन श्रीवास्तव एवं श्रीमती पून श्रीवास्तव के पक्ष में निष्पादित किया। (क्षेत्रफल – 370.00 वर्ग मीटर) और शेष संपत्ति उनके बेटे आशीष श्रीवास्तव की है, जिसका विवरण सब-रजिस्ट्रार, नई दिल्ली के कार्यालय में बुक नंबर 3, वॉल्यूम नंबर 912, पृष्ठ संख्या 99 से 100, सीरियल नंबर 2082 पर दिनांक 20.05.2009 को दर्ज है। इसके बाद, श्रीमती कमला श्रीवास्तव का निधन दिनांक 28.11.2006 को हो गया। दिनांक 24.09.1996 की उपर्युक्त वसीयत के अनुसार, उनके पोते आशीष श्रीवास्तव उपर्युक्त संपत्ति के मालिक बन गए। तत्पश्चात, मनोरमा श्रीवास्तव (स्वर्गीय कैलाश चंद्र श्रीवास्तव की पत्नी) का निधन दिनांक 09.08.2010 को हो गया। उपर्युक्त वसीयत के अनुसार, उनकी दो बेटियां-श्रीमती शुभा रंजन श्रीवास्तव और श्रीमती पूनम श्रीवास्तव – तथा उनके बेटे आशीष श्रीवास्तव उपर्युक्त संपत्ति के संयुक्त मालिक बन गए। इसके बाद, आशीष श्रीवास्तव (स्वर्गीय कैलाश चंद्र श्रीवास्तव के बेटे) ने उक्त संपत्ति को 'होटल सिटी प्राइड इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड' को बेच दिया। यह बिक्री कंपनी के निदेशक रघु नाथ गुप्ता (स्वर्गीय राम नाथ गुप्ता के बेटे) के माध्यम से की गई, जिसका विवरण सब-रजिस्ट्रार, कानपुर नगर के कार्यालय में बुक नंबर 1, वॉल्यूम नंबर 5827, पृष्ठ संख्या 1 से 648, सीरियल नंबर 582 पर दिनांक 31.01.2013 को दर्ज है। मेरी मुवक्किल, श्रीमती गीता गुप्ता (श्रीनाथ गुप्ता की पत्नी), IDFC FIRST BANK LTD. प्रथम तल, 15/54 बी ब्लाक 15 वीरेन्द्र स्मृति काम्पलेक्स, सिविल लाइन्स, कानपुर 208001 से ऋण प्राप्त करने की इच्छुक हैं। ऐसे सभी व्यक्ति, जिनका इस संपत्ति के संबंध में बिक्री, विनिमय, बंधक, प्रभार (charge), ग्रहणाधिकार (lien) या किसी अन्य प्रकार से कोई दावा है, उनसे अनुरोध किया जाता है कि वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर अपना दावा लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें। ऐसा न करने पर, ऐसे व्यक्ति/व्यक्तियों के दावे को त्यागा हुआ और/या परित्यक्त मान लिया जाएगा।

शिवा कांत दीक्षित, अधिवक्ता
पताः चैम्बर नं. 112, प्रथम तल, कान चैम्बर, सिविल लाइन, कानपुर
मो0: 9336632546

राजनीति

बसपा के कानपुर मंडल प्रभारी नौशाद अली ने बसपा का पटका पहनाया

भाजपा नेता अवधेश कोरी ने ग्रहण की बसपा की सदस्यता

संवाददाता, शिवराजपुर

अमृत विचार। शुक्रवार को भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष कानपुर ग्रामीण एवं बिल्हन सीट से पूर्व जिला पंचायत सदस्य अवधेश कोरी ने पाल महासभा के जिला महामंत्री एडवोकेट राजेश पाल के साथ अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ बसपा की सदस्यता ग्रहण की।

बसपा के पूर्व एमएलसी मुख्य मंडल प्रभारी कानपुर मंडल नौशाद अली ने उन्हें बहुजन समाज पार्टी का पटका पहनाकर बहुजन समाज पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस मौके पर अवधेश कोरी ने उन्हें प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मुख्य मंडल प्रभारी जितेंद्र संखवार, अनिल पाल, कुलदीप भदौरिया, रमेश कमल, मंजीत पाल ,सुनील पाल, अजितेश कोरी ,अशोक कुमार, अभिनव कोरी ,राम बालक कोरी, अजय गौतम, विजय गौतम ,अनुज कमल, सत्यम यादव, सर्वेश कुमार ,नजमुल खान, रवि कुमार, इरफान खान ,सत्यनारायण, राम प्रकाश, शिवनारायण सहित तमाम लोगों ने बहुजन समाज पार्टी की सदस्ता ग्रहण की।

बसपा नेता को प्रतीक चिह्न देकर स्वागत करते अवधेश कोरी व अन्य। अमृत विचार

बाइक की टक्कर से युवक की मौत

सुमेरपुर (हमीरपुर)। गुरुवार की रात बाइक से बारात जा रहे ग्राम पंचायत चंदपुरवा बुजुर्ग के मजरा इटरा निवासी अंकित निषाद (22) अपने भाई कृष्ण कुमार के साथ बाइक से चंदपुरवा निवासी आसाराम के पुत्र गुलशन की बारात में रात करीब 10 :00 बजे इंगोहटा जा रहे थे। हाईवे पर प्रेम नगर के समीप छोटे भाई कृष्ण कुमार निषाद की टोपी हवा में उड़कर हाईवे में गिर गई। कृष्ण कुमार निषाद टोपी उठाने चला गया और अंकित बाइक में ही बैठा था। तभी पीछे से आ रहे गांव निवासी बाइक सवार बाबू वर्मा ने जोरदार टक्कर मार दी। इससे अंकित व बाबू घायल हो गए। इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया गया। उन्हें सदर अस्पताल रेफर किया गया। वहां अंकित की मौत हो गई।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैने अपना नाम SAYEED AHMAD से बदलकर SAYEED AHMAD SIDDIQUI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O-SHAMSUL HUDA SIDDIQUI ADD-PLOT NO -72 ADIL NAGAR SHANKAR PURWA VIKAS NAGAR DIST-LUCKNOW-226022-(U.P.)

सूचना
मैं चन्द्रभान सिंह पुत्र फतेह बहादुर सिंह नि. ग्रा. पूरे अमान सिंह म. जलालपुर धई, पो. लोधवामऊ, पर./तह. सदर, जिला रायबरेली का हूँ। मैं पहले चन्द्रभान के नाम जाना जाता था। अब मैं चन्द्रभान सिंह के नाम से जाना जाता हूं। दोनों ही नाम एक ही व्यक्ति के हैं।

सूचना
मैं **अशोक कुमार पुत्र श्री जगमोहन प्रसाद व संतोष कुमारी पत्नी अशोक कुमार निवासींगण ग्राम बडनापुर पोस्ट व थांना कोतवाली मोहम्मदपुर खाला तहसील फतेहपुर जिला बाराबंकी,** अपने सबसे बड़े लडके अनिकेत आजाद व उसकी पत्नी अंशिका शर्मा व सबसे छोटे पुत्र आयुश शर्मा के गलत चाल-चलन के कारण अपने उपरोक्त दोनों पुत्र व बहू को अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहे है। उपरोक्त द्वारा वाद-विवाद, लेन देन, या किसी प्रकार का कोई कृत्य यदि दोनो पुत्र या बहू करते है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगें । मेरा किसी भी प्रकार का कोई लेना-देना नही है। ना तो किसी प्रकार का को वास्ता व सरोकार रहेगा।

आवश्यकता
पी0आर0 मेमोरियल डिग्री कॉलेज, पता-नूरपुर बेहटा, किसान पथ, मल्हौर, लखनऊ में बी0सी0ए0 एवं बी0बी0ए0 में 05 असि0 प्रो0, प्राचार्य-1 एवं बी0ए0 हेतु (अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, राजनीति विज्ञान, अंग्रेजी, इतिहास, साइकोलाजी) प्रत्येक विषय में एक-एक असि0प्रो0 की आवश्यकता है। इच्छुक अभ्यर्थी सम्पर्क करें। मो0- 9076710004, 9076710002। नोट-योग्यता व वेतनमान यू0जी0सी0/ ल0वि0वि0 के अनुसार।

सूचना
मैने अपने (माइनर) पुत्र अरूस कनौजिया का नाम बदलकर कार्तिक कनौजिया रख लिया है। भविष्य मे अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **कार्तिक कनौजिया** S/0-**अन्नू** 545/211K **पुराना महानगर जिला-लखनऊ उ0प्र0**

सूचना
सूचित हो कि मै **महेश दत्त तिवारी पुत्र स्व. राधिका प्रसाद तिवारी ग्राम भदुआ तरहर पोस्ट-फिरोजपुर तरहर थाना-कोतवाली देहात जिला-गोण्डा** का निवासी हूं। कपिलदेव, रामदेव, वासुदेव, ऋषिदेव व मुक्तिदेव यह पांचो मेरे पुत्र नहीं हैं और न ही मेरा इन लोगों से कोई सम्बन्ध है। इनके द्वारा पिता के रुप में मेरा नाम इस्तेमाल करना अवैध व गैरकानूनी होगा।

सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि तहसील मितौली ब्लाक बेहजम की न्याय पंचायत नीमगांव की ग्राम पंचायत किशनपुर में प्रस्तावित बहुउद्देशीय मत्स्य जीवी सहकारी समिति के गठन हेतु प्रथम बैठक दिनांक 4 मई 2026 प्राथमिक विद्यालय माझा नगर में आयोजित की जा रही है इच्छुक व्यक्ति प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें रेशमा पांडे ,ग्राम पंचायत किशनपुर ब्लाक बेहजम, तहसील मितौली जिला लखीमपुर खीरी
मोबाइल नंबर 94506 87059

सूचना
मैंने अपना नाम AKLIM से बदल कर MOHD AKLEEM रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O:DILSHAD KHAN R/O: 7 ,UMMADJOT GONDA UTTAR PRADESH-271123

सुविचार

संपदा को जोड़-जोड़ कर रखने वाले को भला क्या पता कि दान में कितनी मिठास है।

- आचार्य श्रीराम शर्मा

अमृत विचार

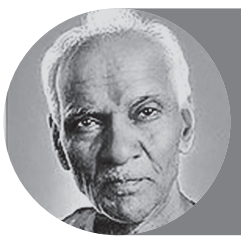

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर के प्रमुख समाचार
- योगी महाराज, आप न्याय करना, मरना नहीं चाहता-VI
- गंगा एक्सप्रेसवे से भी सीधी पहुंच सकी -VII
- अब सौ में पूरे सौ, कहां जा रहे बच्चे -VIII

कानपुर, शनिवार, 2 मई 2026

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
PATIENT SAFETY & QUALITY OF CARE NABH CERTIFIED
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

विनोबा नगर की फैक्ट्री में लगी भीषण आग। अमृत विचार

दमकल जवानों ने जूझकर आग पर काबू पाया। अमृत विचार

प्लास्टिक फैक्ट्री में भीषण आग से इलाका तपा

आग ने आसपास झोपड़ियों, बोरी गोदाम को भी अपनी चपेट में लिया, 20 फिट ऊंची लपटें और काले धुएं से दहशत का माहौल

कानपुर दक्षिण संवाददाता

- जूही विनोबा नगर राखी मंडी के पास हुआ हादसा
- आस-पास के लोग घरों से बाहर भागे, अफरा-तफरी

अमृत विचार। जूही स्थित विनोबा नगर राखी मंडी में शुक्रवार शाम बाइक के लिए प्लास्टिक पार्ट्स बनाने वाली फैक्ट्री की पहली मंजिल में वेल्डिंग के दौरान भीषण आग लग गई। देखते ही देखते 20 फिट ऊंचाई तक शोले भड़कने लगे और क्षेत्र में काला धुआं भर गया जिससे लोगों को सांस लेने में दिक्कत हुई। सैकड़ों लोग घरों से बाहर निकल आए। इस दौरान फैक्ट्री व अन्य कारखानों में काम कर रहे दर्जनों कर्मियों ने किसी तरह अपनी जान बचाई। भीषण आग ने कई झोपड़ियों और बोरी गोदाम को भी अपने लपेटे में ले लिया। एक जंजीर का कारखाना भी आग की गिरफ्त में आया। किदवई नगर फायर स्टेशन से दमकल पहुंची। आग की भयावहता को देखते हुए फजलगंज, मीरपुर, कर्नलगंज समेत अन्य फायर स्टेशन की गाड़ियां भी मौके पर पहुंचीं। दमकलों ने लगभग तीन घंटे जूझकर आग पर काबू पाया।

आसपास के लोगों को हटाया गया। अमृत विचार

कर्मचारी राजू ने बताया कि किदवई नगर के एम ब्लॉक निवासी प्रभात उर्फ सनी की फैक्ट्री में नीचे और पहली मंजिल पर कर्मचारी काम कर रहे थे। शुक्रवार शाम करीब साढ़े पांच बजे पहली मंजिल पर वेल्डिंग के दौरान चिंगारी पास रखे प्लास्टिक सामान और थिनर में जा गिरी जिससे आग तेजी से फैल गई। ऊपर काम कर रहे कर्मचारी शोर मचाते हुए नीचे भागे लेकिन तब तक आग नीचे भी पहुंच चुकी थी और देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री आग की चपेट में आ गई। सभी कर्मचारी जान बचाकर बाहर निकल आए। आग की ऊंची लपटों और काले धुएं का गुबार दूर से दिखाई देने लगा जिससे इलाके में दहशत फैल गई। आग ने बगल में स्थित जगदीश सरोज की झोपड़ी और पीछे बारादेवी निवासी शिखर शुक्ला के बोरी गोदाम के हिस्से को भी चपेट में ले लिया जिससे झोपड़ी में रखा घरेलू सामान और गोदाम में रखी बोरियां जलकर राख हो गईं। बगल में पनकी निवासी संजय कुमार की शिवहरे ट्रेडर्स जंजीर का कारखाना है। वह भी तपने लगा। किदवई नगर फायर स्टेशन की टीम धुआं और लपटें देखकर बिना सूचना के ही मौके पर पहुंच गई । मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा ने बताया कि ढाई से तीन घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका।

अग्निशमन यंत्र काम नहीं आये

- बोरी गोदाम मालिक शिखर शुक्ला ने बताया कि आग से निपटने के लिए दो फायर सिलेण्डर मौजूद थे। जो फैक्ट्री में ही रखे थे। लेकिन बहन के देहांत के चलते गोदाम बंद था। आग इतनी तेजी से फैली कि मौके पर पहुंचने के बाद भी वह सिलेण्डर तक नहीं उठाने नौबत ही नहीं आई और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहले ही पहुंच गई। शिखर ने बताया कि उनका करीब सत्तर हजार का नुकसान हो गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि फैक्ट्री में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। इलाके में केमिकल की तेज महक आती रहती है जिससे जीना मुश्किल है। फैक्ट्री में थिनर स्टॉक और कंप्रेशर भी मौजूद बताया गया है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा ने कहा कि सुरक्षा इंतजामों की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

आग पर काबू पाने के लिए दीवार तोड़नी पड़ी

- आग के विकराल रूप के चलते दमकल कर्मी फैक्ट्री के अंदर पूरी तरह नहीं जा पा रहे थे। न ही अंदर से सामान निकाल पाना संभव हो रहा था। हालात बिगड़ते देख आग को अंदर से बुझाने के लिए फैक्ट्री की दीवार तोड़ने का फैसला लिया गया। इसके लिए जेसीबी बुलाई गई। जेसीबी से दीवार का हिस्सा तोड़ा गया और अंदर पानी डाला गया। इसके बाद ही आग पर काबू पाया जा सका।

बस्ती के पास फैक्ट्रियां होने से लोगों में दहशत

- इलाके के निवासी निखिल, सूरज कुमार और अरविन्द व बबलू ने बताया कि बस्ती के पास कई गोदाम और फैक्ट्रियां चल रही हैं। जहां आग से निपटने के इंतजाम नाकाफी हैं। ऐसे में हर समय बड़े हादसे का खतरा बना रहता है। लोगों का कहना है कि कभी भी इस तरह की घटना बड़ी त्रासदी में बदल सकती है। मौजूदा पार्सल शालू कनौजिया व पार्षद पति सुनील कनौजिया (पूर्व पार्षद) ने बताया कि कई बार अधिकारियों से शिकायत की गई लेकिन अब तक कोई जांच नहीं हुई।

सड़क पर जाम में फंसी दमकल

- आग लगने के बाद इलाके में अफरा तफरी मच गई। सड़क पर लंबा जाम लग गया। गोविंद नगर की ओर से आ रही फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी डिपो चौराहे पर जाम में फंस गई। यातायात कर्मियों ने तेजी दिखाते हुए जाम खुलवाया और फायर ब्रिगेड की गाड़ी को रास्ता दिलाया।

सिटी ब्रीफ

वाहन की टक्कर से टूटा पोल, बिजली गुल

कानपुर। केस्को के संजय नगर उपकेंद्र के अंतर्गत तीन खंबा फीडर की बिजली शुक्रवार को सुबह चार बजे एचटी पोल में वाहन की टक्कर मारने की वजह से गुल हो गई। टक्कर से पोल क्षतिग्रस्त हो गया। जानकारी पर पहुंची केस्को टीम ने मरम्मत कार्य शुरू किया और तब जाकर सुबह आठ बजे तक क्षेत्र में बिजली आ सकी। वहीं, भूमिगत केबिल चार्ज करने की वजह से जवाहर नगर उपकेंद्र के सभी फीडरों की बिजली सुबह 10 बजे से 12 बजे तक नहीं थी।

आज यहां नहीं रहेगी बिजली

कानपुर। शहर के सर्वोदय नगर, रंजीत नगर, गोविंद नगर मार्ग, गुरुतेज बहादुर रोड, स्काई सिटी, एमआईजी तिराहा व ई-ब्लाक में बिजली शनिवार को सुबह साढ़े 10 बजे से दोपहर डेढ़ तक नहीं रहेगी। जबकि रतनलाल नगर, एचआईजी पार्क व गोपाला में बिजली दोपहर साढ़े 12 बजे से साढ़े तीन बजे तक गुल रहेगी।

आज समग्र विकास समीक्षा होगी

कानपुर। सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में शनिवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना समग्र विकास बैठक की समीक्षा सुबह 11 बजे करेंगे। जिसमे मुख्य रूप से केस्को एमडी, केडीए उपाध्याक्ष, नगर आयुक्त, संयुक्त पुलिस आयुक्त, जल निगम के प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग समेत 47 विभागों के अधिकारी शामिल होंगे। बैठक में शहर के विकास व अव्यवस्थाओं को ठीक करने पर चर्चा करेंगे।

डिप्रेशन मरीज ने फांसी लगा दी जान

कानपुर। सेन पश्चिम पारा में दो बार प्रयास के बाद तीसरी बार युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक का तीन साल से हैलट में इलाज चल रहा था। शव फंदे से लटका देखकर परिजनों में चीख पुकार मच गई। सूचना पर पुलिस ने जांच-पड़ताल के बाद शव पोस्टमार्टम भेजा। जयंती विहार निवासी उमाशंकर यादव का 27 वर्षीय बेटा विकास लोडर चालक था। परिवार में मां लता, भाई अमन, दो बहनें पूनम व शिवानी हैं। परिजनों ने बताया कि विकास अविवाहित था। बीते तीन साल से वह डिप्रेशन की बीमारी से पीड़ित था।

बिल्डर ने उजाड़ी फसल तो युवक ने जहर खाकर दी जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। महाराजपुर में युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। आरोप है कि जमीन का सौदा होने के बाद खरीदार ने बिना 65 लाख रुपये दिए खेत पर ट्रैक्टर चलवाकर खड़ी फसल बर्बाद कर दी। इसी तनाव में युवक ने सुसाइड कर लिया। वहीं प्रेम प्रसंग की भी बात सामने आई है। पुलिस के अनुसार जांच की जा रही है।

सुनील।

शेखपुर गांव निवासी शिवनाथ निषाद का 22 वर्षीय बेटा सुनील मजदूरी करता था। परिवार में मां सोमवती, बड़े भाई अनिल व बहन प्रीति हैं। पिता ने बताया कि शेखपुर चौकी के ठीक पीछे 18 बिस्वा उनकी जमीन है। आसपास की जमीन बिकने पर चमनगंज निवासी एक बिल्डर से जमीन का सौदा 70 लाख में हुआ था। लिखापढ़ी के बाद बिल्डर ने अभी सिर्फ पांच लाख रुपये दिए थे। बेटे सुनील ने कई बार बकाया पैसों की मांग की तो बिल्डर टरकाता रहा। आरोप है कि दो-तीन दिन पहले प्लाटिंग के चक्कर में बिल्डर के कुछ लोगों ने छह बिस्वा जमीन पर ट्रैक्टर चलवाकर खड़ी फसल बर्बाद कर दी थी। यह देख बेटा सुनील रोकता रहा, लेकिन आरोपी नहीं माने। इस बात से तनाव में आकर बेटे ने गुरुवार को जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी। वहीं गांव में चर्चा है कि प्रेम प्रसंग में सुनील ने यह कदम उठाया है। महाराजपुर थाना प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया जमीन के विवाद को लेकर युवक ने जान दी है। प्रेम-प्रसंग के पहलू पर भी जांच की रही है।

राज्यस्तरीय फुटबाल खिलाड़ी को ट्रक ने कुचला, मौत

कानपुर । सचेंडी में भीमसेन स्थित ट्रांसपोर्ट कंपनी के वेयर हाउस में माल अनलोडिंग की लिखापढ़ी के दौरान राज्यस्तरीय फुटबाल खिलाड़ी को डीसीएम ने रौंद दिया। पहियों के नीचे आकर खिलाड़ी की मौत हो गई। कैंट के लालकुर्ती तोपखाना निवासी 35 वर्षीय सिकंदर वर्मा राज्यस्तरीय फुटबाल खिलाड़ी थे। परिवार में गर्भवती पत्नी रूबी, मां लीलावती, बड़े भाई सोनू, मोनू व गोलू हैं। सोनू ने बताया कि सिकंदर जूही राखीमंडी स्थित ट्रांसपोर्ट कंपनी में मुनीम का काम करता था। सचेंडी स्थित भीमसेन में ट्रांसपोर्ट कंपनी का वेयर हाउस है। जहां गुरुवार को सिकंदर काम करने गए थे। देर शाम माल अनलोडिंग की लिखापढ़ी के दौरान वह डीसीएम के पहियों के नीचे आ गया। परिजनों का आरोप है कि डीसीएम चालक की लापरवाही से सिकंदर की जान गई है। वहीं पति की मौत की जानकारी पर आठ माह की गर्भवती रूबी का रो-रोकर बेहाल हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

सिकंदर वर्मा।

परिवार की जिंदगी से खिलवाड़

छोटे से दुपहिया वाहन पर 5 लोग सवार यानी पूरे परिवार की जिंदगी से खिलवाड़। परिवार के मुखिया की लापरवाही के कारण 2 मासूमों के साथ छात्रा और युवती की जान पर खतरा साफ दिख रहा है। यातायात के नियमों की अनदेखी कर कानून का उल्लंघन करते भीड़-भाड़ वाले व्यस्ततम बड़ा चौराहा पर दुपहिया वाहन से गुजर रहे शख्स ने यातायात पुलिस की मुस्तैदी की पोल खोल कर रख दी। – मनोज तिवारी

विकास का ढिंढोरा

पीडब्ल्यूडी ने वार्षिक कार्य योजना में परियोजना को शामिल किया पर नहीं मिली वित्तीय-प्रशासनिक स्वीकृति

कब तक फाइलों में बनता रहेगा पनकी पड़ाव पुल, रवैया है ढुलमुल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

04 लेन के पुल का निर्माण किया जाना है

06 साल से ज्यादा समय से उठ रही है मांग

अमृत विचार। पनकी पड़ाव रेलवे क्रासिंग पर पुल का इंतजार आगे बढ़ने से परियोजना के एक बार फिर चुनावी घोषणा के जाल में फंसने की आशंका गहरा गई है। पीडब्ल्यूडी ने इस पुल के निर्माण के प्रस्ताव को वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्य योजना में शामिल किया था। जनप्रतिनिधियों ने कई बार जल्दी ही काम शुरू होने का भरोसा भी दिलाया, लेकिन शासन से वित्तीय और प्रशासनिक स्वीकृति नहीं मिलने से मामला अटका रहा, अब पीडब्ल्यूडी ने इस वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना में परियोजना को शामिल करने की तैयारी की है, ऐसे में माना जा रहा है कि अगले वर्ष विधानसभा चुनाव को देखते हुए शासन पुल निर्माण को हरी झंडी दिखा सकता है। जनप्रतिनिधि श्रेय के लिए शिलान्यास भी करा सकते हैं, लेकिन पुल धरातल पर कब आकार लेगा कुछ कहा नहीं जा सकता।

पनकी पड़ाव क्रासिंग। अमृत विचार

पनकी पड़ाव रेलवे क्रासिंग व्यस्तम दिल्ली-हावड़ा रूट पर स्थित है, इस कारण लोगों को जाम की समस्या से जूझना पड़ता है। यह क्रासिंग दिन में औसतन पांच से छह घंटे बंद रहती है। इस दौरान फाटक के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग जाती है, जो अक्सर कालपी रोड तक पहुंच जाती है, जबकि कानपुर-इटावा राष्ट्रीय राजमार्ग से पनकी मंदिर और कल्याणपुर जाने का यही प्रमुख मार्ग है। ऐसे में जाम से बचने के लिए वाहनों को करीब चार किमी अधिक दूरी तय कर भाटिया तिराहे से पनकी धाम रोड या नहरिया रोड होकर जाना पड़ता है।

इस समस्या दूर करने के लिए बीते छह-सात वर्षों से क्रासिंग पर पुल निर्माण की मांग की जा रही है। पिछले वर्ष सांसद रमेश अवस्थी, विधायक सुरेंद्र मैथानी ने अधिकारियों के साथ मौके पर निरीक्षण कर जल्द से जल्द एस्टीमेट तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश दिए थे। इसी के बाद सेतु निगम ने 305 करोड़ का प्रोजेक्ट तैयार किया था। योजना के मुताबिक पनकी पड़ाव रेलवे क्रॉसिंग पर अंग्रेजी के वाई अक्षर आकार में चार लेन पुल का निर्माण होना है। इस चार लेन के पुल निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजा गया था। सेतु निगम का कहना है कि इस रेलवे ओवर ब्रिज के निर्माण से इटावा, झांसी, हमीरपुर से आने वाले बड़े वाहन फर्राटा भरते हुए पनकी के गंगागंज, पनकी पड़ाव, कल्याणपुर की तरफ आ और जा सकेंगे।

पांच लाख से ज्यादा लोगों को रोज जाम में फंसना पड़ता : इस रेलवे ओवरब्रिज के फंसने से अर्मापुर, पनकी गंगागंज, जवाहरपुरम, शताब्दी नगर, रतनपुर एक्सटेंशन आदि मोहल्लों के पांच लाख से ज्यादा लोगों की परेशानी हल नहीं हो पा रही है। अब लोगों को मौजूदा वित्तीय वर्ष में शासन की वित्त व्यय समिति से मंजूरी का इंतजार है। अधिकारियों का कहना है कि शासनादेश जारी होते ही भूमि अधिग्रहण का काम पूरा करके पुल निर्माण का टेंडर कराया जाएगा।

वाई आकार में इस तरह का बनाया जाना है पुल

- प्रस्ताव के अनुसार पनकी पड़ाव रेलवे क्रासिंग पर 1197 मीटर लंबा और 16 .50 मीटर चौड़ा पुल बनना है। वाई आकार का यह पुल गंगागंज में नारायना मेडिकल कॉलेज जाने वाले तिराहे के पास से शुरू होकर क्रासिंग पार करने के बाद दो हिस्सों में बंट जाएगा। इसके बाद टू लेन का एक हिस्सा स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया और दूसरा टू लेन का भाग ट्रांसपोर्ट नगर की ओर मुड़ जाएगा। इन दोनों हिस्सों की लंबाई चार-चार सौ मीटर रहनी है। 305 करोड़ के इस प्रोजेक्ट में लगभग 150 करोड़ रुपये भूमि अधिग्रहण और 5 .50 करोड़ रुपये बिजली-पानी की लाइनें शिफ्ट करने के लिए प्रस्तावित हैं।

जनता बोली

ओवरब्रिज के निर्माण की मंजूरी के दावे तो खूब हुए पर अभी तक काम शुरू नहीं हुआ। अधिकारी और जनप्रतिनिधियों को समस्या गंभीरता से लेनी चाहिए।

– अनुराग सिंह, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर

पनकी पड़ाव क्रासिंग हर दिन दो सौ से ज्यादा बार बंद होती है। कई बार तो यहां एंबुलेंस भी फंस जाती हैं। जनप्रतिनिधियों को इस प्रोजेक्ट को जल्द मंजूर कराना चाहिए।

– राज किशोर मिश्रा, रिटायर्ड कर्मचारी

पुल का निर्माण हर हाल में होना चाहिए। पुल न बनने से लोगों को घंटों जाम में फंसना पड़ता है। बार- बार गेट बंद होने से लोग समय से नहीं पहुंच पाते हैं।

– सुनील चतुर्वेदी, ग्रेपलिंग खेल प्रशिक्षक

पनकी पड़ाव रोड प्रमुख मार्ग है। हर दिन 50 से 60 हजार छोटे- बड़े वाहन गुजरते हैं। जाम से लोग परेशान होते हैं। ओवरब्रिज का निर्माण जल्द होना चाहिए।

– रवि सिंह, समाजसेवी

इस हफ्ते पारा 40 से नीचे, तीन दिन बाद फिर बारिश

कानपुर। अगले एक हफ्ते पारा अप्रैल माह जैसा सितम नहीं ढाएगा, अधिकतम तापमान पूरे हफ्ते 40 का आंकड़ा पार नहीं करेगा। तीन दिन गर्मी बढ़ेगी, लेकिन 4 और 5 मई की रात से बादल डेरा जमाएंगे। हल्की बारिश या बौछारें पड़ने की उम्मीद है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार यह बदलाव ट्रफ लाइन और नमी भरी हवा के प्रभाव से होगा, जिससे चार व पांच मई को वर्षा होने की स्थिति बन रही है।

बादलों के आने-जाने से गर्मी कम रहेगा, लेकिन उमस बढ़ सकती है। जब सुबह के समय बादल होंगे और वर्षा होगी तो अधिकतम तापमान में अधिक गिरावट आएगी।

अप्रैल ने तोड़ा वर्षा का रिकार्ड

अप्रैल में सामान्यतः एक-दो दिन हल्की बारिश होती है। इससे पहले 2020 में 26 अप्रैल को 27.6 मिमी बारिश ने 49 साल का रिकार्ड तोड़ा था, रे महीने में 31.8 मिमी वर्षा हुई थी। लेकिन इस बार अप्रैल ने मौसम का पूरा गणित बदल दिया। इस बार 49.6 मिमी वर्षा दर्ज हुई। इससे पुराने सभी रिकार्ड टूट गए।

सिटी ब्रीफ

युवक का शव मिलने से हड़कंप

कानपुर। हनुमंत विहार थाना क्षेत्र के खांडेपुर अर्रा रोड स्थित मार्केट के किनारे शुक्रवार दोपहर करीब 35-40 वर्ष के युवक का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं। पुलिस के मुताबिक युवक ने ऊपर सफेद रंग की शर्ट पहन रखी थी और नीचे काले रंग का हाफ लोअर पहना था। आसपास के लोगों से पहचान कराने की कोशिश जारी है। अर्रा चौकी प्रभारी प्रवीण शर्मा ने बताया कि मृतक की उम्र करीब 35 से 40 वर्ष के बीच लग रही है और फिलहाल शिनाख्त के प्रयास जारी हैं। लोगों ने नशे में होने की भी बात कही है। मौत के सही वजह पोस्टमार्टम के बाद पता चल सकेगी।

वाहन की टक्कर से महिला की मौत

कानपुर। नौबस्ता थाना क्षेत्र में हमीरपुर रोड स्थित आवास विकास कट के पास शुक्रवार शाम सड़क पार कर रही एक अज्ञात महिला को तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में महिला का चेहरा बुरी तरह कुचल गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर शिनाख्त के प्रयास शुरू किए। पुलिस के अनुसार अभी तक महिला की पहचान नहीं हो सकी है और टक्कर मारने वाला वाहन फरार है। हंसपुरम चौकी प्रभारी कौशल मिश्रा ने बताया कि महिला ने साड़ी पहन रखी थी। शुरुआती समय में एक व्यक्ति ने महिला को अपनी पत्नी बताया, लेकिन बाद में पहचान से इनकार कर दिया। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और महिला की पहचान के प्रयास जारी हैं।

गर्भपात व मारपीट के लगाए आरोप

कल्याणपुर। आवास विकास तीन निवासी महिला ने ससुरालियों पर अतिरिक्त दहेज में दस लाख की मांग पूरी न होने पर मारपीट व घर से निकालने का आरोप लगाया है। महिला के अनुसार शादी के बाद से ही ससुरालीजन उसे शारीरिक व मानसिक रुप से प्रताड़ित करने लगे। इस दौरान पति ने जबरन दवा खिला कर उसका गर्भपात करा दिया। इतना ही नहीं दोबारा गर्भवती होने पर उसके साथ मारपीट की गई। इस दौरान पेट में चोट लग जाने पर उसका दोबारा गर्भपात हो गया था। कल्याणपुर थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

युवावस्था में भी अब हो रहा कोलन कैंसर

पहले अधिकतर अधेड़ लोगों को होता था, 10 साल में बढ़ गए 50 फीसदी मामले, एहतियात बरतना जरूरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जीवनशैली में बदलाव, खराब खानपान, जंक फूड व फास्ट फूड के सेवन से अब युवावस्था में ही लोग कोलन कैंसर (बड़ी आंत का कैंसर) की गिरफ्त में आ रहे हैं। 10 साल में इसके 50 फीसदी मामले बढ़े हैं। जबकि यह समस्या पहले 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में देखी जाती थी। यह रोग आमतौर पर समय के साथ बनने वाले प्रीकैंसरस पॉलीप्स से विकसित होता है। यह जानकारी आईएमए भवन में नई दिल्ली से आए डॉ.विवेक मंगल ने दी।

परेड स्थित आईएमए भवन के जितेंद्र कुमार लोहिया सभागार में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन कॉलेज ऑफ जनरल प्रैक्टिशनर्स, कानपुर सब फैकल्टी ने शुक्रवार को तीन दिवसीय 43वां वार्षिक रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन किया, जिसमे कई चिकित्सा सत्र आयोजित किए गए। नई दिल्ली से आए डॉ.विवेक मंगल ने बताया कि कोलन कैंसर के जोखिम कारकों में लाल या प्रोसेस्ड मांस का अधिक सेवन, मोटापा, शारीरिक निष्क्रियता, धूम्रपान, शराब का सेवन, मधुमेह, इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज और आनुवंशिक स्थितियां जैसे लिंच सिंड्रोम और फैमिलियल एडेनोमेटस पॉलीपोसिस शामिल हैं। दाहिनी ओर के कैंसर में अक्सर छिपे हुए रक्तस्राव के कारण एनीमिया और कमजोरी दिखाई देती है, जबकि बाईं ओर के कैंसर में कब्ज, मल त्याग की आदतों में बदलाव या आंतों में रुकावट जैसे लक्षण अधिक सामने आते हैं। यह कैंसर लिम्फ नोड्स, लिवर, फेफड़ों और पेरिटोनियम तक फैल सकता है। मल त्याग करने में दिक्कत, साथ में खून आना, पेट में तेज दर्द, वजन कम होना व थकान आदि लक्षणों के आधार पर शुरुआत में ही स्क्रीनिंग से कोलन कैंसर को रोका और प्रारंभिक अवस्था में ठीक किया जा सकता है, यहां तक कि लक्षण आने से पहले भी।

बच्चों में होने वाले गठिया रोग से बचाव की जानकारी देती डॉ.रश्मि कपूर, साथ में मुंबई से आईं डॉ.शिखा अग्रवाल व डॉ.शालिनी मोहन। अमृत विचार

इंटरवेंशनल न्यूरोलॉजी पर जानकारी देते डॉ.देवांश मिश्रा, साथ में डॉ.अनुराग मेहरोत्रा, डॉ.गौरव चावला समेत अन्य। अमृत विचार

बच्चों के हाथ-पैर में दर्द को न करें नजरअंदाज

- मुंबई से आईं डॉ.शिखा अग्रवाल ने बताया कि बच्चों में भी गठिया की समस्या तेजी से बढ़ी है। बच्चों में लंबे समय तक रहने वाले बुखार, जोड़ों में दर्द या सूजन जैसी समस्याओं को सामान्य संक्रमण समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। कई मामलों में ये गंभीर रूमेटोलॉजिकल रोगों के संकेत हो सकते हैं। बाल रूमेटोलॉजी केवल जांचों पर आधारित नहीं है, बल्कि यह मरीज की समस्याओं जैसे दर्द, बुखार, थकान और सूजन-की कहानी को समझकर, समय के साथ उनके पैटर्न को जोड़कर सही निदान करने की प्रक्रिया है। इन रोगों को चार प्रमुख श्रेणियों आर्थराइटिस, वैस्कुलाइटिस, कनेक्टिव टिश्यू विकार और ऑटोइन्फ्लेमेटरी सिंड्रोम में बांटा जा सकता है। कार्यक्रम की निदेशक डॉ.रश्मि कपूर ने बाल रोग विशेषज्ञों के बीच रूमेटोलॉजिकल रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया।

इंटरवेंशनल न्यूरोलॉजी से कई जटिल बीमारियों का निदान

- लखनऊ से आए डॉ.देवांश मिश्रा ने बताया कि इंटरवेंशनल न्यूरोलॉजी एक उभरती चिकित्सा उपविशेषता है, जो न्यूनतम इमेजिंग आधारित तकनीक और उपयोग की जाने वाली प्रक्रिया और सिर, गर्दन और रीढ़ की बीमारी के निदान व उपचार में विशेषज्ञता रखती है। इसका उपयोग स्टेंटिंग, एंजियोप्लास्टी, सेरेब्रल एन्यूरिज्म, एवीएम, कैरोटिड कैवर्नस फिस्टुला, ड्यूरल एवी फिस्टुला, एक्स्ट्राकैनियल ब्रकियोसेफेलिक, पैरास्पाइनल वैस्कुलर डिसीज, सिर व गर्दन के ट्यूमर, जुवेनाइल नासॉफिरिन्जियल ट्यूमर, मेनिंजियोमास, नाक से खून आना, स्ट्रोक व कशेरुका शरीर संपीड़न फ्रैक्चर के इलाज व निदान में काफी सहायक है।

ये डॉक्टर रहे मुख्य रूप से मौजूद

आईएमए अध्यक्ष डॉ.अनुराग मेहरोत्रा, सचिव डॉ.शालिनी मोहन, आईएमए सीजीपी के सहायक निदेशक डॉ.गौरव चावला, सचिव आईएमए सीजीपी डॉ.शरद दामेले, वैज्ञानिक सचिव डॉ.दीपक श्रीवास्तव, वित्त सचिव डॉ. विशाल सिंह, डॉ.गौरव मिश्रा, डॉ.अखिलेश शर्मा, डॉ.वीके मिश्रा, डॉ.रश्मि कपूर समेत आदि डॉक्टर शामिल हुए।

एससी-एसटी अत्याचार केस में निष्पक्ष हो जांच

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- एससी-एसटी आयोग सदस्य रमेश चंद्र कुण्डे ने की जनसुनवाई व समीक्षा बैठक

अमृत विचार। कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को अनुसूचित जाति व जनजाति आयोग, उप्र के सदस्य रमेश चंद्र कुण्डे ने जनसुनवाई व समीक्षा बैठक की। अनुसूचित जाति व जनजाति से संबंधित मामलों की समीक्षा की और लोगों की शिकायतों को सुनकर उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। बोलें कि शिकायतों का समय पर और प्रभावी तरीके से निस्तारण किया जाए।

सदस्य रमेश चंद्र कुण्डे ने बैठक में शामिल अपर जिला मजिस्ट्रेट (न्यायिक) महेश प्रसाद, डीसीपी सेंट्रल अतुल, एसीपी कोतवाली आशुतोष कुमार सिंह, सीएमओ डॉ.हरीदत्त नेमी, जिला समाज कल्याण अधिकारी बीरपाल व पीआरओ सुधीर चौधरी समेत संबंधित विभागों के अधिकारियों से कहा कि पात्र लाभार्थियों को शासन की योजनाओं का लाभ हर हाल में उपलब्ध कराया जाए। अनुसूचित जाति व जनजाति अत्याचार से संबंधित मामलों में त्वरित, निष्पक्ष व संवेदनशील कार्यवाही की जाए। बैठक के बाद वह उर्सला अस्पताल पहुंचे और निरीक्षम किया। अस्पताल के बाद उन्होंने घंटाघर से डिप्टी पड़ाव तक सड़क का निरीक्षण किया।

उर्सला अस्पताल का निरीक्षण करते सदस्य। अमृत विचार

मजबूत टीम की तलाश में जमीअत, कानपुर को कमान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सीतापुर के लहरपुर में पहली कार्यशाला 16 व 17 मई को होगी
- प्रदेशस्तर पर तेज तर्रार टीम को प्रशिक्षण देने के लिए सम्मेलन

अमृत विचार। मौजूदा दौर पर मुसलमानों के कई गंभीर मुद्दे सामने आ रहे हैं। इन मुश्किलों का सामना करने के लिए जमीअत उलमा-ए-हिंद ने कमर कसी है। जमीअत अपनी टीम को मजबूत और जनता से जुड़ाव के लिए राष्ट्रीय स्तर पर तेज तर्रार लोगों की तलाश शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश में जमीअत के लोगों को ट्रेनिंग देने के क्रम में पहला ट्रेनिंग कैंप 16 व 17 मई को लहरपुर सीतापुर में होगा। इस महत्वपूर्ण कार्य की जिम्मेदारी कानपुर के तेजतर्रार मौलाना एवं उत्तर प्रदेश जमीअत उलमा के प्रदेश महासचिव मौलाना अमीनुल हक अब्दुल्लाह कासमी को सौंपी गयी है।

बीते दिनों सीतापुर लहरपुर कार्यक्रम स्थल की तैयारियों का जायजा लेने जाने से पूर्व उत्तर प्रदेश जमीअत उलमा के प्रदेश महासचिव मौलाना अमीनुल हक अब्दुल्लाह कासमी ने दैनिक अमृत विचार संवाददाता से बातचीत में कहा कि 16 व 17 मई को 'प्रांतीय प्रशिक्षण कार्यशाला होगी। दो दिवसीय प्रांतीय प्रशिक्षण कार्यशाला पदाधिकारियों के वैचारिक, व्यावहारिक और संगठनात्मक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। हमें अपने बुजुर्गों के नक्श-ए-कदम पर चलते हुए संगठन को और अधिक सक्रिय तथा व्यवस्थित बनाना है।

इसी प्रकार की प्रशिक्षण कार्यशाला प्रदेश भर आयोजित की जाएंगी। मुफ्ती जफर अहमद कासमी, मुफ्ती जफर अहमद कासमी, कारी अब्दुल मोईद चौधरी, मौलाना अब्दुल मतीन, मुफ्ती अब्दुर्रहमान, मुफ्ती हिलाल, डॉ. नदीम, मोहम्मद अली, हाफिज इमरान अली आदि मौजूद रहे।

युवक को पीटकर मोबाइल-रुपये लूटे

कानपुर। बर्रा में बीमार चाचा को देखकर लौट रहे युवक को बाइक सवारों ने पीटकर मोबाइल लूट लिया। आरोप है कि मोबाइल के कवर में एक हजार रुपये भी थे। महोबा के कर्रही निवासी बलदाऊ कुशवाहा के अनुसार बर्रा हाईवे पर स्थित अस्पताल में उसके चाचा नंद किशोर भर्ती थे। जिसे वह देखने आए थे। गुरुवार रात करीब साढ़े बारह बजे लौटते समय पैदल जा रहे थे। तभी सामने से बाइक पर सवार दो युवक आए और उसके रोककर गाली-गलौज की। तलाशी लेते समय मुंह पर घुसे भी मारे। जिससे वह जख्मी हो गया। इसके बाद उसका मोबाइल लूट ले गए। मोबाइल के कवर में 1000 रुपये भी रखे थे। बदमाशों के भागने पर उसने पुलिस में शिकायत की।

डग्गामारी के विरोध में परिवहन के कर्मचारियों ने भरी हुंकार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के सभी डिपो, बस अड्डों पर परिवहन कर्मियों ने जमकर नारेबाजी की और सरकार से मांग की कि डग्गामारी तुरंत बंद की जाए क्योंकि डग्गामारी से परिवहन को करोड़ों का नुकसान हो रहा है।

शुक्रवार को रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के आह्वान पर प्रदर्शन किया। चुन्नीगंज बस अड्डे पर शहीद मेजर सलमान खान अंतर्राज्यीय झकरकटी बस अड्डा, फजलगंज डिपो, विकास नगर डिपो, किदवई नगर डिपो, क्षेत्रीय कार्यशाला, प्रशिक्षण संस्थान समेत सभी डिपो व बस अड्डों पर प्रदर्शन किया गया और क्षेत्रीय प्रबंधक को ज्ञापन सौंपा गया। मुकेश त्रिपाठी, अजीत सिंह, मनोज सिंह, अतुल यादव, राज किशोर,दिनेश पाल, जेएन मिश्रा, अमित द्विवेदी, मोहम्मद शाकिर खान, सुरेंद्र सिंह सेंगर, प्रेम नारायण शर्मा, राजेंद्र प्रसाद पाल, दिनेश यादव, अखिलेश द्विवेदी, मिथिलेश शर्मा, इकबाल अहमद, पवन सिंह, शोबरन लाल, अरुण कुमार आदि थे।

चुन्नीगंज बस अड्डे पर प्रदर्शन करते कर्मचारी। अमृत विचार

घनी आबादी में घर-घर शिक्षा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

मौलाना अमीनुल हक।

- शहर जमीअत उलमा ने 8 मई को सभी स्कूल प्रबंधकों का सम्मेलन बुलाया

अमृत विचार। शहर जमीअत उलमा ने घनी आबादी में घर-घर शिक्षा की अलख जगाने का अभियान शुरूकरने का निर्णय लिया है। इस कार्यक्रम में देश के प्रसिद्ध शिक्षाविद और दार-ए-अरकम पब्लिक स्कूल तुमकुरु, कर्नाटक के संस्थापक मौलाना खालिद बेग नदवी मुख्य अतिथि होंगे। उनके शैक्षणिक व प्रशासनिक अनुभव स्थानीय स्कूलों के प्रबंधकों के लिए मार्गदर्शक साबित होंगे। जमीअत का मानना है कि केवल आधुनिक शिक्षा ही काफी नहीं है, छात्रों को जागरूक नागरिक बनाने की भी जरूरत है।

शुक्रवार को जमीअत बिल्डिंग रजबी रोड पर स्थित कार्यालय में उत्तर प्रदेश जमीअत उलमा के प्रदेश महासचिव मौलाना अमीनुल हक अब्दुल्लाह कासमी ने पत्रकारों को ये जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी का नैतिक व बौद्धिक विकास और सकारात्मक सामाजिक मूल्यों को बढ़ावा देना वक्त की सबसे अहम जरूरत है जिसके लिए 8 मई को शाम छह बजे रजबी रोड स्थित जमीअत बिल्डिंग हॉल में सभी स्कूल प्रबंधकों का सम्मेलन बुलाया है जिसका विषय है, देश और समाज के निर्माण व विकास में स्कूलों की भूमिका।

मौजूदा संवेदनशील हालात में शिक्षण संस्थानों और उनके प्रबंधकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। छात्रों को उच्च नैतिकता वाला और जागरूक नागरिक बनाना हमारी साझा जिम्मेदारी है। इस सम्मेलन का मुख्य लक्ष्य स्कूलों के प्रबंधकों एवं जिम्मेदारों को एक मंच पर लाकर आपसी सहयोग से एक ऐसी मजबूत कार्ययोजना तैयार करना है, जिसके दूरगामी और सकारात्मक प्रभाव हमारी आने वाली पीढ़ियों पर पड़े।

एग्रीमेंट कराकर फ्लैट पर कब्जा

कल्याणपुर। रावतपुर निवासी तरुण गुप्ता कारोबारी हैं, जो अमर एसोसिएट के नाम से फर्म का संचालन करते हैं। तरुण के अनुसार करीब छह वर्ष पूर्व रावतपुर के सुनील कुमार मिश्रा ने अमर एसोसिएट में 28 लाख का एक फ्लैट खरीदने की इच्छा जाहिर की। लगभग चार लाख की दो चेंक देकर सुनील ने एग्रीमेंट करा लिया। शेष रकम रजिस्ट्री के समय देने की बात कही। तीन माह बाद एग्रीमेंट समाप्त होने पर जब उन्होंने रजिस्ट्री कराने को कहा तो सुनील टालमटोल करता रहा। इस दौरान शातिर ने कूटरचित दस्तावेजों की मदद से उनके फ्लैट के पते पर आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट व बिजली का कनेक्शन ले लिया।

राम रोटी में अब तक 17.5 लाख थालियां बंटी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- राम रोटी के 11 वर्ष पूरे होने पर जेके कैंसर संस्थान में मनाई गई वर्षगांठ
- गोल्डी मसाले के निदेशक सुरेंद्र कुमार गुप्ता ने कार्यक्रम की शुरुआत की

भोजन की थाली वितरित करते गोल्डी मसाले के निदेशक सुरेंद्र कुमार गुप्ता, साथ में मनोज सेंगर व अन्य अतिथि। अमृत विचार

अमृत विचार। रावतपुर स्थित जेके कैंसर संस्थान में वर्ष 2015 से समन्यव सेवा समिति द्वारा संचालित राम रोटी के 11 वर्ष पूरे होने पर शुक्रवार को वर्षगांठ मनाई। समिति के महामंत्री व गोल्डी मसाले के निदेशक सुरेंद्र कुमार गुप्ता ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। अपने हाथों से मरीजों व तीमारदारों को भोजन वितरित किया। कहा कि भूखे को भोजन कराने से पवित्र और कोई कार्य नहीं है।

समिति के सह संयोजक मनोज सेंगर ने बताया कि स्व. संतोष अग्रवाल एडवोकेट के अथक प्रयासों से वर्ष 2015 में अक्षय तृतीया के दिन इस भोजनालय की शुरुआत भारत माता मंदिर हरिद्वार के संस्थापक बृह्मलीन पू.स्वामी सत्य मित्रा नन्द गिरिजी महाराज के हाथों हुआ था। कैंसर मरीजों की परेशानी को समझ कर स्वामी ने ही यह प्रेरणा प्रदान की थी। अब स्व. संतोष अग्रवाल के पुत्र मनोज व मनीष अग्रवाल समिति के सहयोग से संपूर्ण व्यवस्था की देखरेख करते हैं। मरीजों व तीमारदारों को दाल, चावल, रोटी, सब्जी, मिष्ठान्न और फल के अतिरिक्त दूध, मट्ठा, सत्तू, दलिया दोनों समय निशुल्क वितरित किया जाता है। समिति के पदाधिकारी प्रह्लाददास गुप्ता ने बताया कि अब तक साढ़े 17 लाख भोजन थालियां निशुल्क वितरित की जा चुकी है। इसमे राधेश्याम शर्मा, हरी किशन चोखानी, राजेंद्र गुप्ता, माधवी सेंगर, सरोज गुप्ता, शशि गुप्ता व सत्यनारायण नेवटिया का इस कार्य में सहयोग रहता है। इस दौरान पं. शेषनारायण त्रिवेदी, सीएल कानोड़िया, कमल गुप्ता, पं. विजय पाण्डेय, अवध बिहारी मिश्र, जगमहेंद्र अग्रवाल आदि रहे।

दर्दनाक | वॉयस रिकार्डिंग भेजकर युवक ने खाया जहरीला पदार्थ, मौत, कहा, मेरी सास, साली-साला, साढ़ू मेरी आत्महत्या के जिम्मेदार

योगी महाराज, अब आप न्याय करना, मैं मरना नहीं चाहता था...

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

घटना की जानकारी देते परिजन। अमृत विचार

विनोद कुमार मिश्रा

अमृत विचार। मैं मरना नहीं चाहता था, लेकिन मेरे ससुरालीजनों ने मुझे मारने की प्लानिंग कर ली थी। उन्होंने ऐसा षड़यंत्र रचा कि मैं आत्महत्या कर रहा हूं। मैं अपनी जिंदगी ठीक से जी रहा था, मगर मेरी पत्नी की मां मेरे पीछे पड़ी हुई थी। योगी महाराज, पुलिस अब आप देखना, आप न्याय करना। मैं मरना नहीं चाहता था, मेरी मौत का जिम्मेदार सुनील तिवारी, पत्नी की मां मिथलेश कुमारी, विकास तिवारी, बहन अंजू और उसका पति है। जिसके कारण आत्महत्या कर रहा हूं। यह बातें वॉयस रिकार्ड कर दोस्तों व परिजनों को भेजकर युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया। उसे हैलट ले जाया गया, जहां युवक ने दम तोड़ दिया।

मूलरूप से कन्नौज के तालिग्राम नेपालपुर निवासी 38 वर्षीय विनोद कुमार मिश्रा दिल्ली के एक्सिस बैंक में फील्ड ऑफिसर के पद पर कार्यरत थे। विनोद के चाचा आरके मिश्रा बर्रा विश्व बैंक कालोनी में रहते हैं। वहीं इलाके में उसकी ससुराल भी थी। चाचा ने बताया कि विनोद की शादी 16 साल पहले इलाके की अनीता उर्फ आरती से हुई थी। उनके तीन बच्चे कार्तिक, पीहू व अटल हैं। विनोद दिल्ली में ही रहता था। बच्चे कार्तिक डीएवी कालेज में 10वीं, पीहू नौवीं की छात्रा है, जबकि सबसे छोटा बेटा अटल एयरफोर्स स्कूल में कक्षा चार का छात्र है। विनोद कुमार ने दिल्ली में कांग्रेस से पार्षद का चुनाव लड़ा था, उसके बाद भाजपा में शामिल हो गए थे। उन्हें नरैला मंडल अध्यक्ष बनाया गया था। चाचा के अनुसार अनीता अक्सर मायके जाने को तैयार रहती थी, विरोध पर उसका विनोद से विवाद होता था। तीन माह पहले विनोद पत्नी को समझाकर दिल्ली ले गया था। दो अप्रैल को परिवार में शादी की बात कहकर वह फिर कानपुर आ गई थी और वापस नहीं लौटी। 26 अप्रैल को विनोद पत्नी को लेने उसके मायके पहुंच गया, लेकिन ससुरालीजनों ने उसे मिलने नहीं दिया। इस पर उसने बर्रा पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने दोनों पक्षों को बुलाया, लेकिन आरती नहीं पहुंची। विनोद अपने चाचा के घर चला गया। बुधवार को विनोद दोस्त मनीष संग अयोध्या रामलला के दर्शन करने गया था। गुरुवार को लौटेने पर पत्नी को प्रसाद देने गए और घर चलने को कहा तो पत्नी से कहासुनी हो गई। इसके बाद विनोद ससुराल से निकले व जहरीला पदार्थ खा लिया। नौ मिनट की वॉयस रिकॉर्डिंग कर परिजनों, दोस्तों व बर्रा थाना प्रभारी रवींद्र श्रीवास्तव को भेजी।

मंडल अध्यक्ष ने वॉयस रिकॉर्डिंग में कहा

- मैं बताना चाहता हूं कि, मरना नहीं चाहता था। लेकिन मेरे ससुरालवाले मेरे पूरे परिवार को खत्म करने की कसम खा ली है। मेरी आत्महत्या के पीछे मेरी पत्नी आरती, उसकी मां मिथलेश कुमारी, उसका भाई विकास तिवारी, मामा का लड़का सुनील तिवारी, बहन अंजू व उसका पति है। आगे कहा कि मैं अपनी जिंदगी ठीक से जी रहा था। मगर मेरी पत्नी की मां बहुत दिनों से मेरे पीछे पड़ी थी। घर में तोड़फोड़ करना, पत्नी को बरगलाना, उसके बाएं हाथ का खेल है। पत्नी उनके कहने में आ जाती थी। मेरी सास हमेशा नीचा दिखाती थी। एच ब्लॉक का मकान ससुराल के नजदीक था, इसलिए बेचकर दिल्ली गया था। 12 अप्रैल को ससुरालियों ने अभद्र भाषा का प्रयोग किया। बेटे कार्तिक व अटल माफी मांग रहा हूं। मैं अपनी जान दे रहा हूं। योगी महाराज, पुलिस अब आप देखना, आप न्याय करना। मैं मरना नहीं चाहता था। मेरी मौत का जिम्मेदार सुनील तिवारी, पत्नी की मां मिथलेश कुमारी, विकास तिवारी, बहन अंजू और उसका पति है। जिसके कारण आत्महत्या कर रहा हूं।

अटेंडेंस के नाम पर अवैध वसूली से छात्र नाराज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। एक निजी यूनिवर्सिटी में छात्रों ने अटेंडेंस के नाम पर अतिरिक्त शुल्क को अवैध वसूली बताते हुए नाराजगी जताई। पक्षपात और एडमिट कार्ड रोकने के आरोप भी लगाए। छात्रसंघ बहाली मोर्चा ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ ज्ञापन दिया।

ज्ञापन देने के लिए छात्र जब फार्मेसी विभाग के डीन से मिलने पहुंचे तो डीन ने मिलने से इनकार कर दिया। इस पर छात्र नेताओं और प्रशासन के बीच नोकझोंक हुई। इस दौरान छात्र नेता अभिजीत राय ने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा का मंदिर है, न कि अवैध वसूली का केंद्र। अटेंडेंस के नाम पर गरीब छात्रों पर भारी जुर्माना थोपना उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ है। विश्वविद्यालय प्रशासन को यह साफ समझ लेना चाहिए कि हम छात्रों का आर्थिक और मानसिक शोषण अब और नहीं होने देंगे। छात्र नेता अनस ने कहा कि यह बेहद शर्मनाक है कि कुछ खास छात्रों को ''स्पेशल ट्रीटमेंट'' देकर बिना कॉलेज आए अटेंडेंस दी जा रही है, जबकि आम छात्र जो संघर्ष कर रहे हैं, उन्हें परीक्षा से वंचित किया जा रहा है।

अगर नियम सबके लिए समान नहीं हैं, तो उन नियमों को हम भी नहीं मानते। हम यहाँ न्याय के लिए आए हैं और न्याय लेकर ही उठेंगे। छात्र नेताओं ने ज्ञापन सौंपते हुए स्पष्ट किया कि यदि 24 घंटों के भीतर सभी छात्रों के एडमिट कार्ड जारी नहीं किए गए और अवैध जुर्माना माफ नहीं हुआ, तो मोर्चा विश्वविद्यालय की तालाबंदी करेगा।

सिटी ब्रीफ

गुजरात स्थापना दिवस मनाया

कानपुर। हरकोर्ट बटलर प्रविधिक विश्वविद्यालय (एचबीटीयू), में शुक्रवार को गुजरात स्थापना दिवस मनाया गया। विश्वविद्यालय छात्र गतिविधि परिषद की ओर से हुए आयोजन में एक कदम स्वस्थ समाज, स्वच्छ पर्यावरण और जिम्मेदार नागरिक की ओर के संकल्प के साथ समारोह की शुरुआत हुई। इस दौरान साइकिल रैली भी निकाली गई। रैली को विश्वविद्यालय के शताब्दी द्वार, पश्चिमी प्रांगन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उधर विश्वविद्यालय के न्यू ऑडिटोरियम में एक कदम स्वस्थ समाज एवं सामाजिक जागरूकता की ओर विषय के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'टीबी जागरूकता एवं पोषण पोटली वितरण कार्यक्रम' संपन्न हुआ। इस दौरान कुलपति प्रो. समशेर, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. सीएल गहलोत, कुलसचिव अमित राठौर, एडीएसडब्ल्यू डॉ. अनुराग सिंह एवं डॉ. अभिषेक कुमार लाल मोजूद रहे।

क्रिकेट मैच खेला गया

कानपुर। एचबीटीयू की ओर से छात्रों शिक्षकों एवं स्टाफ का एक प्रदर्शनी क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। यह मैच कुलपति 11 बनाम कुलसचिव 11 के बीच के मध्य खेला गया। जिसमें कुल सचिव 11 ने दो विकेट से मैच जीत लिया। इसके अतिरिक्त छात्र-छात्राओं द्वारा एक साइकिल रैली एवं पदयात्रा का भी आयोजन किया गया यह खेलकूद उपपरिषद द्वारा कराया गया।

विवि में सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में गुजरात स्थापना दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. अंशु यादव द्वारा किया गया। विद्यार्थियों ने गरबा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति देकर गुजरात की समृद्ध संस्कृति को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम में गुजरात के इतिहास और महापुरुषों के योगदान पर प्रकाश डाला गया। इस दौरान विभागाध्यक्ष डॉ. रश्मि गोरे, रजिस्ट्रार राकेश कुमार, वार्डन मयूरी सिंह, वार्डन अंशु सिंह, संगीत विभागाध्यक्ष, म्यूजिक एकेडमी के निदेशक डॉ. राज कुमार त्रिपाठी, तनिशा, सतीश, डॉ. देवानंद, डॉ. सुंदर, तुषार, आशीष सहित अन्य मौजूद रहे। विश्वविद्यालय में हुए अन्य आयोजन में स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेस में गोद लिए गए टीबी मरीजों हेतु पोषण पोटली का वितरण किया गया। स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज के पर्यावरण विज्ञान विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की विश्वेश्वरैया इकाई-4 एवं अटल इकाई-1 द्वारा ग्राम बैराठन पुरवा, बिठूर कानपुर में स्वच्छता अभियान चलाया गया।

श्रमिकों के सम्मान में निकाली पदयात्रा

कानपुर। कानपुर महानगर कांग्रेस द्वारा शोषित वंचित निर्धन निर्बल समाज की आवाज बुलंद करने के लिए सीटीआई शनि देव मंदिर से एचआई पुल तक श्रमिक सम्मान पदयात्रा निकाली गई जो कि बाबा भीम राव अम्बेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए समाप्त हुई। शुक्रवार को कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रतिभा अटल पाल के संयोजन एवं महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता की अगुवाई में पदयात्रा निकाली गयी। मनोज वाल्मीकि, शीलू श्रीवास्तव, विवेक पाल, आफताब हसन, श्रीकान्त पाल, विनोद अवस्थी, धर्मेंद्र सिंह थे।

गंगा एक्सप्रेसवे से भी सीधी पहुंच नहीं, ये सौतेलापन

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे के लिए 55 किमी दूर अरौल तक पड़ता है जाना, शहर के लोगों को चुभ रहा सरकार का व्यवहार

मुद्दा जनता का

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- रिंग रोड, गंगा बैराज मार्ग और गंगा एक्सप्रेसवे तीनों को एक साथ जोड़ने की योजना बने
- गंगा एक्सप्रेसवे से कनेक्टिविटी देने के लिए लोगों ने सुझाए दो वैकल्पिक लिंक मार्ग

अमृत विचार। गंगा एक्सप्रेसवे यातायात के लिए खोले जाने के बाद से शहर के लोगों का मलाल इस बात पर और बढ़ गया है कि लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे के बाद प्रदेश के इस सबसे बड़े एक्सप्रेसवे के लिए भी कानपुर से लिंक रोड के जरिये कोई कनेक्टिविटी नहीं मिली है। आउटर रिंग रोड, फोरलेन गंगा बैराज मार्ग तथा छह लेन की जीटी रोड होने के बाद भी इन रास्तों से गंगा एक्सप्रेसवे तक कोई पहुंच नहीं होने को कनपुरिए शहर के साथ सौतेलापन बता रहे हैं। अमृत विचार ने इसी मुद्दे पर तीन दिनों में 209 लोगों की राय एकत्र की, जिसमें गंगा एक्सप्रेसवे से शहर की कनेक्टिविटी के लिए लोगों ने प्रमुख रूप से दो विकल्प सुझाए। पहला गंगा एक्सप्रेसवे पर उन्नाव में सोनिक के आगे बने रैंप तक लिंक रोड तथा दूसरा कानपुर-अलीगढ़ हाईवे के बिल्हौर-चौबेपुर के आसपास से लिंक प्रदान करना।

दस साल पहले बना आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे कानपुर से जुड़ा है, लेकिन यह कनेक्शन कानपुर-अलीगढ़ हाइवे (पुराने जीटी रोड) पर शहर से 54 किमी दूर अरौल के पास मिलता है। इसी तरह गंगा एक्सप्रेसवे पहुंच के लिए अभी उन्नाव में सोनिक के पास बने रैंप तक पहुंचना होगा, जिसकी न्यूनतम दूरी तो 27-28 किमी है, लेकिन यातायात के दबाव और सीधी लिंक रोड नहीं होने से यात्रा में डेढ़ घंटा समय लग जाता है। इस समस्या के समाधान के लिए अमृत विचार टीम ने गंगा एक्सप्रेसवे से कनेक्टिविटी के लिए पहुंच मार्ग के बारे में लोगों से राय ली। इस पड़ताल में 54 फीसदी लोगों ने कानपुर को गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए सबसे व्यावहारिक समाधान नॉर्थ-ईस्ट कॉरिडोर लिंक बताया।

गंगा एक्सप्रेस वे।

मंधना के समीप इंटरचेंज से गंगा एक्सप्रेसवे के लिए लिंक रोड बने

- नॉर्थ-ईस्ट कॉरिडोर लिंक का निर्माण गंगा एक्सप्रेसवे से कनेक्टिविटी के लिए 113 लोगों ने सबसे बेहतर समाधान बताया। इसमें शहर के ट्रैफिक दबाव को कम करने के साथ आउटर रिंग रोड, गंगा बैराज और गंगा एक्सप्रेसवे तीनों को एक साथ जोड़ा जा सकता है। इस प्रस्ताव के मुताबिक गंगा एक्सप्रेसवे की (उन्नाव/बिल्हौर साइड) को लिंक रोड के जरिये मंधना के समीप निर्माणाधीन आउटर रिंग रोड पर इंटरचेंज से जोड़ने और यहीं से बैराज मार्ग के लिए अप्रोच रोड देने का सुझाव दिया गया। इसमें गंगा एक्सप्रेसवे के लिए सबसे सुगम टच पॉइंट बिल्हौर-चौबेपुर से मिल जाएगा। इस मार्ग से गंगा एक्सप्रेसवे करीब 40 किमी दूर पड़ेगा, लेकिन मार्ग 4/6 लेन ग्रीनफील्ड रोड होगी। इससे मंधना के पास मल्टी-मोडल लॉजिस्टिक पार्क, ट्रांस गंगा सिटी और गंगा बैराज के पास रिवरफ्रंट कॉरिडोर को भी फायदा पहुंचेगा।

27 किमी दूर सोनिक तक जाना होगा शहरियों को

40 किमी दूर पड़ेगा बिल्हौर चौबेपुर से

03 दिन में 209 लोगों ने अपनी राय दी

सोनिक रैंप तक लिंक रोड की कनेक्टिविटी दूसरा बड़ा विकल्प

- गंगा एक्सप्रेस से कनेक्टिविटी के लिए सोनिक (उन्नाव) रैंप को लिंक रोड से जोड़ा जा सकता है। अभी सोनिक रैंप तक पहुंचने के लिए जाजमऊ गंगापुल होकर या शुक्लागंज के मरहला चौराहा से लखनऊ हाईवे होकर जाना पड़ता है। यहां पहले से ही ट्रैफिक का भारी दबाव रहता है। जाजमऊ और शुक्लागंज में जाम लगता है। ऐसे में 96 (46%) लोगों ने सुझाव दिया कि शुक्लागंज-उन्नाव मार्ग पर सहजनी के समीप जहां आउटर रिंग रोड के लिए रैंप बनाया जा रहा है, उसे इंटरचेंज बनाकर गंगा एक्सप्रेस के लिए परियर रोड मार्ग पर लिंक रोड बनाया जा सकता है।

--------- जनता की राय ---------

गंगा एक्सप्रेस वे को रिंग रोड से हर हाल में जोड़ा जाना चाहिए। इससे कानपुर के उद्योगों को भी लाभ होगा और शहर वासियों को भी आवागमन में आसानी होगी।

-मुकुंद मिश्रा, प्रदेश अध्यक्ष उप्र उद्योग व्यापार मंडल

गंगा एक्सप्रेस वे कानपुर के उद्यमियों और कारोबारियों के लिए वरदान साबित हो सकता है यदि इसे रिंग रोड से जोड़ दिया जाए।

-ज्ञानेश मिश्र, प्रदेश अध्यक्ष भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल

कानपुर औद्योगिक नगरी है। बावजूद इसके इसकी उपेक्षा की जा रही है। इस एक्सप्रेस वे को कानपुर से सीधी कनेक्टिविटी मिलनी ही चाहिए। इसे रिंग रोड या कानपुर-अलीगढ़ हाईवे से जोड़ें।

-कृष्ण कुमार दुबे, समाजसेवी

कानपुर को सीधी कनेक्टिविटी मिलनी चाहिए गंगा एक्सप्रेस वे से। इसके लिए लिंक एक्सप्रेस वे का निर्माण किया जाना चाहिए। अन्यथा कानपुर को लाभ नहीं मिलेगा।

-आयुष द्विवेदी, व्यापारी नेता

शहर को जोड़ने के लिए अभियान चलाएंगे

- वरिष्ठ अधिवक्ता प्रदीप तिवारी ने बताया कि रिंग रोड से गंगा लिंक एक्सप्रेस वे को जोड़ने के लिए अभियान चलाने की जरूरत है। यदि लिंक एक्सप्रेस वे बनाकर गंगा एक्सप्रेस वे और रिंग रोड को जोड़ दिया जाए तो कानपुर के लोगों को लाभ मिलेगा। अधिवक्ताओं से पोस्टकार्ड पर हस्ताक्षर कराकर मुख्यमंत्री को भेजा जाएगा। हमारा लक्ष्य एक हजार से अधिक पोस्टकार्ड मुख्यमंत्री को भेजेंगे। रिंग रोड और एक्सप्रेस वे जुड़ने से कानपुर के औद्योगिक विकास को पंख लग जाएगा। यह बात यहां के जनप्रतिनिधियों को भी समझना होगा।

नीतू सिंह चेयरमैन और अचल गुप्ता अध्यक्ष

कानपुर। कानपुर उद्योग व्यापार मण्डल दक्षिण की नवीन कार्यकारिणी का विस्तार शुक्रवार को हुआ। इस दौरान नीतू सिंह को चेयरमैन व अचल गुप्ता को अध्यक्ष का पदभार मिला। पदाधिकारियों का मनोनयन सत्र 2025-28 के लिए हुआ है।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल से सम्बद्ध कानपुर उद्योग व्यापार मण्डल दक्षिण की त्रिवार्षिक सत्र 2025₹28 के लिए नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष मुकुन्द मिश्रा व कानपुर मण्डल अध्यक्ष विजय पाण्डेय व वरिष्ठ पदाधिकारियों की ओर से सहमति के बाद पदाधिकारियों की घोषणा हुई। पदाधिकारियों में चेयरमैन पद पर नीतू सिंह, अध्यक्ष पद पर अचल गुप्ता, महामंत्री पद पर पवन तिवारी व कोषाध्यक्ष पद पर अशोक अग्रवाल को मनोनीत किया गया। मनोनयन पत्र में बताया कि व्यापार मण्डल को पूरा विश्वास है कि नवनिर्वाचित पदाधिकारीगण व्यापारी हितों की रक्षा के लिए संघर्षशील रहेंगे। जनपद के व्यापारी प्रतिनिधियों की समस्याओं के समाधान के लिए नयी ऊर्जा के साथ कार्यरत रहेंगे। मुख्य संरक्षक मुकुन्द मिश्रा ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए संघर्ष का मंत्र दिया। कार्यक्रम में कृष्ण कुमार सिंह, पंकज अवस्थी, राम जी अग्रवाल, प्रदीप पाण्डेय, मुकेश शुक्ला, यूबी सिंह, रजत सिंह तलवार, विशाल शुक्ला, सुनील शुक्ला सहित अन्य व्यापारियों शामिल रहे।

नवीन सभागार में श्रमिकों को लाभ वितरित किया गया। अमृत विचार

कल्याण योजनाओं के लाभार्थियों को दी मदद

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- श्रमिक कन्यादान योजना में 51,000 रुपये, शिक्षा सहायता योजना में 25,000 रुपये

अमृत विचार। अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें विभिन्न श्रम कल्याण योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को आर्थिक सहायता वितरित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के ऑनलाइन संबोधन से हुई, जिसे उपस्थित श्रमिकों ने सुना। संगठित एवं असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सम्मानित भी किया गया।

शुक्रवार को नवीन सभागार, सरसैया घाट पर कार्यशाला में ज्योतिबा फुले श्रमिक कन्यादान योजना के अंतर्गत 51,000 रुपये की धनराशि रामबाबू, निधि शुक्ला, कायम सिंह, महेश चंद एवं राजेंद्र कुमार को सौंपी गई जबकि प्राविधिक शिक्षा सहायता योजना के तहत वेद प्रकाश मिश्रा एवं अशोक झा के बच्चों को 25,000 रुपये की सहायता प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त असंगठित श्रमिकों को शिशु एवं बालिका मदद योजना के अंतर्गत पांच लाभार्थियों को 31,000 एवं 26,000 रुपये की सहायता दी गई। संत रविदास शिक्षा सहायता योजना के तहत श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा के लिए भी हितलाभ वितरित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी (उत्तर) अनिल दीक्षित उपस्थित रहे। एडीएम सिटी डॉ. राजेश कुमार, अपर श्रम आयुक्त पीके सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिदत्त नेमी, डिप्टी डायरेक्टर फैक्ट्री सचिन यादव तथा सहायक श्रम आयुक्त राम लखन पटेल आदि मौजूद रहे। उद्योग प्रतिनिधियों के रूप में उमंग अग्रवाल, मनोज बांका, बृजेश अवस्थी तथा श्रमिक प्रतिनिधियों के रूप में अनिल उपाध्याय और राम प्रकाश आदि रहे।

मेट्रो के दो स्टेशनों पर लगे पुस्तक मेले

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भगवान बुद्ध की जयंती पर कानपुर मेट्रो ने विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से कानपुर सेंट्रल और मोतीझील स्टेशनों पर डेढ़ माह तक चलने वाले पुस्तक मेलों का आयोजन किया। देश-विदेश के प्रतिष्ठित लेखकों की रचनाएं उपलब्ध हैं। एनसीएमसी गो स्मार्ट कार्डधारकों को यहां 10 प्रतिशत अतिरिक्त छूट है।

उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार के मुताबिक पुस्तक मेले का मुख्य उद्देश्य लोगों में पुस्तक पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देना है। कानपुर मेट्रो के जनसंपर्क अधिकारी पंचानन मिश्रा के मुताबिक मेट्रो स्टेशनों पर आयोजित इन पुस्तक मेलों में साहित्य, कला, विज्ञान, वित्तीय प्रबंधन आदि विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकों का व्यापक संग्रह मौजूद है। सामान्य ज्ञान, प्रेरणादायक साहित्य और गौतम बुद्ध, स्वामी विवेकानंद व महात्मा गांधी जैसे महापुरुषों की जीवनियां भी प्रमुखता से उपलब्ध कराई गई हैं। पुस्तक प्रेमी देश-विदेश के प्रतिष्ठित साहित्यकारों और विचारकों की कृतियों को यहां पहुंचकर आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही युवाओं के लिए मोटिवेशनल पोस्टर्स, लैंडस्केप आर्ट और आकर्षक स्टेशनरी भी मेलों में उपलब्ध हैं। छोटे बच्चों के लिए प्रारंभिक शिक्षापरक पुस्तकें व किशोरों के लिए कॉमिक्स, मांगा सीरीज, हैरी पॉटर और सुपरहीरो आधारित पुस्तकें भी उपलब्ध हैं।

मेट्रो स्टेशन में लगा पुस्तक मेला।

पत्र वितरक को साइकिल दी गई। अमृत विचार

नौबस्ता में पत्र वितरक को साइकिल भेंट की

कानपुर। मजदूर दिवस के अवसर पर नौबस्ता सेंटर में समाचार पत्र वितरकों के सम्मान में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। नौबस्ता में आयोजित कार्यक्रम में समाचार पत्र वितरण सेवा समिति के अध्यक्ष सुभाष द्विवेदी ने पत्र वितरक रामचंद्र को नई साइकिल देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में समाचार पत्र वितरक सभा के अध्यक्ष संतोष तिवारी, समाचार पत्र वितरक समाज के संरक्षक मोनू पंडित, ज्ञान प्रकाश कुन्नी, समाचार पत्र वितरक डीलर संगठन के अध्यक्ष संजय मिश्रा, राजेश कुशवाहा, सनत कुमार मिश्रा, केशव दीक्षित, सुरेश मिश्रा, रामबाबू सैनी, सत्येंद्र कुमार मिश्रा, अनिल शुक्ला, राजकुमार बाजपेई, सुनील सैनी एवं ओम प्रकाश मिश्रा सहित बड़ी संख्या में वितरक उपस्थित रहे।

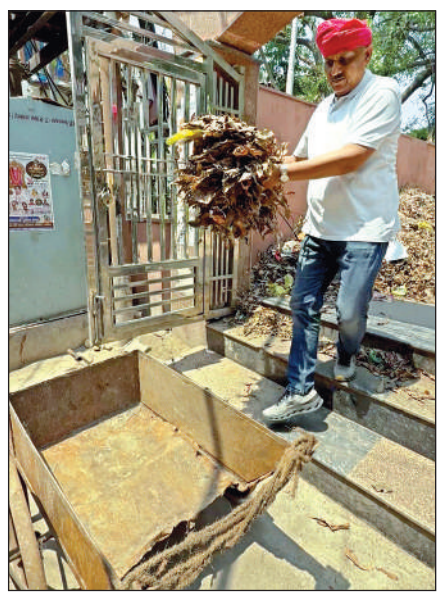

टूटी कूड़ा गाड़ी लेकर जाते विधायक अमिताभ वाजपेयी।

कूड़ा गाड़ी है या गाड़ी कूड़ा है, अधिकारी जी सो रहे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- आर्यनगर विधायक अमिताभ वाजपेयी गंदगी साफ करने निकले

अमृत विचार। विधानसभा क्षेत्र आर्यनगर के विधायक अमिताभ वाजपेयी क्षेत्र की सफाई करने के लिए कूड़ा गाड़ी लेकर खुद निकल पड़े। विधायक बोले नगर निगम की लापरवाही के कारण कूड़ा गाड़ियों की स्थिति बहुत दयनीय है, जर्जर हालत में इन गाड़ियों से कैसे कूड़ा उठेगा। ये सब भ्रष्ट अधिकारियों की घोर लापरवाही के कारण है। गहरी नींद में सो रहे अधिकारी इसके लिए पूरी तरह जिम्मेदार हैं।

शुक्रवार को विधायक अमिताभ वाजपेयी ने इस गंभीर समस्या को लेकर वार्ड पटकापुर, तलाक महल, दलेलपुरवा एवं हरबंस मोहाल का निरीक्षण किया। इस दौरान कूड़ा गाड़ियों की स्थिति बेहद जर्जर और दयनीय पाई गई। विधायक ने आरोप लगाया कि भ्रष्ट अधिकारियों की घोर लापरवाही के कारण सफाई व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। मांग की कि सफाई कर्मचारियों की तत्काल भर्ती की जाए। कर्मचारियों के अनुपात में पर्याप्त कूड़ा गाड़ियां हों। चंकी गुप्ता, विकास गुप्ता, मोहम्मद अली, पार्षद रजत बाजपेई, पार्षद मोहम्मद सारिया, दुर्गेश चक, शुभम जायसवाल, आकाश यादव आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस ने किया अरमापुर में श्रमिकों का सम्मान

कानपुर। वाल्मीकि मंदिर अरमापुर एस्टेट चौराहा पर कानपुर महानगर कांग्रेस के तत्वावधान में श्रमिक दिवस पर श्रमिकों का सम्मान समारोह आयोजित हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम संयोजक वरिष्ठ कांग्रेस नेता कृष्णमणि देव सिंह टिल्लू ठाकुर रहे। आलोक मिश्रा, डीएन मालवीय, अमरनाथ वाल्मीकि, फजल खान, धनंजय सिंह, मनोज यादव, रवि आनंद, मोहन लाल, अर्चना मिश्रा, शर्मीली मिश्रा आदि मौजूद थे।

आक्रोश श्रमिक दिवस पर उठाई गईं मजदूरों की समस्याएं

मजदूर तो आज भी 8 घंटे श्रम के लिए संघर्षरत

मजदूर सभा भवन ग्वालटोली में संगोष्ठी हुई। अमृत विचार

आयुध निर्माणी में आयोजन हुआ। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच से कहा गया कि मजदूर तो आज भी 8 घंटे श्रम के लिए संघर्ष कर रहा है। 12-12 घंटे काम लिया जा रहा है और 10-12 हजार भी वेतन नहीं मिल रहा। ज्यादा वेतन पर साइन करवाकर कम वेतन दिया जा रहा है। संविदा प्रक्रिया में शोषण चरम पर है।

शुक्रवार को केंद्रीय ट्रेड यूनियनों द्वारा नए श्रम कानून और असंगठित श्रमिक वर्ग विषय पर मजदूर सभा भवन ग्वालटोली में संगोष्ठी आयोजित की गई। शहीदों की वेदी पर पुष्प अर्पित करने के बाद मंच के संयोजक असित कुमार सिंह ने कहा कि मजदूर वर्ग 1886 से आज तक 8 घंटे के श्रम के लिए संघर्ष कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों में घोर गड़बड़ी है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कानपुर के पैरा लीगल वालंटियर डॉक्टर परवेज अख्तर एवं नित्या चावला कॉमरेड उमेश शुक्ला, मोहम्मद वसी, ओमप्रकाश आनंद, डॉक्टर राजेश सिंह, आरडी गौतम, नौशाद आलम मंसूरी, एसएएम जैदी, प्रताप साहनी, हीरावती, माया देवी, पुष्पा देवी, सुषमा कुशवाहा, लक्ष्मी लता, शारदा देवी, देवेंद्र नाथ, महबूब, आर पी श्रीवास्तव मौजूद रहे।

आयुध निर्माणी में वितरित किया गया मिष्ठान

- कानपुर। आयुध निर्माणी कानपुर में मजदूर यूनियन के कर्मचारी नेताओं ने एक मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया। वर्ष 1886 में हुए मजदूर आंदोलन को याद करते हुए उनके प्रतीक लाल झंडे को पुष्प व माला अर्पित करने के बाद सभी कर्मचारियों को मिष्ठान वितरण किया गया। जेसीएम 2 सदस्य रविंद्र यादव, कार्य समिति सचिव पंकज यादव, छुन्ना कश्यप, रामप्रताप कटियार, धर्मेंद्र सिंह, मनोज यादव, हैदर अली, रामनरेश, जयंत सविता, प्रेम कुमार आदि रहे।

सरकार की श्रमिक नीतियों को इंटक ने कोसा

कानपुर। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटक ने इंडियन नेशनल डिफेंस वर्कर्स फेडरेशन मुख्यालय कटहरी बाग कैंट में कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए वक्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार मजदूरों की हितैषी नहीं है। संचालन इंटक के नगर अध्यक्ष सिद्धनाथ तिवारी ने किया। इंटक के प्रदेश महामंत्री एचएन तिवारी और किला मजदूर यूनियन के संयुक्त मंत्री ब्रजेश तिवारी महामंत्री उमेश शुक्ला, आईएनडीडब्लूएफ के संयुक्त सचिव जीडी शर्मा, युवा इंटक के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष तिवारी, ओईएफ किला मजदूर यूनियन के महामंत्री समीर बाजपेई, अरविंद द्विवेदी, नितिन पाण्डेय, ओपीएफ मजदूर यूनियन के अध्यक्ष सर्वेश भदौरिया, महामंत्री देवेंद्र गौतम, ब्रजेश तिवारी, अनिल कुमार, नरेश तिवारी, मोहित कुमार आदि थे।

घंटाघर सेंटर पर स्थापना दिवस मनाया गया। अमृत विचार

समाचार पत्र विक्रेता संघ का स्थापना दिवस

कानपुर। घंटाघर सेंटर पर मजदूर दिवस के अवसर पर समाचार पत्र विक्रेता संघ का 44 वां स्थापना दिवस मनाया गया। संघ के संस्थापक स्व. दादा क्रांति कुमार तिवारी को श्रद्धांजलि दी। समाचार पत्र विक्रेता संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र यादव ने संघ के संस्थापक स्व. दादा क्रांति कुमार तिवारी के चित्र पर माल्यार्पण करके कार्यक्रम की शुरूआत की। संघ के महामंत्री पंडित हरिनारायण दीक्षित ने दादा को पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर पवन गुप्ता, विजय अवस्थी नवीन अग्रवाल, रमेश गुप्ता, अनिल कुमार तिवारी, विजय गुड्डू, अमृतलाल, विजय वर्मा चंद्रशेखर श्रीवास्तव, शैलेंद्र यादव, राजू भाटिया, विजय गुप्ता, रमेश चंद महरोत्रा, राकेश बाजपेई रवि सोनवानी, सचिन सैनी, शैलेंद्र कुमार, नईम खान, हरजीत अरोड़ा, सुशील सिंह, विनय साहू, विजय यादव, वैभव दिक्षित, विकास यादव, संजय सविता, विपिन अवस्थी विजय चश्मा, अजय संकटा, पप्पू लालकुर्ती, राजेश शुक्ला, मुन्ना भैया, राजेश वर्मा, मोईन भाई के अलावा पत्र वितरकों ने दादा को श्रद्धांजलि दी।

अमृत विचार

कानपुर, शनिवार, 2 मई 2026

स्कूलों का रिजल्ट शानदार, मेधावियों में खुशी

कानपुर। सीआईएससीई परीक्षा परिणाम में 10 वीं और 12 वीं में शहर के स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया। अधिकतर स्कूलों का रिजल्ट 100 फीसदी रहा। मेधावियों ने अपनी कड़ी मेहनत का मीठा फल पाया तो उल्लास उनके चेहरों पर चमक आया। सफलता से खुश मेधावियों ने हिप-हिप हुर्रे करके खुशी मनाई। स्कूलों में मिठाई बांटी गई और कई जगह ढोल की थाप पर छात्र-छात्राओं ने डांस किया। शिक्षकों ने मेधावियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

सौ फीसदी रहा रिजल्ट

- सीवी रमन इंटरनेशनल स्कूल शताब्दी नगर पनकी का परीक्षा परिणाम सौ फीसदी रहा। इनमें दसवीं में अर्पित सिंह के 89 .2 फीसदी, अनमोल दीक्षित ने 86 फीसदी व उत्कर्ष कुशवाहा ने 85 .8 फीसदी अंक हासिल किए है। इसी तरह बारहवी में सक्षम सिंह ने 96 .5 फीसदी, काजल पाल ने 94 फीसदी व कामाख्या पाल ने 93 .25 फीसदी अंक हासिल किए हैं। इस दौरान प्रधानाचार्य अनुराधा पाण्डेय व प्रबंधक शुभम सिंह ने सभी मेधावियों को पुरस्कृत किया।

मेधावी किए गए सम्मानित

- शनशाइन पब्लिक स्कूल के परीक्षार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इनमें दसवीं में सैय्यद मोहम्मद उजैर ने 98 फीसदी अंक हासिल किए। इसी तरह रुद्रांश त्रिपाठी ने 95 फीसदी, रेनुका सिंह ने 97 फीसदी अंक हासिल किए। उधर बारहवी में आद्या सेंगर ने 97 फीसदी, प्रियांशू गुप्ता ने 95 फीसदी अंक हासिल किए हैं। इस दौरान प्रबंधक निर्मल तिवारी व प्रधानाचार्य पूजा गुप्ता ने सभी मेधावियों को सम्मानित किया।

स्कूल का उत्कृष्ट प्रदर्शन

- यूपी किराना सेवा समिति किदवई नगर का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। स्कूल के दसवीं के छात्र अविरल यादव के 99 फीसदी, उत्कर्ष केसरवानी के 97 .6 फीसदी, कुशाग्र शुक्ला के 96 .4 व कौशतुभ द्विवेदी ने 96 फीसदी अंक हासिल किए हैं। इसी तरह बारहवीं के कृष्णा मिश्रा ने 96 .75 फीसदी, श्लोक चौखानी ने 96 .5 फीसदी, सौम्या गुप्ता ने 95 .75 फीसदी अंक हासिल किए हैं।

मेधावियों का हुआ सम्मान

कानपुर। ऑल ब्राइट ग्लोबल स्कूल जरौली के दसवीं के आराध्या द्विवेदी ने 96 फीसदी, नक्ष्य गुप्ता ने 95 फीसदी, कैश्तब बाजपेई ने 95 फीसदी अंक हासिल किए। स्कूल के प्रबंधक शिवराम सिंह, रवींद्र प्रताप सिंह व प्रधानाचार्य दिव्या मिश्रा ने मेधावियों को सम्मानित किया।

आराध्या द्विवेदी

कौस्तुभ बाजपेई

नक्ष गुप्ता

राज यादव

सुभाष स्मारक पब्लिक स्कूल का उत्कृष्ट प्रदर्शन

- सुभाष स्मारक पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने इस वर्ष बोर्ड परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त किया है। 12वीं के छात्र शिवांग शर्मा ने 90 .75 फीसदी अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया, वहीं कक्षा 10वीं की छात्रा रिचा सिंह ने 91 .4 फीसदी अंक प्राप्त कर अपने वर्ग में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। इस दौरान विद्यालय के प्रबंधक डॉ. सौरभ भट्ट ने छात्रों को सम्मानित किया।

प्रियांश, केशव ने मारी बाजी

- सेंट एलॉयाशियस स्कूल के दसवीं के छात्र पुष्कर गुप्ता 98 .20 फीसदी, आयुष्मान सिंह ने 96 .80 फीसदी, अभय पाल ने 96 .60 फीसदी, अनिरुद्ध चौधरी ने 96 .40 फीसदी अंक हासिल किए हैं। इसी तरह बारहवी में प्रियांश कुमार 97 .75 फीसदी अंक हासिल किए हैं। उधर इसी कक्षा के छात्र केशव शर्मा ने 97 .25 फीसदी अंक हासिल किए हैं। इस दौरान प्रधानाचार्य फादर आर्चीबाल्ट डिसिल्वा ने सभी मेधावियों को सम्मानित किया।

सौ फीसदी परीक्षा परिणाम

- मदर टेरेसा मिशन हायर सेकेंड्री स्कूल कोयला नगर का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। स्कूल का परीक्षा परिणाम सौ फीसदी रहा। दसवीं में अंशिका रानी ने 97 .2 फीसदी, पुलकित पाण्डेय ने 94 .2 फीसदी अंक व अतिक्ष कुमार ने 93 .8 फीसदी अंक हासिल किए। इस वर्ष स्कूल के सभी विद्यार्थियों का परिणाम 90 फीसदी से अधिक रहा। प्रधानाचार्य जस्सी जॉन, प्रबंधिका डॉ. वीना साइलस, अध्यक्ष यशराज साइलस ने सभी मेधावियों को सम्मानित किया।

सभी परीक्षार्थी सफल हुए

- हडर्ड हाई स्कूल सिविल लाइंस का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। बारहवी में 180 विद्यार्थियों व कक्षा दस में 152 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल रहे। सभी परीक्षार्थी पास हुए। कक्षा बारहवीं में आशी वर्मा ने 97 .5 फीसदी अंक हासिल किए। रहिमा फैसल ने 96 .5 फीसदी अंक हासिल किए। इसी तरह दसवीं में श्रेया सचदेवा ने 97 .2 फीसदी अंक हासिल किए। विद्यालय के प्रधानाचार्य जी लुईसा जोसफ ने सभी मेधावियों को सम्मानित किया

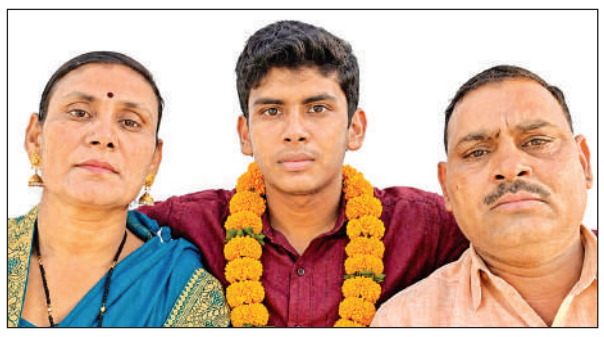

अनुराग करना चाहते हैं बीटेक

- रूरा स्थित इन्फैंट पब्लिक स्कूल के आईसीएसई के छात्र अनुराग सिंह ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हैं। अनुराग के पिता आटो रिक्शा चालक हैं। अनुराग ने बताया कि उनका सपना आईआईटी से बीटेक करना है। अनुराग ने बताया कि सफलता में माता-पिता, परिजनों और शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान है। विद्यालय प्रबंधन ने उन्हें बधाई दी है।

आधार मिश्रा के 97.2 फीसदी अंक

- कैंब्रिज हाई स्कूल सिविल लाइंस का परीक्षा परिणाम सौ फीसदी रहा। जिसमें दसवीं के छात्र आधार मिश्रा के 97 .2 फीसदी, स्पर्श श्रीवास्तव 95 .6 फीसदी, मोहम्मद शरजिल के 93 फीसदी अंक हासिल हुए। उधर बारहवी में वैष्णवी कंगना के 95 फीसदी, सालिक सिद्दीकी 92 .3 फीसदी अंक हासिल हुए। प्रधानाचार्य रुचि कोहली व निदेशिका नीलम मल्होत्रा ने सभी मेधावियों को सम्मानित किया।

मेधावी हुए सम्मानित

- कानपुर। शिवाजी ग्लोबल एकेडमी नौरंगा घाटमपुर के परीक्षा परिणामों में भी मेधावियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। दसवीं में आर्यन साहू के 98 .8 फीसदी, आयुष शाहू के 98 .6 फीसदी, दिव्या यादव के 92 .2 फीसदी,आर्षी पटेल ने 90 .6 फीसदी अंक पाकर नाम रोशन किया है। इसी तरह बारहवीं की परीक्षा में छात्र आगमन गुप्ता के 91 .75 फीसदी, समीक्षा कटियार के 97 .75 फीसदी व अकुश त्रिपाठी के 91 .5 फीसदी अंक हासिल किए हैं। प्रधानाचार्य काजल शुक्ला ने सभी को सम्मानित किया।

मेधावियों का किया गया सम्मान

- मैरी जीजस एजुकेशन सेंटर बर्रा 8 के जारी परीक्षा परिणाम में दसवीं में अभिनव प्रजापति ने 93 फीसदी, रविकुल 90 फीसदी अंक हासिल किए। इसी तरह बारहवी में आर्यन सिंह ने 96 फीसदी व सूर्या अग्निहोत्री ने 95 फीसदी अंक हासिल किए। प्रधानाचार्य ओल्गा प्रसाद ने मेधावियों को सम्मानित किया।

10वीं के होनहार छात्र-छात्राएं

स्वास्तिक भारद्वाज
98.8 %
डॉ. वीरेन्द्र स्वरुप एजुकेशन सेंटर

आराध्य शुक्ला
93 %
डॉ. वीरेन्द्र स्वरुप एजुकेशन सेंटर

प्रज्ञा त्रिवेदी
80 %
इन्फैंट पब्लिक स्कूल, रुरा

अंतरा यादव
93%
भगवनती एजुकेशन सेंटर, शारदा नगर

प्रशांत कुमार राना
90%
भगवनती एजुकेशन सेंटर, शारदा नगर

स्नेहा भरतिया
95 %
भगवनती एजुकेशन सेंटर, शारदा नगर

रिधम
96.4%
मर्सी मेमोरियल स्कूल, किदवई नगर

अराध्या तिवारी
96.4%
मर्सी मेमोरियल स्कूल, किदवई नगर

अर्पित सिंह
89 %
सीवी रमन इंटरनेशनल स्कूल,पनकी

आधार मिश्रा
97.2 %
कैम्ब्रिज हाईस्कूल सिविल लाइंस

वंशिका शर्मा
97.6 %
मदर टेरेसा हायर सेकेण्ड्री स्कूल

समीर सेंगर
95 %
कामद शाइनिंग स्टार्स एकेडमी

अलंकरण समारोह में गीत गाते बच्चे। अमृत विचार

डीपीएस में अलंकरण समारोह हुआ

कानपुर। दिल्ली पब्लिक स्कूल, सर्वोदय नगर में अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि 'डॉ. वीएन त्रिपाठी ने किया। इस दौरान हेड मिस्ट्रेस मंजू पसान भी मौजूद रहीं। समारोह में कक्षा 1 से 5 के बच्चों ने समूह गान प्रस्तुत किया। इसी तरह कक्षा 1 व 2 के विद्यार्थियों ने अनुशासन एवं नेतृत्व के महत्व पर बहुत ही आत्मविश्वास के साथ सुंदर ढंग से पंक्तियों प्रस्तुत करके जिम्मेदारी और टीमवर्क की मजबूत भावना को दर्शाया। मुख्य अतिथि डॉ. वीएन त्रिपाठी ने चयनित छात्र-छात्राओं जैसे हेड व्याय ''युगान अग्रवाल'' एवं हेड गर्ल ''आरना गुप्ता'' को बैज लगाकर सम्मानित किया।

सीएसजेएमयू परिसर में आज से सम सेमेस्टर परीक्षाएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय परिसर की सम सेमेस्टर की परीक्षाएं शनिवार 2 मई से शुरू हो रही हैं। परिसर की परीक्षाएं 20 मई तक चलेंगी। इस परीक्षा में विश्वविद्यालय परिसर में संचालित 140 प्रोग्राम के 1276 पेपर में लगभग 14 हजार से ज्यादा छात्र शामिल होंगे । यह परीक्षा दो पाली में कराई जाएगी । पहली पाली की परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगी । वही दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक होगी । इस परीक्षा के लिए परिसर के 19 विभागों को परीक्षा केंद्र भी बनाया गया ।

विश्वविद्यालय परिसर के परीक्षा प्रभारी डॉ. बीपी सिंह ने बताया कि परीक्षा में द्वितीय सेमेस्टर के 6057, चौथे सेमेस्टर के 4510, छटे सेमेस्टर के 2709, आठवें सेमेस्टर के 659, और दसवें सेमेस्टर के 58 छात्र -छात्राएं शामिल होगें । विवि परिसर की परीक्षा को संचालित करने के लिए दूसरे विभाग के शिक्षकों को कक्ष निरीक्षक बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस परीक्षा से छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि परीक्षा में किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक साम्रगी न ले कर आएं। पकड़े जाने पर विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस बार परीक्षाएं छात्रों के स्वविभाग में कराई जा रही है। परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्रों के सभी कक्षाओं में सीसीटीवी कैमरों से सख्त निगरानी भी की जाएगी।

औचक निरीक्षण के लिये टीम परिसर में संचालित होने वाली परीक्षा के दौरान दोनों शिफ्टों में डीन एकेडमिक्स, परीक्षा प्रभारी और वरिष्ठ प्रोफेसरों की टीम बनायी गयी है जो समय-समय पर परीक्षा केंद्रों पर औचक निरीक्षण करेगी।

- 14 हजार से अधिक छात्र-छात्राएं कैंपस की परीक्षाओं में करेंगे प्रतिभाग

75 फीसदी उपस्थिति पूरे करने वाले ही छात्र दे सकेंगे परीक्षा

- कैंपस के परीक्षा प्रभारी डॉ. बीपी सिंह ने बताया कि सम सेमेस्टर की परीक्षा में वही छात्र शामिल हो पाएंगे जिनकी कक्षा में 75 फीसदी उपस्थिति पूरी होगी। उन्होंने बताया कि जिन छात्रों की 75 फीसदी उपस्थिति नहीं पूरी थी। उनकी रेमेडियल क्लास करवा कर उपस्थिति पूरी करवाई गई है। इसके बाद भी अगर किसी छात्र की 75 फीसदी उपस्थिति पूरी नहीं हुई तो उसे परीक्षा में बैठने नहीं दिया जाएगा ।

उद्घाटन करते कोपेस्टेट के चेयरमैन विजय कपूर। अमृत विचार

नई काइनेटिक ईवी डीलरशिप के साथ रिटेल नेटवर्क का विस्तार हुआ

कानपुर। काइनेटिक इंडिया की इलेक्ट्रिक वाहन इकाई, काइनेटिक वॉट्स एंड वोल्ट्स लिमिटेड ने नए डीलरशिप की शुरुआत की। नई डीलरशिप, काइनेटिक ईवी रेनू ऑटो एजेंसिज एच ब्लॉक, गोविंद नगर में स्थित है। इस लॉन्च के साथ शहर के बाजार ईवी अपनाने के लिए एक बड़ा अवसर प्रस्तुत करते हैं। रेनू ऑटो एजेंसिज के डीलर प्रिंसिपल नरेंद्र खुराना ने कहा कि हम काइनेटिक वॉट्स एंड वोल्ट्स के साथ साझेदारी कर गर्व महसूस कर रहे हैं। शहर में काइनेटिक की विरासत लेकर आ रहे हैं। इस क्षेत्र में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के प्रति रुचि तेजी से बढ़ रही है और ग्राहक ऐसे उत्पाद चाहते हैं जो व्यावहारिक, भरोसेमंद और एक विश्वसनीय ब्रांड से जुड़े हों।

रिजल्ट | नंबर गेम सब कुछ नहीं, नंबर रेस में न पड़कर बच्चे सिर्फ अपना सर्वश्रेष्ठ देने का करें प्रयास

अस्सी-नब्बे नहीं, अब सौ में पूरे सौ, कहां जा रहे बच्चे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सीबीएसई के परीक्षा परिणाम में कई छात्र-छात्राएं सिर्फ एक या दो नंबर से 100 फीसदी अंक हासिल करने से चूक गए थे, लेकिन काउंसिल फार द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) के आईएससी (12वीं) के परिणाम में शहर के शीलिंग हाउस स्कूल के ओजस्वित पासरीचा ने यह एक नंबर भी नहीं छोड़ा। उन्होंने 100 फीसदी अंक लाकर इतिहास रचने के साथ कुछ सवाल और संदेश जरूर छोड़ दिए। हालांकि पहले भी आईएससी की परीक्षा में छात्र-छात्राएं 100 फीसदी अंक लाकर सबका ध्यान इस बात की तरफ खींच चुके हैं कि अब इससे आगे क्या? सौ में सौ नंबर हासिल करने वाले बच्चों की गिनती बढ़ने पर क्या होगा। रैंकिंग या टॉपर तय करने के लिए क्या अच्छे व्यवहार-आचरण या 100 फीसदी उपस्थिति जैसे बिंदुओं को देखा जाएगा। इन चीजों के लिए 10 या 20 नंबर अलग से दिए जाएंगे। फिर इसका मतलब क्या 100 फीसदी से ज्यादा नंबर होगा।

आईएससी (12वीं) परीक्षा में शीलिंग हाउस के छात्र ओजस्वित पासरीचा ने 100 फीसदी अंकों के साथ राष्ट्रीय टॉपर होने का गौरव हासिल किया है। बीते साल आईसीएसई (10वीं) में जमशेदपुर की संभवी जायसवाल, कोलकाता की देबोत्री मजूमदार तो आईएससी (12वीं) में मुंबई की इश्मित कौर और आरव बर्धन ने भी ऐसा ही कारनामा कर दिखाया था। शिक्षकों के एक वर्ग का कहना है कि 100 फीसदी अंक लाना कठिन है, पर असंभव नहीं, बच्चों ने यह कर दिखाया है। पढ़ाई और सिलेबस पर पूरे फोकस से मेधावी बच्चे ऐसा कर सकते हैं। लेकिन यह संदेश जाना कि नंबर गेम ही सब कुछ है, और बच्चों के बीच नंबर रेस का पनपना ठीक नहीं है। ऐसी प्रतियोगिता किसी भी बोर्ड, समाज या शिक्षा व्यवस्था के लिए बहुत उचित नहीं है।

इस तरह अधिकतम अंक ला सकते बच्चे

- आईएससी की तुलना अक्सर सीबीएसई या राज्यों के बोर्ड से की जाती थी। इसमें पाठ्यक्रम का मूल स्वरूप काफी कुछ समान हो सकता है, लेकिन आईएससी अपनी उन्नत अंग्रेजी शिक्षा और रचनात्मक विषयों के विकल्प के लिए जाना जाता है। मूल्यांकन प्रणाली सुव्यवस्थित और संतुलित है। स्पष्ट पाठ्यक्रम और भार निर्धारित है। ऐसे में अधिकतम नंबर लाने के लिए बच्चों को समझ बढ़ाने, रटने की क्षमता को अवधारणात्मक निपुणता में बदलने तथा अपनी कमियां पहचान कर दूर करने की जरूरत होती है। समयबद्धता के साथ नमूना प्रश्नपत्र और पिछले 8-10 वर्षों के प्रश्नपत्रों का अभ्यास मदद करता है। संरचित उत्तर, सटीक परिचय, उचित चिह्नित आरेख, महत्वपूर्ण बिंदु आधारित उत्तर लिखने का अभ्यास और विशिष्ट वाक्यांशों का प्रयोग बढ़ाना चाहिए।

> 100 फीसदी अंक से नंबर रेस को बढ़ावा मिलने जैसा नहीं है। ऐसे बच्चों का आईक्यू लेवल बेहतरीन होता है। मैं सभी बच्चों से कहती हूं कि 'डू योर बेस्ट, लीव द रेस्ट' यानी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करो। आईएससी बोर्ड के मानक के अनुसार अंग्रेजी समेत चार विषयों में ओजस्वित ने पूरे नंबर पाए हैं। उसने 10वीं में भी 99 .40 फीसदी अंकों के साथ टॉप किया था। जेईई में उसकी 99 .8 पर्सेंटाइल है।
>
> – वनिता मेहरोत्रा, प्रिंसिपल, शीलिंग हाउस स्कूल।

नगर सीमा से बाहर फिर चलने लगीं इलेक्ट्रिक बसें

कानपुर। इलेक्ट्रिक बसों को शहर के बाहर चलाने पर रोक लगा दी गई थी लेकिन नेता जी दबाव में ये ई बसें एक बार फिर दूर दराज तक दौड़ने लगी हैं।

कानपुर नगर में 90 एसी ई बसें हैं। पहले इन बसों को कानपुर देहात, फतेहपुर एवं उन्नाव के कुछ क्षेत्रों तक चलाया जा रहा था। पिछले माह इनके नगर सीमा के बाहर चलने पर रोक लगा दी गई थी। अब ये बसें पहले की तरह रामादेवी, नौबस्ता से बिंदकी, जहानाबाद, घाटमपुर, चौडगरा तक दौड़ रही हैं। नौगवां तक जाने वाली ई बसो को भैंसोली तक बढ़ा दिया गया है, अब ये रामादेवी से सुबह 6 बजे से सायं 5.30 बजे तक जनता के लिए उपलब्ध है।

पूर्व राज्यसभा सांसद सुखराम, अन्नू अवस्थी व अन्य। अमृत विचार

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों का हुआ सम्मान

कानपुर। गया कुमारी यादव कन्या इंटर कॉलेज में वार्षिकोत्सव संस्कृति समारोह मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के संरक्षक सुखराम सिंह यादव (पूर्व सभापति विधानपरिषद), नीता सिंह एवं जिला विद्यालय निरीक्षक प्रशांत कुमार द्विवेदी, अन्नू अवस्थी, पूजा दुबे (प्रदेश अध्यक्ष ब्राह्मण महासभा उत्तरप्रदेश) की ओर से किया गया। इस दौरान विद्यालय के मेधावी एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को शैक्षणिक उत्कृष्टता, खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त कर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से दिल से खिल उठे एवं अभिभावकों में भी विशेष उत्साह देखने को मिला। इस अवसर विश्राम सिंह यादव, सुभाष साहू, हसन मोहम्मद, विद्यालय की प्रधानाचार्य कंचन शर्मा, कीर्ति कटियार, पुष्पेंद्र सिंह, राज सचान, वैभव मिश्रा, सुरेंद्र सिंह, सौरभ दुबे, यादवेंद्र सिंह, ज्योति विज, प्रियंका राठौर, प्रियंका त्रिवेदी उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

मेगा ब्लॉक में डाले गए 40 एचबीम स्लीपर

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : रेलवे पुल की डाउन लाइन पर मरम्मत कार्य तेजी से जारी है। शुक्रवार को सुबह से शाम तक आठ घंटे का मेगा ब्लॉक लेकर 40 एचबीम स्लीपर सफलतापूर्वक डाले गए। इससे पुल की मजबूती बढ़ाने के कार्य को गति मिली है। जानकारी के अनुसार सुबह 9 :45 बजे से शाम 5 :45 बजे तक मेगा ब्लॉक लिया गया। इस दौरान रेलकर्मियों ने पहले जर्जर ट्रफ की लोहे की चादरों को गैस कटर से काटकर हटाया और उनकी जगह नई प्लेटें लगाईं। इसके बाद एचबीम स्लीपर बिछाने का कार्य शुरू किया गया, जिसे निर्धारित समय के भीतर पूरा कर लिया गया। कार्य के दौरान डाउन लाइन पर ही मरम्मत का काम चलता रहा, जबकि अप लाइन से ट्रेनों का संचालन सामान्य रूप से जारी रहा।

सीएम से की कब्जा करने व धमकी देने की शिकायत

गंजमुरादाबाद उन्नाव, अमृत विचार : एक किसान ने गांव के दबंगों के विरुद्ध पुस्तैनी भूमि पर जबरन कब्जा करने व जानमाल की धमकी देने का आरोप लगाया है। उसने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर कार्यवाही की मांग की है। बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र के गांव रसूलपुर रूरी निवासी उमाकांत पुत्र भिखारी लाल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री को प्रेषित शिकायती पत्र में कहा कि उसके हिस्से की पुस्तैनी जमीन पर गांव के दबंग लोग जबरन कब्जा कर रहे हैं। विरोध करने पर वे जानमाल की धमकी दे रहे हैं। उसका आरोप है कि अवैध कब्जेदारों द्वारा उस पर लाइसेंसी असलहा भी तान दिया गया। शिकायती पत्र देने पर पुलिस ने उसके विरुद्ध ही शांतिभंग की कार्यवाही कर दी।

सड़क हादसे में घायल शिक्षक ने तोड़ा दम

उन्नाव, अमृत विचार : सदर कोतवाली क्षेत्र में सड़क हादसे में घायल हुए प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक की मौत हो गई। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। बता दें कि शहर के पीडी नगर मोहल्ला निवासी सर्वेश (58) पुत्र स्व. सयनदास वर्मा शहर के एक प्राथमिक विद्यालय में अध्यापक थे। 3 दिन पूर्व अज्ञात वाहन की टक्कर से वह गंभीर घायल हुए थे। सिर में आई चोट के कारण उन्हें जिला अस्पताल से कानपुर रेफर किया गया था। लेकिन परिजनों ने उन्हें कानपुर के एक न्यूरो सर्जन की देखरेख में निजी अस्पताल ने भर्ती कराया था। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। परिजनों ने सदर कोतवाली पुलिस को इसकी सूचना दी। इस पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों सौंपा है।

प्रज्ञा बुद्ध विहार में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया बुद्ध पूर्णिमा का पर्व

- जिले भर में जगह-जगह आयोजित किए गए कार्यक्रम

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: आवास विकास कालोनी के वाजिदपुर उर्फ राजेपुर स्थित प्रज्ञा बुद्ध विहार एवं शिक्षण संस्थान में शुक्रवार को बुद्ध पूर्णिमा पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें सैकड़ों बौद्ध अनुयायियों ने तथागत बुद्ध के शांति व करुणा के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

शुभारंभ मुख्य आयोजक व संस्थान संस्थापक भन्ते शान्तिरक्षित ने किया। उन्होंने तथागत बुद्ध एवं आधुनिक भारत के निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया। इसके बाद जनसमूह को त्रिशरण व पंचशील ग्रहण कराया। अध्यक्षता भन्ते बोधिरत्न ने की। मुख्य अतिथि पूर्व आईपीएस डॉ. बीपी अशोक ने कहा कि प्राचीन काल में बौद्ध धर्म पूरे एशिया में वैभवशाली था। जिस प्रकार सम्राट अशोक ने बुद्ध के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाया आज हमें भी उसी समर्पण के साथ उनकी शिक्षाओं को प्रचारित करने की जरूरत है। इसमें हरीश कुमार, आरएन रावत, डॉ. एसके वर्मा, पूर्व विधायक सुंदर लाल कुरील, सदर विधायक पंकज गुप्ता व चेयरमैन पति भानू मिश्रा ने भी विचार रखे। संचालन विमल आजाद भारतीय ने किया। इस दौरान अमर बहादुर, शिवबालक, राम सरोज, संतोष गौतम, सौरभ राज भारती, शिवपाल गौतम, रामखिलावन, शिवाकांत, उमेश रावत, रामेश्वर भारती आदि मौजूद रहे।

भगवान बुद्ध को नमन करते लोग।

पूजन करते सदर विधायक, धर्माचार्य एएल बौद्ध।

भगवान बुद्ध की वंदना करते पदाधिकारी।

भगवान बुद्ध की जयंती मनाते लोग।

बुद्ध की विचारधारा पर चलने वाले सभी देश विकसित व पल्लवित हैं: एएल बौद्ध

उन्नाव : बुद्ध पूर्णिमा पर समारोह सम्राट अशोक शांति उपवन बुद्ध विहार गौतम बुद्ध नगर गदन खेड़ा में हर्ष उल्लास के वातावरण में मना। सर्वप्रथम बौद्ध भिक्षु सम्यक बोद्धि एवं भंते देवानंद द्वारा बुद्धम शरणम् गच्छामि धम्म शरणम् गच्छामि संघ शरणम् गच्छामि, बुद्ध वंदना कर दीप प्रज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि बुद्ध धर्म के पवित्र चिन्ह को भारत राष्ट्र ने अपनाया। भारत के राष्ट्रीय ध्वज में भगवान बुद्ध का पवित्र का धर्म चक्र है। उन्होंने बुद्ध विहार के विकास के लिए पूरा सहयोग देने की घोषणा की। बौद्ध धर्माचार्य एएल बौद्ध ने कहा कि भगवान बुद्ध का जन्म, ज्ञान प्राप्ति व महापरिनिर्वाण का यही दिन है। समिति अध्यक्ष जगन्नाथ बौद्ध ने सदर विधायक को भगवान बुद्ध की प्रतिमा भेंट की। समारोह में प्रमुख रूप से भिक्षु सम्यक बोधी, भंते देवानंद, हरिशंकर भाई पटेल, प्रियंका कुशवाहा, स्वीटी कुशवाहा, बिंदा प्रसाद, सुधीर कुशवाहा, अनिल कुशवाहा, श्रीपाल यादव, उमाशंकर मिश्रा, रामलाल प्रजापति, ब्रजकिशोर, रविंद्र कुमार, रामशंकर आदि मौजूद रहे।

बुद्ध विहार में हर्षोल्लास से मनी बुद्ध पूर्णिमा, हुए सांस्कृतिक आयोजन

शुक्लागंज, उन्नाव : शुक्रवार को बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर सीताराम कॉलोनी स्थित पंचशील बौद्ध विहार में 20वां बौद्ध धम्म देशना, पारिवारिक मिलन एवं सहभोज कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और भगवान बुद्ध की वंदना की। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान बुद्ध के चित्र पर पुष्प अर्पण और प्रार्थना से हुई। जहां उद्घाटन भन्ते शांतिरक्षित, मुख्य अतिथि धीरेन्द्र सिंह सचान, आर आर जैसवार, पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे पहुंचे। इसके बाद पंचशील बुद्ध विहार संस्थान के अध्यक्ष राजेन्द्र गौतम ने बुद्ध के अष्टांगिक मार्ग पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध का अष्टांगिक मार्ग ज्ञान, संकल्प, वचन, कर्म, आजीव, व्यायाम, स्मृति और समाधि मनुष्य को दुखों से मुक्ति का सम्यक मार्ग दिखाता है। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। अंत में खीर का प्रसाद वितरित किया गया, जिसे श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक ग्रहण किया। कार्यक्रम देर रात तक चला और बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। जहां सांस्कृतिक कार्यक्रम राकेश बौद्ध, राजकिशोर भारती एवं टीम ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रतिनिधि संदीप पांडे, पूरन दादा, जगजीवन नेता, डीसी गौतम, मुकेश गौतम, सतीश गौतम, आलोक कुमार, राजेन्द्र गौतम, अमन गौतम, पुत्तनलाल, जेजे लाल मौजूद रहे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुद्ध पूर्णिमा पर किया माल्यार्पण, लिया संकल्प

नगर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में इंदिरा नगर में शुक्रवार को बुद्ध पूर्णिमा हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने गौतम बुद्ध की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मिष्ठान वितरण भी किया गया। कांग्रेस के मयंक बाजपेयी ने कहा कि बुद्ध पूर्णिमा के दिन ही गौतम बुद्ध का जन्म, ज्ञान प्राप्ति और महापरिनिर्वाण हुआ था। उन्होंने बताया कि बुद्ध का जन्म लुंबिनी (नेपाल) में हुआ और उन्होंने गया में पीपल वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त किया। बुद्ध ने चार आर्य सत्य और अष्टांगिक मार्ग के जरिए अहिंसा और करुणा का संदेश दिया। कार्यक्रम में बाबूलाल गुप्ता, महेश मिश्रा, संजय सिंह, विश्वनाथ दास, ऋषभ गुप्ता, मनोज गुप्ता, पिंटू तिवारी, रज्जन गौतम, ठाकुर प्रसाद, राम प्रकाश गौड़, राम आसरे गौतम, रमेश चंद्र गुप्ता और धनीराम सहित कई लोग मौजूद रहे।

श्रद्धा व उत्साह से मनाई गई बुद्ध जयंती

बांगरमऊ, उन्नाव : नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में भगवान गौतम बुद्ध की जयंती श्रद्धा व हर्षोल्लास के साथ मनी। विभिन्न सामाजिक व राजनीतिक संगठनों ने कार्यक्रम आयोजित कर बुद्ध के शांति व अहिंसा के संदेश को याद किया। मोहल्ला कस्बा टोला स्थित मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा आयोजित समारोह में पदाधिकारियों ने बुद्ध की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। समिति अध्यक्ष अनीता कुशवाहा ने कहा कि बुद्ध के करुणा व सत्य के विचार आज भी समाज के लिए प्रासंगिक हैं। इसमें उपाध्यक्ष धर्मराज कुशवाहा व अनिल कुशवाहा आदि भी रहे। वहीं, समाजवादी पार्टी के जिला सचिव सलीमुर्रहमान ने बुद्ध को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि सिद्धार्थ से बुद्ध बनने का उनका सफर त्याग व मानव कल्याण का प्रतीक है। उन्होंने बुद्ध के मध्यम मार्ग व समानता के सिद्धांतों पर चलने का आह्वान किया। समापन शांति व सद्भाव बनाए रखने के संकल्प के साथ हुआ। नगर के प्रेमगंज, गढ़ी, पन्नी टोला और सिद्धार्थ नगर के अलावा हयात नगर, भौरा जामड, कल्लू खेड़ा और नेवल जैसे गांवों में भी बुद्ध जयंती मनाई गई।

मारपीट कर युवक पर चाकू से हमला, पति-पत्नी पर रिपोर्ट

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के मनोहर नगर में पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक पर हमला कर उसे गंभीर घायल कर दिया गया। आरोप है कि दबंगों ने पहले गालीगलौज की और विरोध करने पर मारपीट कर धारदार हथियार से वार कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है। मनोहर नगर निवासी आवेश ने बताया कि गुरुवार की रात करीब साढ़े दस बजे वह अपने घर पर मौजूद था। तभी मोहल्ले के इकबाल और उसकी पत्नी वहां पहुंचे और अभद्र भाषा का प्रयोग करने लगे। शोर-शराबा सुनकर घर के अन्य सदस्य भी बाहर आ गए, जिसके बाद दोनों पक्षों में कहासुनी बढ़ गई और मामला मारपीट में बदल गया। आरोप है कि इसी दौरान इकबाल और उसकी पत्नी ने धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे अवेश के सिर में गंभीर चोट आई। घटना के दौरान चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर किसी तरह मामला शांत कराया। आरोपित जाते समय जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घायलावस्था में वह गंगाघाट कोतवाली पहुंचा। जहां पुलिस ने घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा। जिस पर पुलिस ने इकबाल और उसकी पत्नी सुहाना के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा

हसनगंज उन्नाव, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के कांशीराम खेड़ा गांव में संदिग्ध परिस्थिति में महिला की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शुक्रवार दोपहर कांशीराम खेड़ा निवासी अंजनी (25) पत्नी बृजेश गौतम की हालत अचानक गंभीर हो गई। आनन-फानन परिजन उसे एक निजी अस्पताल ले गए। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका के दो बेटे सौरव (8), कन्हैया (3) व सृष्टि (5) है। पति बृजेश शादी में बैंड बजाने का काम करता है। अंजनी की मौत पर परिजन रो-रोकर बेहाल हैं। कोतवाली प्रभारी शरद कुमार ने बताया कि महिला की मौत संदिग्ध परिस्थिति में हुई है। मायके पक्ष से कोई तहरीर नहीं आई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत का सही कारण स्पष्ट होगा।

भूमि विवाद में पिता को बांका से काट डाला

रिश्तों का कत्ल: छोटे बेटे की तहरीर पर पुलिस ने हत्यारोपी बेटे को पकड़ कर जेल भेजा

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: सोहरामऊ थानाक्षेत्र के बगहा मुस्तफाबाद गांव में जमीन बेचने से नाराज बड़े बेटे ने बांका से ताबड़तोड़ हमला कर पिता को मौत के घाट उतार दिया। सनसनी खेज वारदात से लोगों में सनसनी फैल गई। पुलिस ने छोटे बेटे की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर हत्या आरोपी को पकड़ के जेल भेजा है।

सोहरामऊ थानाक्षेत्र के गांव बगहा मुस्तफाबाद में गंगाप्रसाद (53) पुत्र छत्रपाल ने करीब 1 साल पहले अपनी एक बीघा 6 बिसुआ जमीन बेची थी। उसके 4 बेटों में धर्मेंद्र, महेंद्र, जितेंद्र व नरेंद्र हैं। बड़ा बेटा धर्मेंद्र ससुराल में रहता है। अन्य तीनों बेटे पिता के साथ रहते है। उस समय जमीन बिकने की जानकारी धर्मेंद्र को नहीं लगी थी। पिता ने 3 बेटों को ही उनके हिस्से का रुपया दिया था। इससे वह नाराज था। इधर गंगाप्रसाद ने 1 बिसुआ जमीन फिर बेचने का गांव के एक व्यक्ति से सौदा किया। इसकी जानकारी पर धर्मेंद्र 1 सप्ताह पूर्व ससुराल से गांव आ गया। गुरुवार को बैनामा होने की जानकारी पर वह छोटे भाई महेंद्र के साथ तहसील पहुंचा और स्टांप फाड़ दिए। रात को जब सभी भाई एकत्र हुये तो घर में इसे लेकर विवाद हुआ। देररात तक शराब पीने के बाद पिता से भी काफी कहासुनी हुई। जब सभी सोने चले गये तो देररात धर्मेंद्र ने सोते समय बांका से पिता की गर्दन, सिर व चेहरे में ताबड़तोड़ 4-5 वार कर उसे लहूलुहान कर दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पिता की हत्या की सूचना अपने भाइयों को देकर वह वहां से भाग निकला। बताते हैं कि अन्य भाइयों के शोर मचाने पर ग्रामीणों को इसकी जानकारी हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच कर शव मोर्चरी भेजा। छोटे बेटे जितेंद्र ने बड़े भाई पर पिता की हत्या करने की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के सुपुर्द किया। सीओ तेज बहादुर सिंह ने बताया कि जमीनी विवाद में बेटे ने पिता की हत्या की थी। एसओ अरविंद पांडेय ने फोर्स के साथ दबिश देकर उसे गिरफ्तार किया है।

गंगाप्रसाद का फाइल फोटो

पुलिस गिरफ्त में पिता का हत्यारा बेटा।

रेडक्रॉस सोसायटी के सभापति बने अमित मिश्रा और मनीष सेंगर सचिव

उन्नाव, अमृत विचार : इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी की जिला शाखा में 10 सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए थे। इन निर्वाचित सदस्यों के बीच 4 पदों के लिए चुनाव प्रक्रिया जिला चिकित्सालय के सभागार में हुई। इसमें आपसी सहमति के आधार व्यापारी नेता अमित मिश्रा सभापति, संजय सिंह चौहान फौजी उपसभापति, मनीष सिंह सेंगर सचिव व दूसरी बार हर्ष तिवारी कोषाध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुने गए। प्रदेश कमेटी के उप सभापति व पर्यवेक्षक अमरनाथ मिश्रा ने निर्विवाद चुनाव सम्पन्न कराते हुए सभी के दायित्वों से परिचय कराया। पदेन अध्यक्ष जिलाधिकारी घनश्याम मीना के प्रतिनिधि के रूप में सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज, अवैतनिक सचिव डॉ. विवेक गुप्ता व एओ सर्वेश कुमार, सौरभ पोरवाल व राजन ने चुनाव कराने में अहम भूमिका अदा की। इसमें निर्विरोध निर्वाचित सदस्यों में अशादीन तिवारी, हरिहर प्रसाद दीक्षित, संदीप पांडेय, मो. सलीम, जटा शंकर तिवारी, शिव चंद्र ने चारों पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। जिला अस्पताल परिसर से निकलने पर चारों पदाधिकारियों को सुरेंद्र वर्मा, अंबुज त्रिपाठी, अधिवक्ता आशुतोष अवस्थी, डॉ. प्रभात सिन्हा, आशुतोष बाजपेई, चेतन मिश्रा, लक्ष्य निगम, सुधीर सिंह चौहान, आशुतोष मिश्रा, प्रांजुल गुप्ता, उत्कर्ष शुक्ला, आदित्य तिवारी, उमैर अशरफ़ नज़मी, निर्मेश पटेल आदि ने बधाइयां दीं।

रेड क्रॉस सोसाइटी के नवनिर्वाचित पदाधिकारी।

आठ घंटे काम के लिए देने पड़ी बड़ी कुर्बानी

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर जिला सर्वोदय मंडल द्वारा एक विचार गोष्ठी "वर्तमान समय में मेहनतकश समाज के समक्ष चुनौतियां और उसका समाधान" विषय पर महात्मा गांधी पुस्तकालय कमला भवन में आयोजित हुई।

मंडल अध्यक्ष संजीव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हुई गोष्ठी में बछरावां डिग्री कॉलेज रायबरेली के पूर्व प्राचार्य डॉ. रामनरेश ने कहा कि औद्योगिक क्रांति के बाद दुनिया में एक तरफ तो पूंजी के सरपरस्त प्राकृतिक संसाधनों का भरपूर दोहन कर अपने लिए अंधाधुंध लाभ के रास्ते खोज रहे थे। वहीं दूसरी तरफ मजदूर वर्ग भी अपने आप को संगठित कर अपने ऊपर हो रहे शोषण के मुक्ति के रास्ते खोज रहा था। यही कारण था कि उसके अंदर 8 घंटे काम के तथा शेष समय उसने समाज के चिंतन और परिवार के लिए अधिकार पाने के लिए सोच बनती चली गई। हालांकि, उन्हें यह अधिकार पानी को लाखों साथियों की कुर्बानी देनी पड़ी। समाजसेवी अरविंद कमल ने कहा कि जब श्रमिक व उद्योग वर्ग आपसी समझौते के आधार पर उद्योग को विकसित करने का काम करते हैं तो दोनों ही लाभान्वित होते हैं। संचालन मंत्री अखिलेश तिवारी ने किया।

गोष्ठी को संबोधित करते मुख्य अतिथि डॉ. रामनरेश। ● अमृत विचार

- महात्मा गांधी पुस्तकालय कमला भवन में हुई विचार गोष्ठी

सड़क पार करते मासूम पर पलटा ई-रिक्शा, मौत

उन्नाव, अमृत विचार : औरास-संडीला मार्ग पर सीमऊ गांव के सामने सड़क पार कर रहे 7 वर्षीय मासूम पर ई-रिक्शा पलट गया। एसओ ने उसे अपने वाहन से सीएचसी पहुंचाया। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सीमऊ गांव निवासी श्रीपाल का 7 वर्षीय बेटा अभिषेक शुक्रवार दोपहर 3 बजे घर के सामने रोड किनारे दुकान से नमकीन लेकर लौट रहा था। तभी औरास-संडीला मार्ग पार करते समय तेज रफ्तार ई-रिक्शा चालक ने बच्चे को देखकर ब्रेक लगाया। इससे ई-रिक्शा अभिषेक पर पलट गया। इसमें वह गंभीर घायल हो गया। उधर से निकल रहे एसओ संजीव कुशवाहा ने अभिषेक को सीएचसी औरास पहुंचाया। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसकी खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। एसओ के मुताबिक ई-रिक्शा व चालक को पकड़ा गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

श्रमिक सम्मान समारोह में उठी ईएसआई अस्पताल की मांग

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

- अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर विचार गोष्ठी का आयोजन

अमृत विचार: अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर आईआईए सभागार में श्रमिक सम्मान, हितलाभ वितरण व विचार गोष्ठी आयोजित हुई। इसमें सदर विधायक पंकज गुप्ता ने पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत चेक व अन्य हितलाभ बांटे। इस दौरान सदर विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के अंतिम पायदान पर खड़े श्रमिक के उत्थान के लिए संकल्पित है। उन्होंने श्रमिकों के अधिकारों के संरक्षण पर कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक तभी पहुंचेगा जब इसमें जनसहभागिता बढ़ेगी।

गोष्ठी में आईआईए के पूर्व अध्यक्ष जीएन मिश्रा ने श्रमिकों के स्वास्थ्य की दिशा में मांग की कि जिले में स्थानीय स्तर पर ईएसआई के अंतर्गत एक समर्पित अस्पताल के निर्माण की जरूरत है। ताकि औद्योगिक श्रमिकों को त्वरित चिकित्सा सुविधा मिल सके। संचालन करते हुए श्रम प्रवर्तन अधिकारी राधेश्याम सिंह ने श्रमिकों को नवीन श्रम संहिताओं की विस्तृत जानकारी दी।

कांशीराम कालोनी के पास 1.16 हेक्टेयर में बनेगा नवीन जिला पंचायत कार्यालय

उन्नाव, अमृत विचार : कांशीराम कॉलोनी के सामने प्रस्तावित 1.16 हेक्टेयर भूमि पर नए जिला पंचायत कार्यालय के निर्माण हेतु बुद्ध पूर्णिमा पर भूमिपूजन कार्यक्रम हुआ। जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह ने पूजा-अर्चना व शिलान्यास के साथ निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान कार्यालय में स्थान व संसाधनों की कमी से आ रही समस्याओं को यह भवन समाप्त कर देगा। कहा कि नए कार्यालय से न केवल प्रशासनिक कार्यों में गति आएगी। बल्कि आमजन को एक ही परिसर में बेहतर व आधुनिक सुविधाएं मिल सकेंगी। यह भवन भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए कार्यस्थल के पास आवास की सुविधा होगी। अपर मुख्य अधिकारी ओम प्रकाश ने बताया कि भवन की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट आधुनिक वास्तुकला के अनुरूप तैयार कर शासन को भेजी जा रही है। परिसर में डिजिटल सुविधाएं, पर्याप्त पार्किंग व चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था होगी। समापन पर भाजपा नेता शशांक शेखर सिंह 'सनी' ने कहा कि यह परियोजना उन्नाव की कार्यप्रणाली में बड़ा सुधार लाएगी। अध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण की गुणवत्ता से कोई समझौता न हो और कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा हो। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य लक्ष्मी पटेल, अभीत सिंह, वृजपाल, मनमोहन, अशोक सिंह चंदेल, गोविन्द यादव, कुश सिंह आदि मौजूद रहे।

नवीन भवन के लिये होता शिलान्यास व पूजन।

खुलासा

शरीर पर मिलीं आठ अंदरूनी चोटें, हत्या में शामिल युवती भाई व पिता के साथ भेजी गई जेल

पेड़ पर सिर लड़ाकर मारा गया था प्रतापगढ़ का युवक

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। ब्लैकमेलिंग से अजीज होकर युवती ने पिता व भाई के साथ प्रतापगढ़ के युवक को पहले कोल्डड्रिंक में मिलाकर नशीला पदार्थ पिलाया। इसके बाद उसका सिर पेड़ में लड़ा-लड़ाकर उसकी हत्या कर दी। पोस्टमार्टम में युवक के सिर में 8 अंदरूनी चोटें मिली हैं। पुलिस ने आरोपी युवती, उसके भाई व पिता को पकड़कर जेल भेजा है।

बता दें कि प्रतापगढ़ जिला के फतनपुर थानाक्षेत्र के बीरारपुर गांव निवासी अखिलेश गौतम (20) पुत्र सुरेश कुमार की अजगैन कोतवाली क्षेत्र के मीतखेड़ा गांव निवासी हीरालाल की 18 वर्षीय बेटी मुस्कान से दोस्ती थी। जो प्रेमप्रसंग में तब्दील हो गई। इस दौरान अखिलेश के पास मुस्कान की कुछ तस्वीरें व चैट थे। जिसे लेकर अखिलेश मुस्कान को ब्लैकमेल कर रुपए मांग रहा था। अजगैन पुलिस ने मामले में आईटी एक्ट के तहत 19 मार्च को रिपोर्ट दर्ज की थी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की। इससे युवक फिर युवती को परेशान करने लगा। इससे अजीज आकर उसने अखिलेश को उन्नाव बुलाया। इस पर वह 29 अप्रैल को देरशाम सोनिक पहुंचा। जहां रेलवे क्रासिंग के पास पिता, भाई अमन व एक रिश्तेदार के साथ पहुंची मुस्कान ने क्रॉसिंग के पास कोल्डड्रिंक की बोतल खरीदी और उसमें धीरे से नशीला पदार्थ मिलाकर सभी दही थाना के बंदरहा गांव पहुंचे। जहां सोनिक निवासी हरिप्रसाद के खेत में लगे नीम के पेड़ के नीचे अखिलेश कोल्डड्रिंक पीकर निढाल हो गया। इसके बाद मुस्कान, उसके पिता हीरालाल व भाई ने उसका सिर पेड़ में भिड़ा-भिड़ाकर उसे मार डाला। पुलिस ने गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम कराया जिसमें 8 अंदरूनी चोटों से उसकी मौत होने की पुष्टि हुई। एसओ ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि मां रेखा की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर मुस्कान, अमन व हीरालाल को गंगा एक्सप्रेस-वे पास बसीरतगंज से गिरफ्तार किया गया है। जिन्हें कोर्ट में पेश किया गया। जहां से सभी जेल भेजे गए।

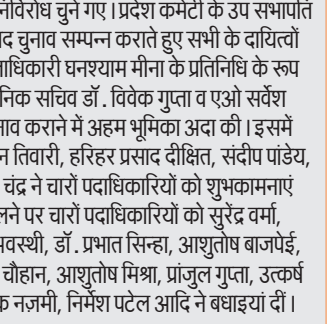

पुलिस गिरफ्त में युवती, उसका भाई व पिता। ● अमृत विचार

रोटरी क्लब और मेदांता का स्वास्थ्य शिविर कल

उन्नाव, अमृत विचार : रोटरी क्लब ऑफ उन्नाव द्वारा मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ के सहयोग से रविवार को नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित होना है। शिविर अलहुदा इंटर कालेज मोहल्ला शेखवाड़ा में होगा। प्रेसवार्ता में क्लब सचिव सौरभ श्रीवास्तव ने बताया कि शिविर में मेदांता हॉस्पिटल के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ मौजूद रहेंगे। इसमें मरीजों को सिर्फ परामर्श नहीं बल्कि जरूरी जांचें भी नि:शुल्क कराई जाएंगी। इनमें ईसीजी, बीएमडी, पीएफटी, बीपी व शुगर की जांच भी होगी। प्रेसवार्ता में रोटरी क्लब अध्यक्ष अशोक गुप्ता व पीडीजी अरविंद कुमार 'कमल' ने कहा कि शिविर का मुख्य उद्देश्य लोगों तक उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा पहुंचाना है। इस दौरान कोषाध्यक्ष प्रशांत निगम, कार्यक्रम संयोजक एआर खान, नीरज निगम, हरिमोहन निगम, अलहुदा इंटर कालेज के प्रबंधक डॉ. दाउद उपस्थित रहे।

स्विमिंग टूर्नामेंट में सर सैय्यद के अब्दुल आहद ने जीते पदक

उन्नाव, अमृत विचार : सीआईएससीई जोनल स्विमिंग टूर्नामेंट का आयोजन 29 व 30 अप्रैल को केडीएमए वर्ल्ड स्कूल कानपुर में हुआ। इसमें मेथोडिस्ट, शीलिंग हाउस, सेंट मैरी स्कूल कानपुर, सर सैय्यद पब्लिक स्कूल उन्नाव आदि विद्यालयों के बच्चों ने प्रतिभाग किया। इसमें सर सैय्यद के अब्दुल आहद ने 1 रजत व 2 कांस्य पदक प्राप्त किए। उन्होंने 50 मीटर व 100 मीटर फ्रीस्टाइल में रजत व कांस्य पदक और 50 मीटर बैंक स्ट्रोक में कांस्य पदक प्राप्त कर विद्यालय व प्रशिक्षक का गौरव बढ़ाया। विद्यालय की प्रधानाचार्या सादिया कमाल व प्रशिक्षक शेखर ने बताया कि अब्दुल आहद का चयन प्रादेशिक स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता के लिए हुआ है। जो आगामी 7 से 9 जुलाई को सेंट जोसेफ स्कूल प्रयागराज में होगी।

अब्दुल आहद को मेडल पहना कर हाथ मिलाती प्रधानाचार्या। ● अमृत विचार

अमृत विचार

शनिवार, 2 मई 2026

मुश्किल में महाबली

महाबली मुश्किल में हैं। ट्रंप की कठिनाइयां बढ़ती जा रही हैं। पुतिन द्वारा ट्रंप को ईरान पर दोबारा हमला न करने की चेतावनी और ईरान का परमाणु कार्यक्रम पर समझौता न करने के एलान तथा अमेरिका मुक्त भविष्य के आह्वान ने ट्रंप तथा अमेरिकी नीति-निर्माताओं के लिए दुविधा की स्थिति पैदा कर दी है। ट्रंप को एक ओर घरेलू राजनीति में कठोर नेता की छवि बनाए रखनी है, वहीं दूसरी ओर खाड़ी क्षेत्र में फैले अमेरिकी सैन्य ठिकानों और सहयोगी देशों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। यदि अमेरिका आक्रामक कार्रवाई करता है, तो क्षेत्रीय युद्ध का खतरा बढ़ेगा और यदि संयम दिखाता है, तो उसकी वैश्विक साख पर प्रश्न उठेंगे।

पश्चिम एशिया में अमेरिका, रूस और ईरान के बीच उभरता त्रिकोणीय तनाव केवल क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन का प्रश्न नहीं, बल्कि वैश्विक रणनीतिक समीकरणों की नई जटिलता का संकेत है। अमेरिका के खाड़ी देशों में कतर, बहरीन और यूएई में सैन्य अड्डे उसकी शक्ति-प्रदर्शन की रीढ़ हैं। इनकी सुरक्षा पर संदेह का मतलब उसके लिए केवल सैन्य चुनौती नहीं, बल्कि कूटनीतिक प्रतिष्ठा का भी प्रश्न बन जाता है। हालिया घटनाक्रमों ने यह संकेत दिया कि अमेरिका उन्हें पूर्ण सुरक्षा की गारंटी देने की स्थिति में नहीं है, जिससे ट्रंप की छवि पर बुरा असर पड़ा है। ट्रंप के लिए बड़ी चुनौती अमेरिकी कांग्रेस की स्वीकृति के बिना युद्ध जैसी कार्रवाई जारी रखना है। यह संवैधानिक बाध्यता है, जिसे दरकिनार करना आसान नहीं, इसलिए वे सीमित सैन्य कदमों या कार्यकारी अधिकारों का सहारा लेकर संतुलन बनाने की कोशिश कर सकते हैं। ट्रंप खाड़ी से तो नहीं निकलेंगे, क्योंकि इस वापसी से चीन और रूस के लिए प्रभाव बढ़ाने का अवसर खुल जाएगा, पर इस दुविधा से बाहर निकलने के लिए ट्रंप के पास तीन विकल्प हैं— पहला, सीमित सैन्य कार्रवाई कर दबाव बनाना; दूसरा, कूटनीतिक वार्ता के जरिए तनाव कम करना; और तीसरा, रणनीतिक 'डि-एस्केलेशन' यानी धीरे-धीरे क्षेत्रीय संलिप्तता कम करना। फिलहाल यदि रूस ईरान के संवर्धित यूरेनियम भंडार को सुरक्षित रखने का 'तीसरा पक्ष' बनता है, तो यह एक नई कूटनीतिक व्यवस्था की शुरुआत हो सकती है, लेकिन इसके बदले यूक्रेन युद्ध समाप्त करने जैसी अमेरिकी शर्तें यथार्थवादी नहीं हैं। पुतिन अमेरिकी दबाव में अपनी रणनीतिक स्वायत्तता नहीं खोएंगे।

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ती 'जुबानी जंग' दरअसल मनोवैज्ञानिक दबाव की रणनीति है। ईरान 'अमेरिका-मुक्त भविष्य' की बात कर अपनी जनता और क्षेत्रीय सहयोगियों को संदेश दे रहा है, जबकि अमेरिका आक्रामक बयान देकर अपने सहयोगियों को आश्वस्त करना चाहता है। जहां तक आशंकित युद्ध या स्थाई युद्धविराम का प्रश्न है, वर्तमान संकेत 'नियंत्रित तनाव' की ओर इशारा करते हैं। गंभीर आर्थिक और राजनीतिक परिणाम देखते हुए अमेरिका और इजराइल दोनों व्यापक युद्ध के हामी नहीं हैं। बयानबाजी के बावजूद अस्थायी युद्धविराम जारी रहने की संभावना अधिक है। पश्चिम एशिया में वर्तमान स्थिति 'न तो युद्ध, न पूर्ण शांति' की है। ट्रंप की रणनीति अब केवल शक्ति-प्रदर्शन नहीं, बल्कि संतुलन साधने की कला पर निर्भर करेगी।

प्रसंगवश

दुनिया में सैन्य खर्च बढ़ा भारत पांचवें स्थान पर

दुनिया के देश अपने रक्षा बजट या यूं कहें कि सैन्य खर्च में अभूतपूर्व बढ़ोतरी कर रहे हैं। वास्तव में, आज के समय में दुनिया भर में सैन्य खर्च कई कारणों से तेजी से बढ़ रहा है। प्रमुख कारणों की यदि हम यहां पर बात करें, तो भू-राजनीतिक तनाव और युद्ध (रूस-यूक्रेन युद्ध), इजरायल-हमास युद्ध, दक्षिण चीन सागर जैसे संघर्षों ने देशों को सुरक्षा पर अधिक खर्च करने के लिए प्रेरित किया है। पड़ोसी देशों की प्रतिस्पर्धा (जैसे कि भारत, चीन और पाकिस्तान जैसे देशों की आपसी प्रतिस्पर्धा) भी इसके लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार है। ये देश अपने सामरिक संतुलन बनाए रखने के क्रम में सैन्य खर्च में बढ़ोतरी कर रहे हैं। सरल शब्दों में कहें, तो जब एक देश हथियार खरीदता है, तो पड़ोसी देश भी अपनी सेना मजबूत करने लगते हैं। इसे हथियारों की दौड़ कहा जाता है।

नई तकनीक और आधुनिक हथियार भी एक प्रमुख कारण बनकर

सुनील कुमार महला
लेखक

उभरा है। पिछले कुछ समय से ड्रोन, साइबर सुरक्षा, मिसाइल रक्षा प्रणाली, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित हथियार, अंतरिक्ष रक्षा आदि पर भारी निवेश हो रहा है, जैसा कि आधुनिक युद्ध अब केवल सैनिकों से नहीं, तकनीक से भी लड़ा जाता है। आज आतंकवाद और आंतरिक सुरक्षा खतरों जैसे घुसपैठ, नशीले पदार्थों की तस्करी आदि के कारण भी दुनिया के विभिन्न देशों ने अपने सैन्य खर्च में बढ़ोतरी की है। वैश्विक शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा ने भी सैन्य खर्च में बढ़ोतरी को जन्म दिया है।

सच तो यह है कि आज के समय में चीन, अमेरिका और रूस जैसे शक्तिशाली देश अपनी सैन्य शक्ति दिखाकर विश्व राजनीति में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहते हैं। इतना ही नहीं, आज हथियार उद्योग कई देशों की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा है। रक्षा सौदों से रोजगार, निर्यात और तकनीकी विकास भी जुड़ा होता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि वर्तमान समय में सैन्य खर्च बढ़ना केवल युद्ध की तैयारी नहीं, बल्कि सुरक्षा, शक्ति संतुलन, तकनीकी बढ़त और राजनीतिक प्रभाव का भी संकेत है, लेकिन अत्यधिक सैन्य खर्च से शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास क्षेत्रों पर दबाव भी बढ़ सकता है।

इस क्रम में हाल ही में एक प्रतिष्ठित न्यूज एजेंसी के हवाले से यह खबरें आईं हैं कि भारत का रक्षा खर्च 8.9% बढ़ा और भारत 5वां सबसे अधिक सैन्य खर्च वाला देश बन गया है। हाल ही में आई सिपरी की रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है कि वैश्विक सैन्य खर्च 2,887 अरब डॉलर पार कर चुका है और भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश बन गया है। रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2025 में भारत का सैन्य खर्च 8.9 प्रतिशत बढ़कर 92.1 अरब डॉलर हो गया।

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में वैश्विक सैन्य खर्च 2,887 अरब डॉलर तक पहुंच गया। बड़ी बात यह है कि यह लगातार 11वां साल है, जब वैश्विक सैन्य खर्च में वृद्धि दर्ज की गई है। सबसे ज्यादा खर्च करने वाले पांच देशों में अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत शामिल हैं, जिनका वैश्विक खर्च में कुल योगदान 58 प्रतिशत है। अमेरिका, यूरोप, चीन, रूस और जर्मनी का सैन्य खर्च क्रमशः 954, 864, 336, 190 तथा 114 अरब डॉलर हो गया है। इससे वैश्विक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) पर भार में बढ़ोतरी हुई है। दुनियाभर में सैन्य खर्च के चलते वैश्विक जीडीपी पर भार 2024 में 2.4% था, जो 2025 में बढ़कर 2.5% हो गया है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

> जहाज अपने बंदरगाह में सबसे सुरक्षित रहता है, लेकिन जहाजों का निर्माण बंदरगाह के लिए नहीं किया गया है।
> **-पाउलो कोएल्हो**, ब्राजीलियन लेखक

स्वास्थ्य सेवाओं पर दावे व हाईकोर्ट की नाराजगी

विवेक सक्सेना
अयोध्या

हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने अस्पतालों में वेंटिलेटर की उपलब्धता और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर हाल ही में तल्ख टिप्पणी की है। वह सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच के अंतर को स्पष्ट रूप से उजागर करती है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को 'राम भरोसे' बताया जाना महज एक टिप्पणी नहीं, बल्कि राज्य के स्वास्थ्य ढांचे की जर्जर स्थिति का एक आईना है। मेरठ मेडिकल कॉलेज में एक मरीज के शव के साथ लापरवाही के मामले में न्यायालय की यह तल्ख टिप्पणी (2021) और हाल ही में वेंटिलेटर की उपलब्धता पर सवाल (2026) उठाती है। यह दर्शाते हैं कि समय बदलने के बावजूद जमीनी हकीकत में खास सुधार नहीं हुआ है। यह टिप्पणी राज्य सरकार के लिए एक गंभीर चेतावनी है कि स्वास्थ्य सेवा, जो नागरिकों का मौलिक अधिकार है, वह नौकरशाही की ढिलाई और संसाधनों के अभाव में दम तोड़ रही है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ ने अस्पतालों में वेंटिलेटर की उपलब्धता और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर हाल ही में जो तल्ख टिप्पणी की है, वह न केवल समयोचित है, बल्कि सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच के अंतर को स्पष्ट रूप से उजागर करती है। अस्पतालों में वेंटिलेटर की कमी पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि मरीजों को समय पर महत्वपूर्ण देखभाल उपकरण उपलब्ध नहीं कराए जाते हैं, तो सांख्यिकीय दावों का कोई महत्व नहीं रह जाता है।

एक जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए, न्यायमूर्ति राजन रॉय और मनजीव शुक्ला की खंडपीठ ने सवाल उठाया कि क्या कोई अस्पताल हलफनामे में यह कह सकता है कि आवश्यकता पड़ने पर वेंटिलेटर तुरंत उपलब्ध कराया जाएगा। अदालत ने टिप्पणी की कि यदि ऐसा आश्वासन नहीं दिया जा सकता है, तो वेंटिलेटर की उपलब्धता पर प्रस्तुत आंकड़े अर्थहीन हो जाते हैं। खंडपीठ का यह सवाल कि 'अगर जरूरत पड़ने पर मरीजों को वेंटिलेटर नहीं मिल सकता, तो आंकड़ों का क्या फायदा?' सीधे तौर पर स्वास्थ्य प्रशासन की जवाबदेही पर सवाल उठाता है।

अदालत ने साफ किया है कि वेंटिलेटर की संख्या के कागज पर मौजूद आंकड़े तब तक अर्थहीन हैं, जब तक कि वे जीवन के नाजुक क्षण में मरीज तक तुरंत न पहुंच सकें। जब वेंटिलेटर की कमी के कारण मौतें होती हैं, तो प्रशासनिक हलफनामे केवल खानापूरी बनकर रह जाते हैं। न्यायालय का यह कहना कि 'वास्तविक मांग का आकलन करने और जीवन रक्षक उपचार के लिए आवश्यक वेंटिलेटरों की संख्या निर्धारित करने के लिए एक तंत्र का स्पष्ट अभाव है', भी स्वास्थ्य प्रणाली की अक्षमता को दर्शाता है।

अदालत ने राज्य सरकार से स्वास्थ्य के लिए आवंटित बजट और चिकित्सा बुनियादी ढांचे पर सवाल उठाकर एक बड़ा मुद्दा उठाया है। यह केवल वेंटिलेटर खरीदने भर का मामला नहीं है, बल्कि उन्हें संचालित करने के लिए आवश्यक जनशक्ति (डॉक्टर, तकनीशियन) और बुनियादी ढांचा (ऑक्सीजन, बिजली) सुनिश्चित करने का भी है। अक्सर देखा जाता है कि वेंटिलेटर तो उपलब्ध होते हैं, लेकिन या तो वे खराब होते हैं या उन्हें चलाने के लिए विशेषज्ञ नहीं होते। पीठ का इस बात पर जोर देना कि वेंटिलेटर की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए, ताकि उनकी कमी के कारण किसी की जान न जाए, यह दर्शाता कि देश-प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं में व्यापक सुधार की आवश्यकता है।

कोर्ट ने अपने समक्ष रखे गए आंकड़ों पर भी असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि वास्तविक मांग का आकलन करने और जीवन रक्षक उपचार के लिए आवश्यक वेंटिलेटरों की संख्या निर्धारित करने के लिए एक तंत्र का स्पष्ट अभाव है। अदालत ने राज्य सरकार से स्वास्थ्य सेवा के लिए आवंटित राज्य बजट के अनुपात को स्पष्ट करने और चिकित्सा अवसंरचना की स्थिति के संबंध में विवरण तो मांगा ही है। साथ ही राज्य को अपने दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करने और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) द्वारा निर्धारित न्यूनतम मानदंडों को पूरा करने से संतुष्ट न रहने का निर्देश भी दिया है, जैसे कि अस्पताल के बिस्तरों के 10-15 प्रतिशत के बराबर वेंटिलेटर बनाए रखना।

यही नहीं न्यायालय ने निजी अस्पतालों की फीस और उनकी सेवाओं की निगरानी के लिए विनियामक ढांचे के अभाव पर भी चिंता जताई है। स्पष्ट कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कोई भी अस्पताल मरीजों के जीवन को दांव पर न लगाए। पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि वेंटिलेटर की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने पर पूरा ध्यान दिया जाना चाहिए, ताकि इनकी कमी के कारण किसी की जान न जाए। अदालत ने अपने सामने पेश किए गए आंकड़ों पर असंतोष व्यक्त किया। राज्य सरकार से पूछा कि स्वास्थ्य सेवा के लिए राज्य के बजट का कितना हिस्सा आवंटित किया गया है और चिकित्सा ढांचे की मौजूदा स्थिति के बारे में पूरी जानकारी देने को कहा।

अदालत ने राज्य सरकार को अपने नजरिए पर फिर से विचार करने की नसीहत देते हुए यह भी कहा कि सरकार को सिर्फ राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम मानकों को पूरा करके ही संतुष्ट नहीं हो जाना चाहिए। सुनवाई के दौरान, पीठ ने राज्य सरकार से यह भी जानकारी मांगी कि क्या निजी अस्पतालों और क्लिनिकों को नियंत्रित करने के लिए कोई नियामक ढांचा मौजूद है? विशेष रूप से उपचार और सेवाओं की निगरानी के लिए ली जाने वाली फीस के संबंध में। सरकारी डॉक्टरों के कम वेतन पर भी चिंता जताई गई, कहा कि इससे डॉक्टर निजी अस्पतालों की ओर पलायन करते हैं, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ता है।

कोर्ट ने राष्ट्रीय नगर निगम (एनएमसी) और केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर मामले में पक्षकार बनाया है। मामले की अगली सुनवाई 25 मई को होगी, लेकिन इलाहाबाद हाईकोर्ट की यह टिप्पणी एक चेतावनी है कि स्वास्थ्य सेवा एक संवैधानिक अधिकार है।

आमने

बोरे बासी छत्तीसगढ़ के किसान-मजदूर वर्ग का मुख्य भोजन है, जिसे उनकी सरकार ने बोरे बासी दिवस के रूप में पहचान दिलाई। सुशासन के नाम पर छत्तीसगढ़ सरकार क्या कर रही है? शराब भट्टी खोल रही है। बिजली नहीं मिली रही है। सभी सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार हो रहा है।

-भूपेश बघेल
पूर्व मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

सामने

कांग्रेस सरकार ने बोरे बासी के नाम पर दिखावा करते हुए करोड़ों रुपये का घोटाला किया। पहले संसाधनों की कमी के कारण लोग मजबूरी में रात का बचा चावल खाते थे, इसे जबरन परंपरा के रूप में पेश किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्रों की राशि पांच साल तक रोकी गई।

-गजेंद्र यादव
कैबिनेट मंत्री, छत्तीसगढ़

नेपालः बालेन सरकार और जनता के सरोकार

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

नेपाल में जनता से जुड़े मुद्दों के समाधान में तेजी तो आई है, लेकिन जनता से ही जुड़े कई अहम सरोकारों में बाधा भी आई है। इससे लोग परेशान हैं।

इसमें दो राय नहीं कि बालेन सरकार नेपाल को नया बनाने की दिशा में बहुत कुछ नया करना चाह रही है, लेकिन इसमें दुश्वारियां ढेर सारी है। बेशक उनके इस प्रयास की सराहना तो हो रही है, लेकिन एक बड़ा वर्ग नाराज भी हो रहा है। प्रतिनिधि सभा के चुनाव में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को एक तरफ़ जीत मिली है, जिसमें पहाड़ से लेकर मैदानी इलाकों तक का भरपूर जनसमर्थन रहा है। बालेन सरकार इसी पार्टी से प्रधानमंत्री का चेहरा थे। निश्चित रूप से राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को मिले भारी जनादेश के पीछे बालेन शाह का चेहरा ही था।

उनके नेतृत्व में सरकार गठन के अभी महीना भर ही हुए हैं, इस बीच जनता से जुड़े मुद्दों के समाधान में तेजी तो आई है, लेकिन जनता से ही जुड़े दिनचर्या में बाधा भी आई है। इसमें एक तो भारत नेपाल सीमा के नेपाली नागरिकों के सीमावर्ती भारतीय बाजारों से रोजमर्रा के सामानों की खरीदारी को नितांत सीमित कर देना है। इससे भारत सीमा से सटे नेपाली नागरिकों के समक्ष संकट खड़ा हो गया है। नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्रों के गरीब और मध्यम वर्गीय लोगों का जनजीवन प्रभावित हुआ है, हालांकि नेपाल उच्च न्यायालय ने दायर एक याचिका का संज्ञान लेते हुए इस पर सरकार से जवाब मांगा है।

जनता से ही जुड़ा इससे भी बड़ा मामला अतिक्रमण के नाम पर मकानों के ध्वस्तीकरण का है। काठमांडू सहित नेपाल के विभिन्न हिस्सों में चौड़ीकरण के नाम पर अवैध मकानों और बस्तियों को बुलडोजर से ढहाया जा रहा है। नेपाली कांग्रेस ने कहा है कि जेन जी के हिंसक और उग्र आंदोलन के समय राजधानी में कई सारी सरकारी इमारतें, होटल और व्यवसायिक प्रतिष्ठान आग के हवाले हुए थे, बालेन सरकार जरा भी संवेदनशील होती, तो पहले छतिग्रस्त इमारतों के निर्माण पर ध्यान देती, लेकिन यहां तो अजीब हाल है, निर्माण को दरकिनार कर विध्वंस को प्राथमिकता दी जा रही है।

काठमांडू के मनोहरा क्षेत्र में भारी पुलिस बल और सेना की घेरेबंदी में सुकुंबासी बस्ती पर सरकारी बुलडोज़र चलाया गया। इस घटना से पूरे इलाके में तनाव का माहौल है, वहीं स्थानीय लोगों के विरोध और प्रशासन की सख्ती के बीच हालात बेहद संवेदनशील बने रहे। राजधानी और इसके पहले वीरगंज और कुछ अन्य इलाकों में तोड़फोड़ की घटना को बेहद तकलीफदेह बताते हुए नेपाली कांग्रेस के सांसद अभिषेक प्रताप शाह ने बालेन सरकार पर निशाना साधा है।

नेपाल में अतिक्रमणकारियों को सुकंबासी कहा जाता है। इसका अर्थ भू स्वामित्व के बिना संपत्ति पर कब्जा करना होता है। नेपाल में ऐसे लोगों की संख्या करीब तीस लाख से अधिक है, लेकिन हैरान करने वाली बात यह है कि जो लोग पीढ़ियों से वैध कागजात के साथ अपने मकान में रह रहे हैं, उनके मकानों को भी 12 घंटे की मोहलत देकर ध्वस्त कर दिया जा रहा है। बालेन सरकार का शहर के बीचोबीच 50 मीटर चौड़ा राजमार्ग निकालने का निर्णय समझ से परे है। अमूमन ऐसे राजमार्ग शहर के बाहरी हिस्से से निकाले जाते हैं। बालेन सरकार के इस फैसले से काठमांडू ही नहीं, नेपाल के लगभग सभी प्रमुख शहरों के प्रभावित होने का खतरा है।

प्रधानमंत्री शाह, जो पहले काठमांडू महानगर के मेयर रह चुके हैं, लंबे समय से शहर के भीतर फैली अवैध बस्तियों को हटाने के पक्ष में रहे हैं। मेयर रहते हुए उन्होंने काठमांडू क्षेत्र के थापाथली क्षेत्र में कई बार अवैध बस्ती हटाने की कोशिश की थी, लेकिन स्थानीय लोगों के कड़े विरोध के कारण उन्हें सफलता नहीं मिल सकी थी। अब प्रधानमंत्री बनने के बाद बालेन शाह ने वही अभियान और अधिक सख्ती के साथ आगे बढ़ाया है। अब चूंकि गृह मंत्रालय भी उनके हाथ में है, इसलिए प्रशासनिक निर्णयों में तेजी आई है।

गृह मंत्रालय की कमान संभालते ही प्रधानमंत्री ने काठमांडू के सुकुंबासी बस्तियों पर बुलडोज़र चलाने का बड़ा फैसला लिया। यह अभियान थापाथली और गैरीधारा में बिना किसी बड़े अवरोध के आगे बढ़ा, लेकिन मनोहरा में लोगों का तीखा विरोध देखने को मिला। यह अभियान अब देशभर में फैल सकता है। नुवाकोट में भी इसी तरह की कार्रवाई शुरू हो चुकी है, जबकि पोखरा में भी बुलडोज़र चलाने की तैयारी की खबरें सामने आ रही है। सरकार के इस कदम को जहां शहरी विकास और कानून व्यवस्था की दिशा में बड़ा निर्णय माना जा रहा है, वहीं प्रभावित लोगों के पुनर्वास पर सवाल उठने लगे हैं।

अभियान में जाने-अनजाने भारतीय मूल के लोगों को ज्यादा नुक्सान उठाना पड़ रहा है। जेन जी आंदोलन में नेताओं से अधिक वहां के व्यापारियों को निशाना बनाया गया था। काठमांडू के नवनिर्मित मारवाड़ी परिषद के विशाल भवन को आग के हवाले कर दिया गया था। नेपाल में मारवाड़ी समुदाय का इतिहास बहुत पुराना है। इन्हें राजाओं ने व्यापार बढ़ाने के लिए राजस्थान से आमंत्रित किया था।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

राजीव और अमिताभ

राजीव गांधी और अमिताभ बच्चन की पहली मुलाकात अमिताभ के बर्थडे पर हुई थी। उस समय अमिताभ चार वर्ष के थे, जबकि राजीव दो वर्ष के। इंदिरा गांधी नन्हें राजीव को अपनी गोद में लिए अमिताभ के चौथे बर्थडे पर अमिताभ के घर पहुंची थीं। बचपन की इस पहली मुलाकात के बाद मुलाकातों का सिलसिला राजीव की

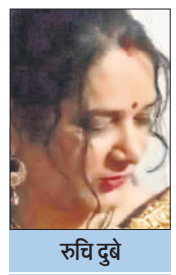

रुचि दुबे
ब्लॉगर

अंतिम सांस तक चला। इन दोनों बच्चों के जन्म से पहले ही बच्चन और गांधी परिवार में प्रगाढ़ मित्रता जन्म ले चुकी थी। नेहरू-हरिवंशराय बच्चन के बीच मित्रता थी, तो दूसरी तरफ इंदिरा-तेजी के बीच में। एक तरफ राजीव और अमिताभ के बीच अच्छी बनती थी, ठीक वैसी ही संजय गांधी और अजिताभ बच्चन के बीच गहरी मित्रता थी। किशोरावस्था में दोनों बच्चन भाई नैनिताल के शेरवुड स्कूल में पढ़ने चले गए, तो गांधी बंधु देहरादून के दून स्कूल में पहुंच गए।

एक बार कवि हरिवंशराय बच्चन विदेश से एक ट्रांजिस्टर-कम-टेपरिकॉर्डर लाए थे, लेकिन कुछ ही दिनों बाद अमिताभ ने उसकी जांच के लिए उसके एक-एक पुर्जे खोल दिए। काफी मशक्कत के बाद भी जब ट्रांजिस्टर फिट नहीं हुआ, तो उसके सारे पुर्जे एक थैले में भरकर सीधे गांधी निवास 'तीन मूर्ति भवन' की ओर दौड़ पड़े। राजीव गांधी स्क्रू ड्राईवर लेकर बैठ गए। पूरी एकाग्रता और धर्य के साथ ट्रांजिस्टर के हर एक विभाग का निरीक्षण किया और एक के बाद एक सारे पुर्जे जोड़कर ट्रांजिस्टर को चालू कर दिया।

राजीव गांधी अब 'पायलट' बन चुके थे और अमिताभ 'अभिनेता', लेकिन अब भी अटूट दोस्ती के कीच कोई दूरी नहीं आई। कई बार तो अमिताभ ने उस फ्लाइट से सफर किया, जिसे राजीव गांधी उड़ा रहे थे। राजीव गांधी तो अमिताभ से मिलने के लिए इतने आतुर रहा करते थे कि अक्सर वे अमिताभ को फ्लाइट की जानकारी भी दे दिया करते थे कि फलां-फलां दिन इस शहर में इस फ्लाइट में मैं पायलट रहूंगा, अगर तुम्हें कहीं आना-जाना हो इसी फ्लाइट से सफर करना।

अमिताभ को हमेशा इस बात का आश्चर्य होता कि जब भी फ्लाइट में राजीव गांधी कोई अनाउंसमेंट करते थे, तो कभी भी अपना सरनेम नहीं बोला करते थे.. सिर्फ इतना ही कहते 'आई कैप्टन राजीव'..! राजीव गांधी की सादगी और सरलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कभी भी अपना परिचय देते समय वे किसी से यह नहीं कहते थे कि मैं भारत की प्रधानमंत्री का बेटा हूं।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

अधूरी सुविधा से पूरे पोषण की उम्मीद बेमानी

गांवों में जब किसी घर में बच्चे का जन्म होता है, या कोई महिला गर्भवती होती है, तो सबसे पहले जिस सरकारी व्यवस्था का नाम सामने आता है, वह है आंगनबाड़ी केंद्र। यह केंद्र केवल ग्रामीण समाज के लिए पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य का पहला दरवाज़ा माना जाता है। वर्षों पहले जब समेकित बाल विकास सेवा योजना की शुरुआत हुई थी, तब इसका उद्देश्य स्पष्ट था, गांव के छोटे बच्चों, गर्भवती और धात्री महिलाओं को कुपोषण से बचाना और उन्हें स्वस्थ जीवन की दिशा देना। इनके माध्यम से बच्चों को पूरक पोषण, टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच, पूर्व-प्राथमिक शिक्षा और गर्भवती महिलाओं को पोषण संबंधी सलाह जैसी सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों में कुपोषण को कम करने, स्कूल छोड़ने की दर घटाने और माताओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक

गुड्डी कुमारी
एक्टिविस्ट

बनाने जैसे कई महत्वपूर्ण लक्ष्य निर्धारित किए गए थे। कई क्षेत्रों में इन प्रयासों का सकारात्मक असर भी देखने को मिला है। स्वास्थ्य विभाग और विभिन्न अध्ययनों के अनुसार, जहां आंगनबाड़ी सेवाएं नियमित रूप से मिल रही हैं, वहां बच्चों का वजन और ऊंचाई पहले की तुलना में बेहतर हुई है और गर्भवती महिलाओं में एनीमिया जैसी समस्याओं में भी कमी दर्ज की गई है, लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी कम चिंताजनक नहीं है।

कई गांवों में लोग यह शिकायत करते हैं कि उन्हें आंगनबाड़ी से मिलने वाली सभी सुविधाएं समय पर नहीं मिलतीं। कुछ जगहों पर पोषण सामग्री का वितरण अनियमित है, तो कहीं बच्चों के लिए शिक्षा सामग्री या खेल सामग्री का अभाव देखा जाता है। जब ग्रामीण इस समस्या की शिकायत संबंधित अधिकारियों से करते हैं, तब भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। इससे लोगों का भरोसा इस व्यवस्था पर धीरे-धीरे कमजोर पड़ता जाता है।

यह भी एक सच्चाई है कि सभी आंगनबाड़ी केंद्र एक जैसे नहीं हैं। कुछ केंद्र ऐसे हैं, जहां बच्चों के लिए रंग-बिरंगे चार्ट, खिलौने, साफ-सुथरा वातावरण और नियमित भोजन की व्यवस्था होती है। इन केंद्रों में आने वाले बच्चे न केवल स्वस्थ दिखते हैं, बल्कि उनमें सीखने की उत्सुकता भी साफ नजर आती है। वहां की गर्भवती महिलाओं को समय-समय पर पोषण और स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी दी जाती है, जिससे उनके और उनके बच्चों के स्वास्थ्य में सकारात्मक बदलाव दिखाई देता है। ऐसे केंद्र इस बात का प्रमाण हैं कि यदि योजनाओं को सही ढंग से लागू किया जाए, तो बदलाव संभव है।

पहले के समय में बच्चों का कुपोषण आम बात थी। कई बच्चे कमजोर पैदा होते थे और छोटी उम्र में ही बीमारियों का शिकार हो जाते थे, लेकिन आंगनबाड़ी केंद्रों की शुरुआत के बाद धीरे-धीरे स्थिति में सुधार देखने को मिला। अब कई गांवों में बच्चों का नियमित वजन मापा जाता है, टीकाकरण समय पर होता है और गर्भवती महिलाओं को आयरन और कैल्शियम की गोलियां भी दी जाती हैं। इन सुविधाओं ने ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था में काफी बेहतर किया है। फिर भी, यह सुधार हर गांव तक समान रूप से नहीं पहुंच पाया है। इसका एक बड़ा कारण निगरानी व्यवस्था की कमजोरी और संसाधनों का असमान वितरण माना जाता है। कई बार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं पर काम का बोझ इतना अधिक होता है कि वे सभी जिम्मेदारियों को समय पर पूरा नहीं कर पातीं। दूसरी ओर, कुछ जगहों पर भ्रष्टाचार और लापरवाही भी इस व्यवस्था को कमजोर बना रही है।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

बावनी इमली : वह पेड़ जिस पर क्रांतिकारियों को दी गई थी फांसी

जब भी 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम की चर्चा होती है, हमारे मन में कुछ तयशुदा नाम उभरते हैं, जैसे रानी लक्ष्मीबाई, मंगल पांडेय, नाना साहब पेशवा आदि। इतिहास की किताबों ने इन्हें बड़े और उभरे अक्षरों में लिखा है। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि हर कथा को कुछ चेहरे चाहिए होते हैं, लेकिन कभी-कभी यही चेहरे इतने बड़े हो जाते हैं कि बाकी कहानी पीछे छूट जाती है। सवाल यह नहीं कि इनका महत्व कम है, बल्कि यह कि क्या कोई क्रांति सचमुच तीन-चार नामों से पूरी हो जाती है?

भगवंत अनमोल
वरिष्ठ साहित्यकार

कानपुर के आसपास के लोग अब अजीमुल्लाह खान, तात्या टोपे या अजीजन बाई जैसे नाम भी जानने लगे हैं, लेकिन अगर आप कानपुर से कुछ ही दूरी पर बसे फतेहपुर की ओर मुड़ें, तो कहानी अचानक धीमी हो जाती है। यहां इतिहास किताबों से ज्यादा लोगों की यादों में बसा है। फतेहपुर जिले में बिंदकी तहसील में एक जगह है- बावनी इमली। नाम सुनकर यह कोई साधारण-सा पेड़ लगता है, लेकिन 28 अप्रैल आते ही यह जगह एक तारीख से जुड़ जाती है और तारीख एक कहानी से।

1857 की हलचल में फतेहपुर भी चुप नहीं बैठा था, चुप नहीं बैठा था कहना सही नहीं होगा, बल्कि बढ़चढ़कर हिस्सा लिया था। खागा गढ़ी के ताल्लुकेदार ठाकुर दरियाव सिंह के नेतृत्व में इन क्रांतिकारियों ने अंग्रेजों को मार खदेड़ा था। कहा जाता है कि यह इलाका करीब 34 दिनों तक अंग्रेजों की हुकूमत से मुक्त रहा। यह 'मुक्ति' कितनी संगठित थी, इस पर बहस हो सकती है, लेकिन इतना तय है कि यहां के वीर सिर्फ दर्शक नहीं थे, इस मिट्टी में भी उतनी ही क्रांति और आग थी, जितनी अन्य स्थानों पर। गंगा-यमुना के दोआब पर बसे इस जिले ने कई वीर दिए, जिनमें ठाकुर दरियाव सिंह, उनके पुत्र सुजान सिंह, भाई निर्मल सिंह, डिप्टी कलेक्टर हिकमत उल्लाह खान, बाबा गयादीन दुबे, ठाकुर शिवदयाल सिंह और ठाकुर जोधा सिंह अटैय्या जैसे नाम उस समय की स्थानीय धड़कन थे, जिन्हें आज भी फतेहपुर के बाहर कम ही लोग जानते हैं।

जोधा सिंह अटैय्या की कथा तो किसी लोकगाथा जैसी लगती है- लगान देने से इंकार करना, गुरिल्ला युद्ध, तहसीलों और कोषागारों पर हमले, अंग्रेजी सत्ता को लगातार चुनौती और फिर जंगल में घुस जाना। जब मेरठ, कानपुर और झांसी की क्रांति की ज्वाला मंद पड़ गई थी, तो फतेहपुर के इन वीरों की क्रांति अंग्रेजों को हतोत्साहित किए हुए थी। जोधा सिंह अपने साथियों के साथ ऐसे निकलते और ऐसा छुपते थे, जैसे गुफा में छुपा शेर अपना शिकार देखते ही शिकार कर लेता और फिर गुफा में चला जाता। अंग्रेजों की इतनी बुरी हालत हो गई थी कि उन्हें समझ ही नहीं आ रहा था कि इस वीर से युद्ध कैसे किया जाए।

कभी-कभी ही उनके क्रांतिकारी दिखते और जब दिखते तो इतने संगठित तरीके से कि अंग्रेजों के पास मौका ही न बचता उनके वार से बचने के लिए और फिर गायब, सुदूर अपनी गुफा में। अंग्रेजों ने उन्हें 'डाकू' कहा, जो इतिहास में असहमति को छोटा करने का पुराना तरीका रहा है। आखिरकार भीतर से मिली एक सूचना ने उन्हें पकड़वा दिया। इसके बाद 28 अप्रैल 1858 का दिन आया, जब खजुहा में एक इमली के पेड़ के नीचे कर्नल क्रिस्टाइल द्वारा जोधा सिंह सहित 52 क्रांतिकारियों को फांसी दे दी गई।

जोधा सिंह अटैय्या वही क्रांतिकारी थे, जिन्होंने कर्नल नील, मेजर-जनरल हैवलॉक और रेनाल्ड जैसे क्रूर अंग्रेज अफसरों को चकमा दे दिया था और कर्नल पॉवेल का सर धड़ से अलग करके उनके छावनी भेज दिया था। कहानी यहीं खत्म नहीं होती। स्थानीय लोगों की मानें तो अंग्रेजों ने शवों को ले जाने की अनुमति नहीं दी और लंबे समय तक उस स्थान पर पहरा रहा। 37 दिनों तक वह शव उसी पेड़ पर लटकते रहे और अपने क्रांतिकारी होने की सजा भुगतते रहे। जब शव सड़ने लगे, तो अंग्रेजों को जबरन उस इमली के पेड़ के पास से अपनी फौज हटानी पड़ी। फिर ठाकुर भगवान दास ने 4 अप्रैल 1858 को इन अमर सपूतों का अंतिम संस्कार किया। समय बीतता गया और वह स्थान धीरे-धीरे एक स्मृति में बदलता गया। आज भी वहां इमली का पेड़ खड़ा है, जस का तस, शायद पहले से अधिक शांत, जितना उनका इतिहास हो गया है।

इतिहास का अपना एक स्वभाव होता है, वह याद रखने के मामले में बहुत निर्दयी है, जिनके पास अपने समय के लेखक, कवि और इतिहासकार होते हैं, वे बड़े अक्षरों में दर्ज हो जाते हैं, बाकी लोग जगहों, पेड़ों और किस्सों में छूट जाते हैं। यही कारण है कि दिल्ली की एक छोटी घटना पूरे देश में फैल जाती है और किसी सुदूर गांव की बड़ी घटना अपने इलाके तक सीमित रह जाती है। फतेहपुर के बिंदकी स्थित 'बावनी इमली' एक ऐसा ही स्मारक है, जहां एक पेड़ के नीचे खड़े होकर आप समझ सकते हैं कि आजादी की कहानी सिर्फ कुछ नामों की नहीं, बल्कि अनगिनत अनसुने लोगों की भी है। ऐसे वीरों को शत-शत नमन करते हैं, जिनके कारण हम आजादी की सांस ले रहे हैं। अगर आप अपने वजूद को पहचानना चाहते हैं, अपने देश की आजादी की लौ को महसूस करना चाहते हैं, तो एक बार बिंदकी स्थित बावनी इमली के दर्शन जरूर करें और क्रांतिवीरों को प्रणाम करें।

अखबारों के 'सेवक' और बाल मन के पारखी: डॉ. निरंकार देव

साहित्य की दुनिया में कुछ नाम ऐसे होते हैं, जो केवल कागजों पर नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के चरित्र में जीवित रहते हैं। बरेली की साहित्यिक विरासत के ऐसे ही एक अनमोल रत्न थे डॉ. निरंकार देव सेवक, जिसने अभावों के बीच रहकर भी बाल साहित्य के माध्यम से बरेली का मान पूरे भारतवर्ष में बढ़ाया। यह कहानी है एक विद्रोही कवि के कोमल बाल साहित्यकार बनने की, एक समर्पित मित्र की और एक ऐसे साधक की जिसने अंत तक अपनी कलम का साथ नहीं छोड़ा। बरेली के इस बाल साहित्यकार की शख्सियत से रू-ब-रू करा रही है। रतन सिंह गुर्जर की विशेष रिपोर्ट...

सादगी और सिद्धांतों का अनूठा संगम- डॉ. निरंकार देव सेवक का जीवन किसी खुली किताब की तरह था, जिसके हर पन्ने पर सादगी और अनुशासन की इबारत लिखी थी। बरेली के सैदपुरिया मोहल्ले में जन्मे सेवक जी के भीतर साहित्य के संस्कार अपने पिता मुंशी रामभरोसे लाल 'सेवक' से विरासत में मिले थे। पेशे से अग्रणी वकील होने के बावजूद उनका हृदय साहित्य के लिए धड़कता था। उनकी सादगी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्हें खाने में कभी स्वाद की परवाह नहीं रही, उनके लिए भोजन केवल शरीर चलाने का साधन था।

बच्चन जी से आत्मीय रिश्ता- साहित्यिक गलियारों में सेवक जी और महाकवि हरिवंशराय बच्चन की मित्रता के किस्से आज भी मशहूर हैं। यह सेवक जी ही थे, जिन्होंने ज्ञान प्रकाश जौहरी के साथ मिलकर बरेली में बच्चन जी और तेजी सूरी की मुलाकात और फिर सगाई तय करवाई थी। बच्चन जी उन्हें 'भाई साहब' कहते थे और उन्होंने सेवक जी को करीब 250 पत्र लिखे। बच्चन जी का स्नेह इतना था कि वे अक्सर बरेली आकर बसने की इच्छा व्यक्त करते थे।

अखबारों का जुनून और समय की धारा- सेवक जी का दिन सुबह 5 बजे शुरू होता था और घर में 14 अखबारों का अंबार लगता था। जिला जेल के सामने वाले नाले के किनारे अखबार पढ़ते हुए टहलना उनका नियमित क्रम था। वे पढ़ने में इतने मशगूल हो जाते कि उन्हें आसपास की दुनिया का होश नहीं रहता था। यही एकाग्रता उनकी लेखनी में भी दिखती थी। विद्रोह से वैज्ञानिक चेतना तक सेवक जी ने अपने लेखन की शुरुआत 'चिंगारी' जैसे विद्रोही कविता संग्रह से की थी। उन्होंने अंग्रेजों की गुलामी के दौर में संतान न पैदा करने का कठिन संकल्प लिया था। हालांकि बाद में पारिवारिक दबाव में उन्होंने गृहस्थ जीवन को अपनाया। बाल साहित्य में उन्होंने एक नई चेतना फूंकी। उन्होंने पौराणिक कथाओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से लिखा। वे कहते थे कि धर्म और रूढ़ियां बच्चों के मानसिक विकास में बाधा नहीं बननी चाहिए। उनके 36 प्रकाशित संग्रह आज भी हिंदी साहित्य की अमूल्य थाती हैं।

पारिवारिक त्रासदी और सेवा की मिसाल

सेवक जी का अंतिम समय काफी कष्टपूर्ण रहा। आंखों की रोशनी चली जाने के कारण उन्हें अपनी थाली का खाना तक नहीं दिखता था, लेकिन उनकी पुत्रवधू पूनम सेवक ने एक बेटी का धर्म निभाते हुए अंत तक अपने हाथों से उन्हें भोजन कराया। साल 1994 में सेवक जी का निधन हुआ और उसके बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। 1999 में उनके पुत्र प्रदीप और पत्नी का देहांत हुआ और बाद में पोते पुनीत को भी नियति ने छीन लिया। आज सेवक जी का वह विशाल 2000 गज का बंगला भले ही वक्त की मार से छोटे से हिस्से में सिमट गया हो, लेकिन उनकी रचनाओं की गूंज आज भी हर उस बच्चे के मन में है, जिसने 'दूध जलेबी' या 'ईसप की गाथाएं' पढ़ी हैं। डॉ. निरंकार देव सेवक आज भी हमारे बीच अपनी कालजयी रचनाओं और अपनी बेबाक प्रगतिशील सोच के रूप में जीवित हैं।

जॉब का पहला दिन

कर्तव्य के साथ सेवा की शुरुआत

वर्ष 2018 का वह दिन आज भी मेरी स्मृतियों में ताजा है, जब मैंने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की जालौन जनपद स्थित कोच शाखा में एग्रीकल्चर एवं वित्त अधिकारी के रूप में अपने जीवन की नई शुरुआत की। वह मेरे जीवन का एक ऐसा मोड़ था, जहां उत्साह, जिज्ञासा और जिम्मेदारी- तीनों एक साथ मेरे मन में उमड़ रहे थे। सच कहूं तो उस दिन मुझे ऐसा लग रहा था मानो मैं किसी नई दुनिया में प्रवेश कर रहा हूं।

भानू प्रताप अवस्थी
प्रबंधक
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया

सुबह जब मैं पहली बार औपचारिक रूप से कार्यालय पहुंचा, तो दिल की धड़कन कुछ तेज थी। नए सहकर्मी, नया माहौल और अनगिनत अपेक्षाएं- सब कुछ मेरे सामने था। शाखा प्रबंधक और अन्य कर्मचारियों ने मेरा आत्मीय स्वागत किया, जिससे मेरे भीतर का संकोच कुछ कम हुआ। धीरे-धीरे मैंने अपने कार्यक्षेत्र को समझना शुरू किया। फाइलों का ढेर, कंप्यूटर स्क्रीन पर खुली बैंकिंग प्रणाली और ग्राहकों की भीड़- यह सब मेरे लिए एक नया अनुभव था।

पहले ही दिन ग्राहकों से सीधे संवाद का अवसर मिला। कोई किसान अपनी फसल के लिए ऋण चाहता था, तो कोई व्यक्ति अपनी आर्थिक समस्या लेकर आया था। उनकी आंखों में उम्मीद और विश्वास साफ झलक रहा था। जब मैं उनकी समस्याएं सुनता और समाधान की दिशा में कदम बढ़ाता, तो मेरे भीतर एक अद्भुत संतोष का भाव उत्पन्न होता। मुझे ऐसा महसूस हो रहा था कि मैं केवल एक नौकरी नहीं कर रहा, बल्कि समाज की सेवा के अपने बचपन के सपने को साकार कर रहा हूं।

विशेष रूप से किसानों के साथ संवाद ने मेरे मन को गहराई से छुआ। उनकी मेहनत, संघर्ष और आशाओं को समझते हुए मैंने महसूस किया कि मेरी भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। सही मार्गदर्शन और सहयोग से मैं उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता हूं। यह सोच मेरे भीतर एक नई ऊर्जा और समर्पण का संचार कर रही थी।

दिन के अंत तक, थकान जरूर थी, लेकिन उससे कहीं अधिक संतोष और आत्मविश्वास था। मैंने महसूस किया कि यह केवल शुरुआत है- एक ऐसे सफर की, जिसमें चुनौतियां भी होंगी और सीखने के अनगिनत अवसर भी। उस पहले दिन ने मुझे यह सिखा दिया कि सच्ची सफलता केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में है।

आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं, तो वह पहला दिन मेरे जीवन की सबसे प्रेरणादायक यादों में से एक बन चुका है। उसने मुझे न केवल एक जिम्मेदार अधिकारी बनाया, बल्कि एक संवेदनशील इंसान भी, जो समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को समझता है और उन्हें पूरी निष्ठा के साथ निभाने का प्रयास करता है।

कुछ अलग

लेखकों का बाजार

अंशु प्रधान
लेखिका

आज के वक्त में जबकि सारी दुनिया ही एक बाजार बनती जा रही हो, तो फिर हमारे साहित्य की दुनिया ही भला कैसे इस बाजार 'भाव' से अछूती रह सकती है। यहां लेखकों के भाव स्थापित करने से लेकर उन्हें गिराने और उठाने तक का कार्य बड़ी ही संजीदगी के साथ किया जाता है। ये सभी क्रियाएं साहित्यिक उत्थान की आड़ में इतनी चतुराई से की जाती हैं कि दाएं हाथ को बाएं हाथ की खबर तक न लग पाए। यही उपलब्धि असली महानता है, जोकि सिर्फ लेखन भर से नहीं आती। पिछले जमाने के साहित्य और साहित्यकारों ने भले ही दुनिया को गूढ़ दर्शन दिया हो मगर आज के साहित्य और साहित्यकारों ने न सिर्फ बाजार दिया है, बल्कि लेखक बनाने की विधि से लेकर, किताबें बेचने-खरीदने के लाभप्रद हथकंडे, उन्नत किस्म की चौर्य प्रणाली आदि के अतिरिक्त, लेखकों के भी खरीद, फरोख्त तक का मार्ग प्रशस्त किया है। ये साहित्य का नवीन उन्नयन काल है।

इसी क्रम में पिछले दिनों एक किस्सा कुछ यूं हुआ कि हमारे प्रिय, आत्मीय और धुरंधर लेखक महाराज एक दिन लेखन मंडी के किनारे वाली दुकान पर लेखक तौलवा रहे थे कि वहां लफ्फाज कवि जी आ धमके, आते ही उन्होंने त्यौरियां चढ़ाते हुए लेखक महाराज को टोका, "अरे महाराज जी! कितने रुपये किलो लिए ,बहुत महंगे नहीं तौलवा लिए आपने!"

महाराज जी ने पूरी बत्तीसी चमकाते हुए कहा, "अजी साहब! क्या करें, किलो दो किलो लेखक घर में रखने पड़ते हैं। अब क्या महंगा और क्या सस्ता, जो ये लिखकर दे देते हैं उसी से लेखन की दाल-रोटी चलती रहती है साहब, वरना इतनी महंगाई में भला कौन खुद लिखके कुछ देता है। न इतना समय है किसी के पास और न इतना भेजा, जो पका-पकाया माल मिल जाता है उसी को थोड़ा और पकाकर बाजार में अपने नाम से ठेल देते हैं।"

लफ्फाज कवि तो ठहरे ही शब्दों के जादूगर सो वे पुनः महाराज जी से बोले, "अरे! इतनी महंगाई में कहां आप इन महंगे लेखकों के चक्कर में पड़े हैं। अरे मेरी मानों तो अबकी रविवार मेरे साथ साहित्य के चोर बाजार चलना। थोड़ी भीड़-भाड़ जरूर रहती है वहां मगर औने-पौने दामों पर ही चोखा माल मिल जाता है।" साहित्य के चोर बाजार की बात सुनते ही महाराज जी की आंखें फटी की फटी रह गईं और कान खड़े हो गए, वे हकलाते हुए बोले- "क्या सच में! क्या वहां सस्ते में बढ़िया लेखक मिल जाएंगे।" लफ्फाज कवि जी ने मुस्कुराते हुए कहा- "और नहीं तो क्या! अरे आप बढ़िया की बात करते हैं, चोर बाजार में एक से एक लेखक मिलेंगे और न सिर्फ बिकने वाले, बल्कि खरीदने वाले भी।" महाराज जी बोले- "वो कैसे"?

इस पर कवि जी ने बड़े गर्व से कहा- "अभी पिछले सप्ताह ही आधा किलो परसाई, दो किलो बच्चन और ढाई सौ ग्राम निराला तोल कर दिए हैं बाजार में, पुरस्कृत लेखकों को किसी से कहिएगा नहीं मैं कविताई करने के साथ-साथ ये काम भी कर लेता हूं। अब देखना! जब वे इन सबको पानी के साथ खुद के बनाए चून में गूंथ के जब मट्ठे पाग के बाजार में बेचेंगे, तो आप भी कहेंगे कि क्या स्वाद है। अजी मैं तो कहता हूं छोड़िए ये लेखक मंडी के कोने के बाजार को, सीधे चोर मंडी चलते हैं।"

महाराज जी ने आव देखा न ताव और लगे मूछों को ताव देने। बड़ी ऐंठ के साथ वे मंडी के दलाल से बोले- "ए भई। नीचे रख! हमें नहीं चाहिए इतने महंगे लेखक।"

दलाल ने तभी कवि जी को घूरते हुए महाराज जी से कहा, "अजी साहब! एक दम से ही मूड बिगड़ गया आपका तो। अजी थोड़ा कम लगा लूंगा अब तराजू पर से कम से कम उतरवाइए तो मत। बड़ी मुश्किल से इन लेखकों को तराजू पर चढ़ने को मिलता है वो भी तब जबकि आलोचकों की निगाह न पड़े साहब।" मगर इतनी देर में महाराज जी को कवि जी का चोर बाजार का गणित भा चुका था। उन्होंने अपने गले में पड़े गमछे को ताव देकर फटकारा और थोड़ा आगे चलकर कवि जी को आवाज लगाई-"अजी। मैंने कहा कि कुछ जलेवी दही हो जाए अगले रविवार को तो आप और हम मिल ही रहे हैं न चोर बाजार में।" कवि जी मुस्कुराए और लपक के जलेबी-दही के दोने पर टूटते हुए बोले, "क्यों नहीं, क्यों नहीं"।

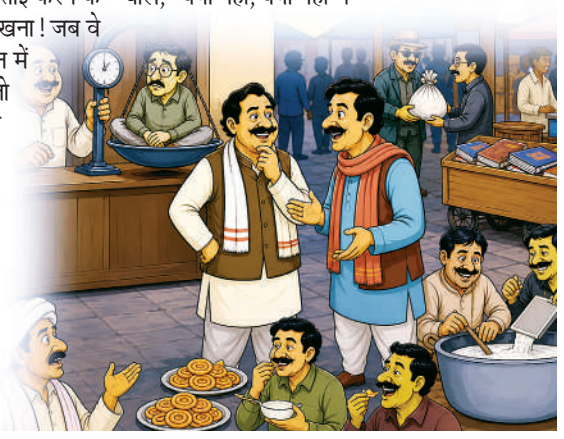

क्यों स्मार्ट दिखना चाहते हैं अधेड़ हिन्दुस्तानी

भारत में एक अलग तरह की क्रांति दस्तक दे रही है। मध्यम आयु वर्ग के पुरुष और महिलाएं अब अपने आपको अधिक आकर्षक और आत्मविश्वासपूर्ण बनाने के लिए चेहरे की एडवांस सर्जरी करवा रहे हैं। समय के साथ बढ़ती उम्र, व्यस्त जीवनशैली और बदलते सामाजिक-व्यावसायिक माहौल में ये लोग अब केवल स्वस्थ रहने पर ही नहीं, बल्कि बाहरी रूप-सौंदर्य को बनाए रखने पर भी गंभीरतापूर्वक ध्यान दे रहे हैं। इस सर्जरी को डीप प्लेन फेसलिफ्ट सर्जरी कहते हैं। पहले यह सर्जरी सिर्फ बड़े-बड़े सितारों तक ही सीमित थी, लेकिन अब मिडिल क्लास भारतीय भी इसके लिए स्पेशलिस्ट डॉक्टरों से सलाह ले रहे हैं।

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में 40 से 65 साल के पुरुष और महिलाएं इस सिद्ध सर्जरी की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं। यह सर्जरी चेहरे को नाटकीय तरीके से नहीं, बल्कि बहुत नेचुरल और सूक्ष्म तरीके से जवान बनाती है। लोग अपनी उम्र के साथ आने वाली झुर्रियों, ढीली त्वचा और थकी हुई लुक से छुटकारा पाना चाहते हैं। इस तकनीक को भारत में आगे बढ़ाने वाले दिल्ली के मशहूर फेशियल प्लास्टिक सर्जन डॉ. प्रतीक शर्मा, जो पहले अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से जुड़े थे और आजकल राजधानी के एक अस्पताल में कार्यरत हैं, ने एक सेमिनार में बताया कि गहरी लेयर्स को लिफ्ट करने से रिजल्ट ज्यादा लंबे समय तक रहते हैं और चेहरा ज्यादा नैचुरल और संतुलित दिखता है। वे कहते हैं, "ये सिर्फ झुर्रियां मिटाने की बात नहीं है। ये लोगों को आत्मविश्वास वापस लौटाने और दुनिया के सामने नए जोश के साथ खड़े होने में मदद करता है।"

डीप प्लेन फेसलिफ्ट आखिर है क्या? साधारण फेसलिफ्ट सर्जरी में सिर्फ ऊपरी स्किन को खींचा जाता है, लेकिन डीप प्लेन फेसलिफ्ट उससे कहीं आगे जाती है। इसमें उम्र के साथ ढीले पड़ चुके मसल्स, फैट पैड्स और कनेक्टिव टिश्यू को भी ध्यान से संभाला जाता है। सर्जन इन सबको एक साथ एक यूनिट के रूप में ऊपर उठाता है। इसमें मिड-फेस, जबड़ा, गाल और गर्दन सब शामिल होते हैं। इससे चेहरा स्मूद हो जाता है, नाक से मुंह तक की गहरी लकीरें कम हो जाती हैं और चेहरे में फिर से जवानी वाली चमक लौट आती है। यह प्रक्रिया चेहरे की गहराई में काम करती है, इसलिए नतीजा बहुत प्राकृतिक लगता है। वहीं एक अन्य प्लास्टिक सर्जन बताती हैं कि यह प्रोसीजर अब अमीरों की लग्जरी नहीं रह गई है। अब लोअर मिडिल क्लास परिवारों की महिलाएं और पुरुष भी इसे करवा रहे हैं। खास बात यह है कि बदलाव बहुत सूक्ष्म, लेकिन असरदार होता है। आत्मविश्वास बढ़ता है, लेकिन कोई यह नहीं कह पाता कि "इन्होंने कुछ करवाया है"। दोस्त और परिवार वाले बस इतना कहते हैं कि आप बहुत तरोताजा और खुश दिख रहे हैं। विशेषज्ञों के पास परामर्श के लिए हर वर्ग से लोग आ रहे हैं। सरकारी नौकरी वाले, प्राइवेट सेक्टर के मैनेजर, बिजनेसमैन और घरेलू महिलाएं सभी इसमें रुचि ले रहे हैं। लोग अब कॉस्मेटिक सर्जरी को दिखावा नहीं, बल्कि अपने इमेज, करियर और वेल-बीइंग में निवेश मानते हैं। उम्र तो सबको लगती है, यह सर्जरी बस उस मैदान को थोड़ा बराबर कर देती है।

इसके अलावा, यह सर्जरी गर्दन की त्वचा को भी टाइट करती है, जिससे डबल चिन जैसी समस्या कम हो जाती है। चेहरे पर थकान का भाव कम होता है और आंखों के नीचे की सूजन भी घटती है। रिकवरी का समय भी अब पहले से काफी कम हो गया है। ज्यादातर लोग 10-14 दिनों में सामान्य कामकाज पर लौट आते हैं। सर्जरी से पहले डॉक्टर पूरी जांच करते हैं। ब्लड टेस्ट, हार्ट चेकअप और मेडिकल हिस्ट्री देखी जाती है। सर्जरी जनरल एनेस्थीसिया में होती है और इसमें दो से चार घंटे लगते हैं। बाद में हल्का सूजन और चोट के निशान रह सकते हैं, जो धीरे-धीरे ठीक हो जाते हैं।

अमेरिका और यूरोप में यह हॉलीवुड और फैशन जगत की कई हस्तियों का पसंदीदा विकल्प बन चुका है। सोनजा मॉर्गन, रिकी लेक, मैकेंजी वेस्टमोर, जैकी हैरी जैसी सेलिब्रिटीज ने भी इसके नेचुरल रिजल्ट्स की तारीफ की। क्रिस जेनर जैसी हस्तियों के साथ भी इसकी चर्चा रहती है। भारत में भी कई बड़े सितारों ने इस सर्जरी को करवाया है, पर वे इस बात को अज्ञात कारणों से सार्वजनिक नहीं करते। अमेरिका और यूरोप में अधेड़ और उम्र दराज लोग डीप प्लेन फेसलिफ्ट सर्जरी का लाभ लंबे समय से ले रहे हैं। वहां बहुत सारे हॉलीवुड सितारे भी इस सर्जरी को करवाने के बाद अपने करियर को चमका रहे हैं।

भारत में भी अब जागरूकता बढ़ रही है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और चंडीगढ़ जैसे शहरों में अच्छे अस्पताल उपलब्ध हैं। डॉक्टर सलाह देते हैं कि सर्जरी चुनने से पहले हमेशा योग्य और अनुभवी सर्जन से ही संपर्क करें। आज के समय में दिखावे और आत्मविश्वास का महत्व बहुत बढ़ गया है। डीप प्लेन फेसलिफ्ट सर्जरी उन लोगों के लिए एक अच्छा विकल्प बनकर उभरी है, जो अपनी उम्र को महसूस नहीं करना चाहते। यह सर्जरी सिर्फ चेहरे को नहीं, बल्कि जीवन के नए अध्याय को खोलती है। अगर आप भी 45 साल के पार हैं और लगता है कि चेहरा थका हुआ दिख रहा है, तो एक अच्छे सर्जन से सलाह जरूर लें। सही निर्णय से आपका आत्मविश्वास नया जोश पा सकता है।

आरबीआई के पास 2,000 के 98.47% नोट वापस आए

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि चलन में रहे 2,000 रुपये मूल्य के 98.47 प्रतिशत बैंक नोट अब तक वापस आ चुके हैं। केंद्रीय बैंक ने 19 मई 2023 को 2,000 रुपये के नोटों को चलन से हटाने की घोषणा की थी। उस समय चलन में इन नोटों का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपये था, जो 30 अप्रैल, 2026 को घटकर 5,451 करोड़ रुपये रह गया है।

अमृत विचार

कानपुर, शनिवार, 2 मई 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

व्हीलचेयर और बैसाखी जैसे उत्पादों के लिए नए सुरक्षा मानक

नई दिल्ली। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने एल्बो क्रच (बैसाखी) से लेकर पोर्टेबल व्हीलचेयर रैंप जैसे सहायक उत्पादों के लिए छह नए मानक जारी किए हैं। इसका मकसद देश में दिव्यांगों की सहायता के लिए उत्पाद बनाने वाले उद्योग को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाना है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के एक बयान के मुताबिक ये मानक भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की आवश्यक सहायक उत्पादों की राष्ट्रीय सूची पहल के तहत तैयार किए गए हैं। इनमें आवाजाही के लिए मददगार उपकरण, टेक्टाइल नक्शों और ब्रेल साइनेज के लिए सुलभ डिजाइन एवं व्हीलचेयर उपयोगकर्ताओं के लिए पोर्टेबल रैंप शामिल हैं।

अप्रैल में कोल इंडिया के उत्पादन में 9.7 प्रतिशत की बड़ी गिरावट

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनी कोल इंडिया लि. का कोयला उत्पादन अप्रैल में 9.7 प्रतिशत घटकर 5.61 करोड़ टन रहा। इससे देश की तेजी से बढ़ती ऊर्जा मांगों को पूरा करने को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। कोयला उत्पादन में यह गिरावट काफी अहम है, क्योंकि यह ईंधन देश में बिजली उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण है और कुल बिजली उत्पादन में इसका हिस्सा 70 प्रतिशत से भी अधिक है। उद्योग जगत का कहना है कि गर्मियों में बिजली की मांग अपने चरम पर होने से बिजली की खपत रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। ऐसे में उत्पादन में आई यह कमी तापीय बिजलीघरों और उद्योगों को होने वाली कोयले की आपूर्ति पर दबाव डाल सकती है।

भर्ती गतिविधियां अप्रैल में छह प्रतिशत बढ़ीं, बीमा क्षेत्र शीर्ष पर

मुंबई। देश में दफ्तरों में नौकरी करने वालों की नियुक्तियों में चालू वित्त वर्ष के अप्रैल महीने में सालाना आधार पर छह प्रतिशत की वृद्धि हुई है। शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। नौकरी जॉबस्पीक इंडेक्स नामक रिपोर्ट के अनुसार, बीमा क्षेत्र 21 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ नियुक्तियों के मामले में सबसे आगे रहा। इसके बाद बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग (बीपीओ)/ सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाएं (आईटीईएस) (15 प्रतिशत), रियल एस्टेट (12 प्रतिशत), स्वास्थ्य सेवा (11 प्रतिशत) और शिक्षा (नौ प्रतिशत) का स्थान रहा। रिपोर्ट के अनुसार, दूरसंचार और बैंकिंग क्षेत्रों में पिछले चार महीनों से जारी गिरावट का सिलसिला बना रहा।

भारत पर अमेरिकी दबाव... आईपीआर पर प्राथमिकता निगरानी सूची में रखा बरकरार

व्यापार समझौते के लिए जारी वार्ता के बीच नया तनाव, दवा क्षेत्र पर पड़ेगा विशेष असर

वॉशिंगटन, एजेंसी

भारत के साथ व्यापार समझौते पर चल रही वार्ता के बीच अमेरिका ने उसे इस बार भी बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) संरक्षण और प्रवर्तन से जुड़े मुद्दों पर प्राथमिकता निगरानी सूची में बरकरार रखा है। इसे भारत पर अमेरिका की ओर से दबाव बनाए रखने के एक और हथकंडे के तौर पर देखा जा रहा है। भारत के दवा क्षेत्र, विशेषकर जेनरिक दवाओं के निर्यात पर इसका खास असर पड़ेगा। भारत के आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने अमेरिकी रिपोर्ट के बाद कहा है कि भारत की बौद्धिक संपदा व्यवस्था डब्ल्यूटीओ के अनुरूप है।

किसी देश को प्राथमिकता निगरानी सूची या निगरानी सूची में रखने का मतलब है कि वहां बौद्धिक संपदा संरक्षण, प्रवर्तन या बाजार पहुंच से जुड़े गंभीर मुद्दे मौजूद हैं। यह विशेष 301 रिपोर्ट अमेरिका की ओर से हर साल जारी की जाती है जिसमें 100 से अधिक व्यापारिक साझेदार देशों में बौद्धिक संपदा अधिकारों की स्थिति का आकलन किया जाता है। रिपोर्ट में बौद्धिक संपदा के संरक्षण और प्रवर्तन के मामले में भारत को दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक करार दिया गया है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जैमीसन ग्रीर ने कहा, अनुचित व्यापार प्रथाओं से निपटने के लिए हमारे सभी प्रवर्तन साधनों का उपयोग करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस रिपोर्ट में यूरोपीय संघ, तुर्किये और पाकिस्तान सहित 19 देशों को निगरानी सूची में रखा गया है।

● जीटीआरआई ने किया प्रतिवाद, कहा- भारत की बौद्धिक संपदा व्यवस्था डब्ल्यूटीओ के अनुरूप

नीतिगत संप्रभुता के लिए अपने सिद्धांतों का बचाव करे भारत

जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, कुल मिलाकर जहां अमेरिका कमजोर आईपी संरक्षण की बात करता है, वहीं भारत का रुख है कि वह पूरी तरह विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के अनुरूप है और वास्तविक अंतर तो सख्त ट्रिप्स-प्लस (बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार-संबंधी पहलू) मानकों को अपनाने से इन्कार करने में निहित है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करता है और ये दवाएं आमतौर पर दामों को 80-90 प्रतिशत तक कम कर देती हैं। श्रीवास्तव ने कहा, धारा 3(डी) और अनिवार्य लाइसेंसिंग जैसे प्रावधान इसलिए आवश्यक हैं। सस्ती स्वास्थ्य सेवा और नीतिगत संप्रभुता की रक्षा के लिए भारत को इन सिद्धांतों का बचाव जारी रखना चाहिए। कहा कि भारत 2025 और 2024 में भी प्राथमिकी निगरानी सूची में था। मतलब साफ है कि अमेरिका भारत पर दबाव बनाए रखना चाहता है। इससे दवा क्षेत्र में बौद्धिक संपदा नीति को लेकर अमेरिका के साथ लंबे समय से चले आ रहे मतभेद भी स्पष्ट होते हैं।

वियतनाम पर अमेरिका की सबसे कड़ी नजर, सूची में रूस-चीन भी

प्राथमिकता निगरानी सूची में अमेरिका ने भारत के साथ चीन, रूस, इंडोनेशिया, चिली और वेनेजुएला सहित छह देशों को बरकरार रखा है। संयुक्त राज्य व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) की 2026 की विशेष 301 रिपोर्ट में वियतनाम को प्राथमिक विदेशी देश (पीएफसी) के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। यह 13 वर्ष में पहली बार है जब किसी देश को इस श्रेणी में रखा गया है। यह श्रेणी उन देशों के लिए होती है जिनकी नीतियां और प्रथाएं अमेरिकी उत्पादों पर सबसे अधिक नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि वियतनाम बौद्धिक संपदा अधिकारों की पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सार्थक प्रगति नहीं कर रहा है और न ही वह प्रभावी वार्ताओं में पर्याप्त सहयोग कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका वियतनाम के खिलाफ 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 301 के तहत जांच शुरू करने पर 30 दिन के भीतर फैसला करेगा। अगर जांच शुरू होती है तो वियतनाम के साथ बातचीत कर मुद्दों को सुलझाने की कोशिश की जाएगी।

वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण देश के समक्ष बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण उपजे राजकोषीय दबाव के बावजूद आर्थिक वृद्धि की रफ्तार कायम रखने के लिए चालू वित्त वर्ष में निर्धारित 12.22 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय पर टिके रहने का फैसला किया है। व्यय विभाग के सचिव वी वुअलनाम ने कहा कि देश के सामने बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति है और आने वाली कुछ तिमाहियां तथा नया साल काफी तनाव से भरे हो सकते हैं। मार्च के अंत में पेट्रोल एवं डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती से कर संग्रह पर असर पड़ सकता है।

वुअलनाम ने अशोका यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, राजकोषीय दबाव वास्तविकता है, लेकिन पूंजीगत व्यय हमारी प्राथमिकता रहेगा और हम इसे बजट स्तर पर बनाए रखने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 में राजमार्ग, रेलवे, पोत परिवहन, बंदरगाह और शहरी विकास जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सचिव ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत के पेट्रोलियम उत्पादों का शुद्ध आयातक होने के कारण देश के समक्ष बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति है। सरकार हालात से निपटने के लिए सक्रिय और लचीले ढंग से काम कर रही है, जबकि राजकोषीय सूझबूझ ने देश को मौजूदा अनिश्चितताओं में मजबूत स्थिति में रखा है। बजट में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए राजकोषीय घाटा को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.3 प्रतिशत पर सीमित रखने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि जीडीपी आकलन की नई शृंखला जारी होने के बाद अब यह 4.5 प्रतिशत माना जा रहा है।

● केंद्रीयव्यय सचिव ने कहा- राजकोषीय दबाव में भी पूंजीगत व्यय जारी रखेंगे

तेल पर उत्पाद शुल्क कटौती से 7,000 करोड़ रुपये का नुकसान

पश्चिम एशिया में 28 फरवरी से जारी संघर्ष के बाद कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर 126 डॉलर प्रति बैरल के चार साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं, जो संघर्ष के पहले करीब 73 डॉलर थी। ईंधन की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने उत्पाद शुल्क में कटौती की है, जिससे राजकोष पर दबाव बढ़ा है। इस कटौती से 15 दिनों में करीब 7,000 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान होने का अनुमान है। व्यय सचिव ने कहा कि कर संग्रह की स्थिति पर भी करीबी नजर रखी जा रही है, क्योंकि इससे राजकोषीय गुंजाइश और सीमित हो सकती है। उन्होंने बताया कि भारत अपनी एलपीजी खपत का 60 प्रतिशत आयात करता है और इसमें से 90 प्रतिशत आपूर्ति होर्मुज जलडमरूमध्य के मार्ग से होती है। लेकिन इस समुद्री मार्ग के बंद होने से स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो गई है। सरकार ने घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए डीजल पर 23 रुपये प्रति लीटर और विमानन ईंधन (एटीएफ) पर 33 रुपये प्रति लीटर का निर्यात शुल्क भी लगाया है।

कमजोर वैश्विक कीमतों के कारण चीनी निर्यात में सरकार ने की कटौती

नई दिल्ली। देश का चीनी निर्यात प्रतिकूल वैश्विक मूल्य स्थिति के कारण चालू 2025-26 विपणन सत्र में केवल 7.5 से आठ लाख टन रहने का अनुमान है। चीनी का विपणन सत्र अक्टूबर से सितंबर तक होता है।

● चालू विपणन सत्र में 7.5 से 8 लाख टन रह सकता है निर्यात

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक है जो निर्यात को कोटा प्रणाली के जरिये नियंत्रित करता है। इससे चीनी मिल को अनुपात के आधार पर कोटा दिया जाता है। विपणन सत्र 2025-26 के लिए खाद्य मंत्रालय ने शुरुआत में 15 लाख टन निर्यात की अनुमति दी थी। इसके बाद पांच लाख टन का अतिरिक्त कोटा खोला गया जिसमें से अब तक केवल 87,587 टन की ही मंजूरी दी गई है।

एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा, पूरे सत्र में वास्तविक निर्यात 7.5 से आठ लाख टन के करीब रहने के आसार हैं। वर्तमान में निर्यातों के लिए वैश्विक कीमतों में कोई समानता नहीं है। उन्होंने बताया कि तीन मार्च तक भारत पांच लाख टन चीनी का निर्यात कर चुका है लेकिन सत्र की शुरुआत में तेजी रहने के बावजूद मिल पूरे निर्यात कोटे का उपयोग नहीं कर पाएंगी।

देश में बिजली खपत चार प्रतिशत बढ़कर 154 अरब यूनिट पर

नई दिल्ली। देश में बिजली खपत अप्रैल में 4.04 प्रतिशत बढ़कर 153.99 अरब यूनिट (बीयू) हो गई। पिछले महीने असामान्य बारिश के कारण बिजली मांग कम रहने के बावजूद खपत बढ़ी है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2025 में देश की कुल बिजली खपत 148.01 अरब यूनिट थी। तापमान बढ़ने और लू जैसी स्थिति बनने के कारण महीने के अंत में बिजली मांग में तेजी आई। अधिकतम बिजली मांग (एक दिन में सबसे अधिक) बढ़कर पिछले महीने 256.11 गीगावाट के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई जो अप्रैल 2025 में 235.32 गीगावाट थी। इससे पहले मई 2024 में अधिकतम बिजली मांग करीब 250 गीगावाट के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। विद्युत मंत्रालय के अनुसार, 2026 की गर्मियों में अधिकतम बिजली मांग 270 गीगावाट तक पहुंच सकती है। पिछले वर्ष गर्मियों में अधिकतम मांग जून 2025 में 242.77 गीगावाट रही थी जो सरकार के 277 गीगावाट के अनुमान से कम थी।

मिर्जापुर के एक कार्यस्थल पर काम कर रहे मजदूरों ने शुक्रवार को केक काटकर मजदूर दिवस मनाया।

फिर भी खुश रहते हैं हम...

● 8 घंटे काम के अधिकार का मानक 1 मई 1886 को शिकागो (अमेरिका) में हुए ऐतिहासिक आंदोलन की देन है। उस समय मजदूरों से 12 से 16 घंटे तक काम कराया जाता था।

● भारत में मजदूर दिवस सबसे पहले 1 मई 1923 को चेन्नई में मनाया गया था। इसका आयोजन 'लेबर किसान पार्टी ऑफ हिंदुस्तान' के नेता सिंगारवेलु चेट्टियार ने किया था।

64% श्रमिकों को न्यूनतम वेतन नहीं

फाउंडेशन फॉर इकोनॉमिक डेवलपमेंट की अप्रैल 2026 में जारी रिपोर्ट कहती है कि भारत के 14 सबसे अधिक आबादी वाले राज्यों में 64% श्रमिक वैधानिक न्यूनतम मजदूरी से कम कमा रहे हैं। कारण बताया गया है कि तय सरकारी न्यूनतम वेतन का स्तर देश की औसत आय की तुलना में बहुत अधिक है, जिससे श्रमिक औपचारिक क्षेत्र से बाहर होकर असुरक्षित और अनौपचारिक काम करने को मजबूर हो जाते हैं।

सरकार ने अप्रत्याशित लाभ कर घटाया, डीजल पर 23 रुपये और एटीएफ पर 33 रुपये लीटर किया

नई दिल्ली। सरकार ने डीजल के निर्यात शुल्क यानी अप्रत्याशित लाभ कर को घटाकर शुक्रवार से 23 रुपये लीटर और विमान ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर लगने वाले कर को कम करके 33 रुपये लीटर कर दिया है।

वित्त मंत्रालय ने बताया कि घरेलू खपत के लिए पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा उत्पाद शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। डीजल का निर्यात शुल्क 55.5 रुपये से घटाकर 23 रुपये लीटर कर दिया गया है। विमान ईंधन पर यह शुल्क 42 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 33 रुपये प्रति लीटर किया गया है। डीजल के निर्यात पर सड़क एवं अवसंरचना उपकर एक मई से शुरू हो रहे पखवाड़े के लिए शून्य रहेगा। वित्त मंत्रालय ने बृहस्पतिवार देर रात जारी बयान में बताया कि पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क की दर शून्य बनी रहेगी।

भारतीय शेयर बाजारों से विदेशी निवेशकों का हुआ मोह भंग

इस साल चार माह में ही टूटा पिछले वर्ष का रिकॉर्ड 1.92 लाख करोड़ रुपये निकाले

नई दिल्ली, एजेंसी

वैश्विक आर्थिक अनिश्चिततताओं के चलते विदेशी निवेशक लगातार भारतीय शेयर बाजारों से मुंह मोड़ रहे हैं। वर्ष 2026 के पहले चार महीनों ने 2025 में पूरे साल का का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इन चार महीनों में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 1.90 लाख करोड़ रुपये की निकासी की है। वर्ष 2025 में यह 1.66 लाख करोड़ रुपये ही थी।

विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजारों में लगातार बिकवाली जारी रखते हुए अप्रैल में 60,847 करोड़ रुपये (करीब 6.5 अरब डॉलर) की निकासी की। दुनिया में भूराजनीतिक तनाव का बढ़ना और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण जोखिम लेने की क्षमता पर असर पड़ना इसका मुख्य कारण बताया जा रहा है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2026 में फरवरी को छोड़कर सभी महीनों में एफपीआई शुद्ध विक्रेता रहे। जनवरी में 35,962 करोड़ रुपये की निकासी हुई जबकि फरवरी में 22,615 करोड़ रुपये का निवेश आया जो 17 महीनों में सबसे अधिक मासिक निवेश था। मार्च में हालांकि रुख अचानक बदला और रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई जो अप्रैल में भी 60,847 करोड़ रुपये की निकासी के साथ जारी रही।बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि निरंतर बिकवाली वैश्विक आर्थिक दबावों और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिमों का परिणाम है।

● वैश्विक आर्थिक अनिश्चतता का असर, अप्रैल 2026 में 60,847 करोड़ रुपये की निकासी

● मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के प्रमुख प्रबंधक (शोध) हिमांशु श्रीवास्तव कहते हैं कि अप्रैल की शुरुआत में पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया जिससे वैश्विक स्तर पर महंगाई को लेकर चिंताएं फिर बढ़ गईं। इससे ब्याज दरों में जल्द कटौती की उम्मीदें कम हुईं और वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल ऊंचे बने रहे, जिसका असर भारत सहित उभरते बाजारों पर पड़ा। कहा, यदि डब्ल्यूटीआई कच्चा तेल 90 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आता है तो विदेशी निवेश फिर स्थिर हो सकता है।

भारत में एप्पल के तिमाही राजस्व में 17 प्रतिशत वृद्धि

न्यूयॉर्क। एप्पल के सीईओ टिम कुक तिमाही राजस्व में 17 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि होने के बाद कहा कि वह भारत को लेकर बेहद उत्साहित हैं और इसे कंपनी के लिए एक बड़ा अवसर मानते हैं। एप्पल की 2026 की दूसरी तिमाही का आय विवरण देते हुए उन्होंने कहा, भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन बाजार और तीसरा सबसे बड़ा पीसी बाजार है।

कुक ने भारतीय बाजार को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में स्वीकार किया कि कंपनी का भारत में प्रदर्शन अच्छा रहने के बावजूद उसकी हिस्सेदारी अभी सीमित है। कुक ने भारत के बढ़ते मध्यम वर्ग और उसकी संभावनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि कंपनी के अधिकतर ग्राहक अभी ब्रांड के लिए नए हैं जो विकास के लिए अनुकूल माहौल बनाता है। उन्होंने कहा, कुल मिलाकर मैं भारत को लेकर बेहद उत्साहित हूं।

उम्मीद कम होने के बाद भी अप्रैल में यात्री वाहनों की बिक्री में तेज उछाल

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच अप्रैल में भी सालाना आधार पर कार और वैन जैसे यात्री वाहनों की घरेलू बिक्री में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया। देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन निर्माता मारुति सुजुकी की बिक्री में अप्रैल में 33 प्रतिशत का जबर्दस्त उछाल दर्ज किया गया और यह 2,39,646 इकाई के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई।

इसमें घरेलू बिक्री में 35 प्रतिशत का इजाफा हुआ और यह 1,91,122 इकाई पर पहुंच गई। इसके अलावा उसने भारत में दूसरी कंपनी के भी 8,470 वाहन बेचे। मारुति सुजुकी का निर्यात 40,054 इकाई रहा जो अप्रैल 2025 की तुलना में 44 प्रतिशत अधिक है। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स की यात्री वाहनों की कुल बिक्री 31 प्रतिशत बढ़ी और 59,701 इकाई रही। इसमें घरेलू बिक्री 31 फीसदी बढ़कर 59 हजार पर और निर्यात 111 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 701 इकाई पर रही। इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में 72 फीसदी का इजाफा हुआ और यह 9,150 इकाई हो गई।

महिंद्रा एंड महिंद्रा के उपयोगी वाहनों की बिक्री आठ प्रतिशत बढ़कर 56,331 इकाई पर रही। तिपहिया की बिक्री में 81 फीसदी की इजाफा हुआ और यह 9,899 इकाई हो गयी। दो टन से हल्के वाणिज्यक वाहनों की बिक्री 13 प्रतिशत बढ़कर 2,984 इकाई और दो से 3.5 टन तक के हल्के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री सात फीसदी बढ़कर 20,443 इकाई पर पहुंच गई। कंपनी का कुल निर्यात 47 फीसदी बढ़ा और 4,970 इकाई दर्ज किया गया। रेनो इंडिया की बिक्री अप्रैल 2025 के 2,602 से बढ़कर 5,413 इकाई हो गयी। निसान की घरेलू बिक्री 75 प्रतिशत बढ़कर 3,203 इकाई दर्ज की गयी। निर्यात भी 2,185 इकाई पर रहा। इस प्रकार कुल बिक्री 5,388 इकाई रही।

दो पायलटों की मौत से उभरी विश्राम के नियमों का पालन न होने पर चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी

● पायलटों के संगठन ने डीजीसीए से की नियमों में ढील न देने की मांग

पायलटों के संगठन एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ (एएलपीए) इंडिया ने शुक्रवार को नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से विमानन कंपनियों के लिए थकान से जुड़े मानकों में किसी भी तरह की ढील न देने की मांग की। यह मांग पिछले दो दिन में दो पायलट की दिल का दौरा पड़ने से हुई मौत के बाद की गई है।

संगठन ने कहा कि डीजीसीए को फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियमों के पूर्ण क्रियान्वयन के लिए समयबद्ध खाका तैयार करना चाहिए। साथ ही पायलटों की थकान की सूचना देने संबंधी प्रणाली पारदर्शी और जवाबदेही तय करने वाली हो तथा इसकी हर तिमाही सार्वजनिक जानकारी भी दी जाए। एएलपीए इंडिया ने कहा कि हाल की घटनाओं के बाद उड़ान सुरक्षा, नियामकीय विश्वसनीयता और पायलट के स्वास्थ्य को लेकर गंभीर चिंताएं हैं। एयर इंडिया और अकासा एयर के एक-एक पायलट की हाल ही में दिल का दौरा पड़ने से मौत हुई। दोनों उस समय ड्यूटी पर नहीं थे। एयर इंडिया के पायलट की बाली में निर्धारित विश्राम के दौरान और अकासा एयर के पायलट की प्रशिक्षण के दौरान मौत हुई।

संशोधित एफडीटीएल नियम में पायलटों के लिए अधिक विश्राम समय का प्रावधान है लेकिन यह अभी पूरी तरह लागू नहीं हुए हैं।

स्क्वायर याड्र्स का राजस्व 48% बढ़कर 2,086 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। परामर्श समेत विभिन्न सेवाएं देने वाली स्क्वायर याड्र्स की वित्त वर्ष 2025-26 में आय 48 प्रतिशत बढ़कर 2,086 करोड़ रुपये हो गई। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी की आय 1,410 करोड़ रुपये थी।

स्क्वायर याड्र्स ने कहा कि आय में भारत के कारोबार का योगदान 88 प्रतिशत रहा, जबकि शेष 12 प्रतिशत विदेशी परिचालनों से आया। वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का सकल लाभ 49 प्रतिशत बढ़कर 476 करोड़ रुपये हो गया, जो 2024-25 में 321 करोड़ रुपये था।

शुरुआत | अमित शाह ने रखी आधारशिला, कहा- पिछले 10 साल में देश में 70% बढ़ा दूध का उत्पादन

करगिल में स्थापित होगा 10,000 लीटर क्षमता का डेयरी प्लांट

लेह/जम्मू, एजेंसी

केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने करगिल में 10,000 लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले डेयरी संयंत्र की शुक्रवार को आधारशिला रखी। इसके साथ लद्दाख के लिए डेयरी विकास से जुड़ी कई पहल भी ऑनलाइन माध्यम से पेश कीं। इनमें मोबाइल दूध परीक्षण प्रयोगशालाएं, आधुनिक दूध शीतलन प्रणाली और डेयरी अवसंरचना को मजबूत करना शामिल है, ताकि यहां आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिल सके।

अधिकारियों ने बताया कि 10,000 लीटर प्रतिदिन क्षमता वाला आधुनिक डेयरी प्रसंस्करण संयंत्र लगभग 25 करोड़ रुपये की लागत से राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी इंडियन डेयरी मशीनरी कंपनी द्वारा स्थापित किया जा रहा है। यह परियोजना मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम के तहत लागू की जा रही है, जिसमें 12.74 करोड़ रुपये का अनुदान, 10 करोड़ रुपये की सहायता राष्ट्रीय डेयरी विकास फाउंडेशन से और शेष राशि एलयूटीडीसीएफ फंड के माध्यम सेउपलब्ध कराई जा रही है।

करगिल में लेह मिल्क प्लांट के नए उत्पादों के स्टॉल का निरीक्षण करते अमित शाह।

लद्दाख में डेयरी क्षेत्र के आधुनिकीकरण के लिए कदम

अधिकारियों ने कहा कि ये कदम लद्दाख के डेयरी क्षेत्र के आधुनिकीकरण, किसानों की आय बढ़ाने और खरीद प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा हैं। साथ ही बिजली से जुड़ी चुनौतियों को दूर करने, दूध संग्रह को सुव्यवस्थित करने और किसानों को समय पर डिजिटल भुगतान सुनिश्चित करने के उपाय भी किए गए हैं। भारतीय सेना के साथ नियमित दूध आपूर्ति व्यवस्था से इस क्षेत्र में डेयरी गतिविधियों को स्थिर बाजार मिला है जिससे संचालन की विश्वसनीयता बढ़ी है।

वर्ल्ड ब्रीफ

पूर्व सीईए सुब्रमण्यम शिकागो में सम्मानित

वॉशिंगटन। भारत के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार के.वी. सुब्रमण्यम को शिकागो विश्वविद्यालय द्वारा व्यावसायिक उपलब्धि के लिए प्रतिष्ठित पूर्व छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सुब्रमण्यम 1941 में प्रतिष्ठित पूर्व छात्र पुरस्कार की स्थापना के बाद से यह सम्मान प्राप्त करने वाले पहले भारतीय अर्थशास्त्री बन गए हैं। यह पुरस्कार विश्वविद्यालय के बृहस्पतिवार से शुरू हुए पूर्व छात्र सप्ताहांत समारोह में प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय ने कहा कि भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार के रूप में, सुब्रमणयम ने कोविड-19 के दौरान प्रमुख रूप से कार्य किया। इसमें सुब्रमण्यम द्वारा लिखित आर्थिक सर्वेक्षणों को ऐतिहासिक बताया गया

स्पीयर्स पर नशे में गाड़ी चलाने का आरोप

लॉस एंजिलिस। अमेरिकी गायिका ब्रिटनी स्पीयर्स पर कैलिफोर्निया में मादक पदार्थ और शराब के नशे में गाड़ी चलाने का आरोप लगाया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वेंचुरा काउंटी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी कार्यालय ने बताया कि 44 वर्षीय पॉप गायिका पर शराब पीकर और मादक पदार्थ के नशे में गाड़ी चलाने का बृहस्पतिवार को आरोप लगाया गया। इस मामले में स्पीयर्स के प्रतिनिधि ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की।

भारतीय राजदूत को ढाका में तलब किया

ढाका। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने भारत के कार्यवाहक उच्चायुक्त पवन बधे को तलब किया और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की कुछ टिप्पणियों पर औपचारिक विरोध दर्ज कराया। शर्मा ने पिछले सप्ताह सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा था कि असम में 20 विदेशी नागरिकों को पकड़ा गया और उन्हें बांग्लादेश वापस भेज दिया गया। शर्मा ने कहा था, अशिष्ट लोग प्यार की भाषा नहीं समझते। जब हम असम से उन घुसपैठियों को निकालते हैं तो खुद वापस नहीं जाते।

गुटेरेस ने बुद्ध जयंती की शुभकामनाएं दीं

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बुद्ध जयंती के अवसर पर दुनिया भर के बौद्ध समुदाय को शुभकामनाएं देते हुए वैश्विक शांति और एकजुटता का आह्वान किया है। गुटेरेस ने 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा कि वैसाख दिवस पर दुनिया भर के बौद्ध भगवान बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति और उनके महापरिनिर्वाण का स्मरण करते हैं।

असम के सीएम की पत्नी से जुड़े मामले में खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट ने दी अग्रिम जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा-मामला राजनीतिक प्रतिशोध से जुड़ा प्रतीत होता है

उच्चतम न्यायालय ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी पर लगाए गए आरोपों से संबंधित मामले में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत दे दी और कहा कि मामला राजनीतिक प्रतिशोध से जुड़ा प्रतीत होता है। न्यायमूर्ति जे. के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति ए. एस. चंदूरकर की पीठ ने कुछ शर्तों के साथ खेड़ा को अग्रिम जमानत देने का आदेश दिया।

अदालत का आदेश शुक्रवार को वेबसाइट पर अपलोड किया गया। इससे पहले बृहस्पतिवार को दिन में अदालत ने इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रखा था। खेड़ा ने आरोप लगाया था कि शर्मा की पत्नी के पास कई पासपोर्ट और विदेश में अघोषित संपत्तियां हैं। अदालत ने कहा, व्यक्तिगत आजादी एक बहुत महत्वपूर्ण मौलिक अधिकार है, और इससे वंचित किए जाने के लिए बहुत ठोस और मजबूत कारण होना जरूरी है, खासकर तब जब आसपास की परिस्थितियां यह दिखाती हों कि मामले में राजनीतिक पहलू छुपा हो सकता है।

अदालत ने कहा कि यदि अपराध शाखा थाने में दर्ज मामले में अपीलकर्ता (खेड़ा) की गिरफ्तारी हुई है तो उन्हें अग्रिम जमानत पर रिहा किया जाए। अदालत ने कहा कि रिहाई जांच अधिकारी द्वारा उचित समझी गई शर्तों और नियमों पर आधारित होगी।

सीजीएचएस की अपर निदेशक घूस लेने में गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने रिश्वतखोरी के एक मामले में केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) मेरठ (उप्र), की अपर निदेशक नताशा वर्मा और उनके पीए सन्नी को गिरफ्तार कर लिया है। सीबीआई ने बताया कि वर्मा के निजी सहायक सन्नी के खिलाफ गुरुवार को मामला दर्ज किया गया था। उसने एक सीजीएचएस कर्मचारी के मुरादाबाद से मेरठ में तबादले के एवज में स्वास्थ्य भवन, सीजीएचएस, मेरठ के अधिकारियों की ओर से 80,000 रुपये रिश्वत मांगी थी।

फिल्म निर्माता की ऑस्कर ट्रॉफी गुम, हवाई अड्डे पर हथियार मानकर कार्गो में भेजा था

लॉस एंजिलिस, एजेंसी

- न्यूयॉर्क से फ्रैंकफर्ट पहुंचने पर नहीं मिली डिब्बे में रखी ट्रॉफी

अकादमी पुरस्कार प्राप्त वृत्तचित्र 'मिस्टर नोबडी अगेंस्ट पुतिन' के सह-निर्देशक एवं रूसी फिल्म निर्माता पावेल तालांकिन की ऑस्कर ट्रॉफी तब गुम हो गई जब न्यूयॉर्क हवाई अड्डे पर सुरक्षा अधिकारियों ने उन्हें इसके साथ उड़ान भरने से रोक दिया। इस साल के अकादमी पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ फीचर वृत्तचित्र का पुरस्कार जीतने वाली फिल्म मिस्टर नोबडी अगेंस्ट पुतिन में मुख्य भूमिका निभाने वाले तालांकिन ने बताया कि बुधवार को जॉन एफ केनेडी हवाई अड्डे पर एक अधिकारी ने उनसे कहा कि वह लगभग 3.8 किग्रा वजनी ट्राफी को विमान में अपने साथ नहीं रख सकते। उन्होंने कहा कि मार्च में ऑस्कर जीतने के बाद से वह बिना किसी घटना के एक दर्जन से अधिक बार ट्रॉफी के साथ हवाई यात्रा कर चुके हैं। लुफ्थांसा की उड़ान से बृहस्पतिवार सुबह जर्मनी के फ्रैंकफर्ट पहुचे तालांकिन ने कहा कि यह बात पूरी तरह से समझ से परे है कि वे ऑस्कर (ट्रॉफी) को हथियार कैसे मानते हैं... (मैंने) इसे अपने साथ कैबिन में लेकर यात्रा की है, और कभी कोई समस्या नहीं हुई। तालांकिन को पुरस्कार को कार्गो के रूप में दर्ज करने के लिए कहा गया। अपने सामान की पहले ही जांच करा चुके फिल्म निर्माता को एयरलाइन अधिकारियों द्वारा गत्ते का डिब्बा दिया गया, और फिर दो एजेंटों ने ऑस्कर ट्रॉफी को 'बबल रैप' में लपेटा तथा उसे परिवहन के लिए ले गए। इस पूरी प्रक्रिया को तालांकिन ने अपने फोन में रिकॉर्ड किया। हालांकि, जब फिल्म निर्माता फ्रैंकफर्ट पहुंचे, तो वह डिब्बा कहीं नहीं मिला।

ईरान के खिलाफ युद्ध 60 दिन की तय समय सीमा से पहले ही समाप्त हो गया

अमेरिकी संसद से युद्ध की मंजूरी लेने की आवश्यकता से बचने को ट्रंप प्रशासन का तर्क

वॉशिंगटन, एजेंसी

ट्रंप प्रशासन ने शुक्रवार को स्पष्ट किया है कि अमेरिका और ईरान के बीच कोई युद्ध नहीं चल रहा है। ईरान के खिलाफ युद्ध तो 60 दिन की तय समय सीमा से पहले ही समाप्त हो गया। ट्रंप प्रशासन कांग्रेस (अमेरिकी संसद) से युद्ध की मंजूरी लेने की आवश्यकता से बचने के लिए तर्क दे रहा है कि अप्रैल में शुरू हुए युद्धविराम समझौते के बाद ईरान में युद्ध समाप्त हो गया है। यह बयान रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ द्वारा बृहस्पतिवार को सीनेट के समक्ष दिए गए बयान की पुष्टि करता है, जिसमें उन्होंने कहा था कि युद्धविराम ने प्रभावी रूप से युद्ध को रोक दिया है।

यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका में इस बात पर बहस छिड़ गई है कि क्या सैन्य अभियानों के लिए तय 60 दिनों की कानूनी समय सीमा खत्म हो गई है। इस विवाद ने अमेरिकी संसद (कांग्रेस) में नए कानूनी और संवैधानिक सवाल खड़े कर दिए हैं। अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने तर्क दिया कि फिलहाल इस सैन्य अभियान के लिए संसद से अलग से मंजूरी लेने की जरूरत नहीं है, क्योंकि अभी कोई सक्रिय लड़ाई नहीं हो रही है। उन्होंने एक टीवी इंटरव्यू में कहा, मुझे नहीं लगता कि अभी कहीं बमबारी या गोलीबारी जैसी कोई सक्रिय सैन्य गतिविधि चल रही है। फिलहाल हम शांति समझौता कराने की कोशिश कर रहे हैं, हम युद्ध में नहीं हैं। दरअसल, अमेरिका में 1973 का 'वॉर पावर्स रेजोल्यूशन' लागू है। यह कानून राष्ट्रपति को पाबंद करता है कि अगर वह कहीं सैन्य कार्रवाई शुरू करते हैं, तो उन्हें 60 दिनों के भीतर सेना वापस बुलानी होगी, जब तक कि संसद उस कार्रवाई को आगे बढ़ाने की विशेष अनुमति न दे दे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो मार्च को इस अभियान के बारे में संसद को जानकारी दी थी, जिसके हिसाब से एक मई को 60 दिन पूरे हो रहे हैं। हालांकि, सांसदों के बीच इस बात को लेकर मतभेद हैं कि समय सीमा खत्म हुई है या नहीं। विवाद का मुख्य कारण यह है कि क्या युद्ध के बीच में आए अस्थायी ठहराव या शांति के समय को भी इन 60 दिनों में गिना जाना चाहिए। व्हाइट हाउस का कहना है कि बीच में हुए संघर्ष विराम की वजह से यह समय सीमा प्रभावी रूप से रुक गई थी। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सीनेट में सुनवाई के दौरान कहा कि युद्धविराम के दौरान 60 दिनों की इस अवधि को 'रोका' जा सकता है।

साठ दिन से अधिक पर संसद की मंजूरी आवश्यक

इस आधार पर ट्रंप प्रशासन 1973 के कानून द्वारा अनिवार्य उस शर्त को पूरा नहीं कर रहा है जिसके तहत 60 दिनों से अधिक की सैन्य कार्रवाई के लिए संसद से औपचारिक स्वीकृति आवश्यक है। नाम नहीं प्रकाशित करने की शर्त पर एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस कानून के हिसाब से 28 फरवरी शनिवार को शुरू हुआ युद्ध समाप्त हो गया है।'' अधिकारी ने कहा कि सात अप्रैल से शुरू हुए दो सप्ताह के युद्धविराम के बाद से अमेरिकी सेना और ईरान के बीच गोलीबारी नहीं हुई है। हालांकि युद्धविराम के समय को बढ़ा दिया गया है और ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण बनाए रखा है वहीं ईरान के तेल टैंकर को समुद्र में जाने से रोकने के लिए अमेरिका की नाकाबंदी जारी है। राष्ट्रपति की सैन्य शक्तियों को नियंत्रित करने वाले कानून 'वॉर पावर्स रिजोल्यूशन' के तहत, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास शुक्रवार तक संसद से अनुमति लेने या युद्ध रोकने का समय था। यह कानून प्रशासन को इस समय सीमा को 30 दिन तक बढ़ाने की अनुमति भी देता है।

राष्ट्रपति ट्रंप बोले-अमेरिका से समझौता करने के लिए बेताब है ईरान

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान युद्ध को समाप्त करने के लिए समझौता करने को बेताब है और उन्होंने हवाई हमलों को फिर से शुरू करने की संभावना को लगभग खारिज कर दिया। ट्रंप ने बृहस्पतिवार दोपहर ओवल ऑफिस में मीडिया से बातचीत में ये टिप्पणियां ऐसे समय में कीं जब ईरान ने धमकी दी है कि यदि अमेरिका ने फिर हमले किए तो वह भी हमले कर जवाबी कार्रवाई करेगा। अमेरिका और ईरान ने आठ अप्रैल को युद्धविराम पर सहमति जताई थी तब से युद्ध अस्थायी रूप से रुका हुआ है। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह पुन: हमले करेंगे तो उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि हमें इसकी जरूरत है। अमेरिका के राष्ट्रपति ने दावा किया कि सैन्य कार्रवाई ने ईरान की क्षमताओं को काफी हद तक कमजोर कर दिया है। उन्होंने कहा, उनकी नौसेना खत्म हो गई है। उनकी वायुसेना खत्म हो गई है उनके करीब 82 प्रतिशत ड्रोन कारखाने ठप हो गए हैं। उनके मिसाइल उत्पादन पर भी असर पड़ा है। उनके मिसाइल कारखाने लगभग 90 प्रतिशत तक ठप हो गए हैं। ट्रंप ने कहा कि हमने उनकी परमाणु क्षमता को पूरी तरह नष्ट कर दिया है और होर्मुज जलडमरूमध्य की अमेरिकी नाकाबंदी के परिणामस्वरूप ईरानी अर्थव्यवस्था चरमरा रही है।

मृतक संख्या बढ़कर नौ हुई 28 लोगों को बचाया गया

मध्य प्रदेश क्रूज हादसा

जबलपुर, एजेंसी

- बरगी बांध में डूबे छह अन्य लोगों की तलाश कर रही हैं बचाव-राहत में लगीं एजेंसियां

मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले में बरगी बांध में क्रूज नाव पलटने की घटना में मृतकों की संख्या शुक्रवार को बढ़कर नौ हो गई। अधिकारियों ने बताया कि डूबी हुई नाव से पांच और शव बरामद किए गए हैं, जबकि छह अन्य लोगों की तलाश अभी जारी है। उन्होंने बताया कि अब तक 28 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। सेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीमें लापता लोगों की तलाश में अभियान तेज कर रही हैं।

मध्यप्रदेश के पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने बातचीत में कहा कि बृहस्पतिवार को चार शव मिले थे, जबकि शुक्रवार तड़के बचाव अभियान के दौरान पांच और शव बरामद हुए, जिससे मृतकों की संख्या नौ हो गई। उन्होंने कहा कि घटना की विस्तृत जांच कराई जाएगी और एक जीवित बचे व्यक्ति द्वारा लाइफ जैकेट के मुद्दे को उठाने की भी पड़ताल की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, यह हादसा बृहस्पतिवार शाम नर्मदा नदी पर बने बरगी बांध में अचानक आए तूफान के दौरान हुआ, जिससे क्रूज नाव पलट गई।

जबलपुर के पुलिस उप महानिरीक्षक अतुल सिंह ने कहा कि आशंका है कि कुछ शव अभी भी नाव के भीतर फंसे हो सकते हैं, लेकिन कम दृश्यता के कारण सटीक स्थिति का पता लगाना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने बताया कि सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें संयुक्त रूप से बचाव और तलाश अभियान चला रही हैं। इसके अलावा जल संसाधन और लोक निर्माण विभाग के साथ-साथ पास स्थित एक जल संयंत्र की निर्माण एजेंसी भी तकनीकी सहयोग दे रही है। सिंह ने बताया कि स्थानीय निर्माण एजेंसी के कर्मचारियों ने सबसे पहले मौके पर पहुंचकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और नाव से निकलकर बाहर आए लोगों को सुरक्षित किनारे तक पहुंचाने में मदद की। उन्होंने कहा कि जब तक नाव के अंदर की पूरी तरह से जांच नहीं हो जाती और यह सुनिश्चित नहीं कर लिया जाता कि कोई और शव नहीं बचा है, तब तक डूबी हुई नाव को बाहर नहीं निकाला जाएगा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज हवा के कारण पानी में लहरें उठीं, जिससे नाव में सवार लोगों ने शोर मचाकर चालक दल से नाव को किनारे की ओर ले जाने की अपील की, लेकिन चालक दल तक आवाज नहीं पहुंच सकी और नाव बहते हुए पलट गई। उन्होंने बताया कि कुछ स्थानीय लोगों ने रस्सी की मदद से लाइफ जैकेट पहने यात्रियों को बचाया।

हादसे की जांच के आदेश क्रूज के संचालन पर रोक

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने जबलपुर जिले के बरगी बांध में हुए क्रूज हादसे की जांच का शुक्रवार को आदेश दिया और राज्य में क्रूज के संचालन पर रोक लगा दी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मृतकों के परिजन के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि हादसे के दौरान लोगों की जान बचाने के लिए जोखिम उठाने वाले स्थानीय निवासियों को उनकी बहादुरी के लिए स्वतंत्रता दिवस पर सम्मानित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी घटना पर दुख जताया और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से मृतकों के परिजन को दो-दो लाख रुपये तथा घायलों को 50-50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

चीन अपने अंतरिक्ष स्टेशन का और विस्तार करेगा

- नासा के आईएसएस बंद करने की योजना के बीच तैयारी

बीजिंग। चीन पृथ्वी की कक्षा में स्थित अपने अंतरिक्ष स्टेशन का विस्तार करने की योजना बना रहा है, जिससे इसका आकार संभावित रूप से दोगुने से भी अधिक हो जाएगा। यह कदम ऐसे समय सामने आया है जब अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) को वर्ष 2031 तक चरणबद्ध तरीके से बंद करने की योजना बना रही है। वर्तमान में, चीन का तियांगोंग और आईएसएस कक्षा में मौजूद हैं, जो नासा के साथ-साथ रूस, यूरोप, जापान और कनाडा की अंतरिक्ष एजेंसियों की एक सहयोगी परियोजना है। नासा की योजना अंतरिक्ष में मानव निर्मित सबसे बड़ी संरचना 'आईएसएस' को बंद करने की है। इससे चीनी अंतरिक्ष स्टेशन पृथ्वी की परिक्रमा करने वाला अपनी तरह का एकमात्र स्टेशन बन जाएगा। चीन ने अपना अंतरिक्ष स्टेशन तब बनाया जब उसे आईएसएस से कथित तौर पर बाहर कर दिया गया। चीन वर्तमान में एकमात्र ऐसा देश है जिसके पास एक अंतरिक्ष स्टेशन है जो 2022 में चालू हुआ था। यह स्टेशन फुटबॉल कोर्ट के आकार के अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की तुलना में अपेक्षाकृत छोटा है, जिसमें कई अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष यात्रियों ने 1998 में इसके संचालन शुरू होने के बाद से 3,000 से अधिक प्रयोग किए हैं।

एनसीबी ने मुंबई में 1745 करोड़ की 349 किलो कोकीन जब्त की

नई दिल्ली। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने संगठित नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए ऑपरेशन व्हाइट स्ट्राइक के अंतर्गत बड़े अंतरराष्ट्रीय कोकीन तस्करी सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है और मुंबई एवं आसपास के लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर से लगभग 349 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाली कोकीन जब्त की है जिसकी अवैध बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 1,745 करोड़ रुपये है। ब्यूरो ने शुक्रवार को बताया कि यह सफलता उसके छह महीने लंबे उच्च स्तरीय ऑपरेशन के तहत निरंतर खुफिया जानकारी इकट्ठा करने और निगरानी से मिली है। ब्यूरो की कई टीमों ने विशिष्ट और विश्वसनीय सूचनाओं पर कार्रवाई करते हुए कलंबोली-भिवंडी कॉरिडोर (नवी मुंबई - ठाणे क्षेत्र) में समन्वित छापेमारी की और गोदामों की अवसंरचना तथा छिपे हुए परिवहन तंत्र का उपयोग करने वाले एक अत्यधिक संगठित अंतर्राष्ट्रीय ड्रग सप्लाई नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इस सफलता के लिए ब्यूरो को बधाई देते हुए कहा, हम नशीले पदार्थों के कार्टेल को बेरहमी से कुचलने के लिए पूरी तरह संकल्पबद्ध हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने मुंबई में एक बड़े अंतर्राष्ट्रीय नशीले पदार्थों के रिंग पर सख्त कार्रवाई करते हुए 349 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाली कोकीन जब्त की है, जिसकी कीमत 1,745 करोड़ रुपये है। यह 'बॉटम टू टॉप' अप्रोच का एक बेहतरीन उदाहरण है, जिसमें एजेंसी ने एक छोटी खेप को ट्रेस करते हुए एक विशाल नेटवर्क को पकड़ा। टीम एनसीबी को इस ऐतिहासिक सफलता के लिए बधाई। यह सफल ऑपरेशन नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति को स्पष्ट रूप से प्रतिबिंबित करता है।

ईयू देशों में एक हो दुष्कर्म की परिभाषा

ब्रसेल्स। यूरोपीय संसद के सांसदों ने मांग की है कि पूरे यूरोपीय संघ में बलात्कार की एक जैसी परिभाषा लागू होनी चाहिए। उनका कहना है कि बलात्कार के मामलों में केवल शारीरिक हिंसा को ही आधार न माना जाए, बल्कि सहमति के अभाव को मुख्य आधार बनाया जाए।

सू की को जेल से घर में किया नजरबंद

नेपीडा। म्यांमार की सैन्य अधिकारियों ने देश की प्रमुख नेता आंग सान सू की को जेल से निकाल कर घर में नजरबंद कर दिया है। कैदियों को दी गई माफी के तहत उनकी सजा में कटौती के बाद यह फैसला लिया गया है। देश में सत्तासीन जुंटा प्रमुख मिन आंग हलिंग ने कथित तौर पर 80 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता सू की की सजा का कुछ हिस्सा कम कर दिया है और आदेश दिया है कि शेष सजा एक तयशुदा निवास स्थान पर काटी जाएगी। सू की लगभग पांच वर्षों से जेल में थीं। उन्हें एक फरवरी, 2021 को उस समय गिरफ्तार किया गया था जब सेना ने उनको सत्ता से हटाकर देश का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया था।

कारोबारी से ठगी : खरात को चार दिन की पुलिस हिरासत

- आठ अन्य मामलों में खरात पर हैं महिलाओं से शोषण के आरोप

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक की एक अदालत ने शुक्रवार को स्वयंभू 'बाबा' अशोक खरात को पुणे के एक कारोबारी से पांच करोड़ रुपये से अधिक की ठगी के मामले में चार मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। खरात से जुड़े मामलों की जांच कर रहे एसआईटी ने 30 अप्रैल को अदालत में आवेदन दायर कर इस ठगी मामले में उनकी हिरासत मांगी थी। स्वयंभू बाबा के खिलाफ दर्ज यह नौवां मामला है। अन्य आठ मामलों में खरात पर महिलाओं के यौन शोषण के आरोप हैं। सुरक्षा कारणों से अदालत की कार्यवाही वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये हुई। पुलिस ने सुनवाई के दौरान स्वयंभू बाबा की हिरासत की मांग की, लेकिन बचाव पक्ष ने इसका कड़ा विरोध करते हुए कहा कि एसआईटी हर बार पुलिस हिरासत के लिए एक जैसा कारण देती है और हिरासत के लिए कोई मजबूत आधार नहीं है। हालांकि, अदालत ने अभियोजन पक्ष की यह दलील स्वीकार कर ली कि यह अलग (ठगी से जुड़ा) मामला है और इसमें बड़ी धनराशि शामिल होने के कारण आगे की जांच आवश्यक है। इसके बाद अदालत ने खरात को चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। शिकायत में पुणे के कारोबारी ने आरोप लगाया कि उसने अशोक खरात की म्यांमा, ग्रीनलैंड और अमेरिका की यात्राओं का खर्च उठाया।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज मित्रों से मुलाकात पुरानी यादें ताजा करेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। तकनीकी कौशल दिखाने का अवसर मिलेगा।

तुला – आज का दिन नए अनुबंधों पर हस्ताक्षर करने के लिए शुभ है। व्यापारिक साझेदारों के साथ संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृष – आज आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं। परिवार के साथ सुखद समय व्यतीत होगा। निवेश के लिए विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

वृश्चिक – आज का दिन आपके पराक्रम में वृद्धि लाएगा। कोर्ट-कचहरी के मामलों में सफलता मिल सकती है। पुराने रोगों से राहत मिलेगी।

मिथुन – आज संपर्कों का दायरा बढ़ेगा। नए व्यावसायिक अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा के योग बन रहे हैं, जो सुखद और लाभदायक रहेंगे।

धनु – आज शिक्षा और प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता के योग हैं। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी। आपकी रचनात्मकता नए रास्ते खोलेगी।

कर्क – आज आप आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव करेंगे। रुके हुए कार्य गति पकड़ेंगे। संतान पक्ष से कोई सुखद समाचार मिल सकता है।

मकर – आज कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। स्वयं पर भरोसा रखें। घरेलू मोर्चे पर कुछ बदलाव करने का विचार कर सकते हैं।

सिंह – आज सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट की कमान मिल सकती है। उधार के लेन-देन से दूरी बनाए रखें।

कुंभ – आज व्यावसायिक यात्राएं सफल होंगी। संचार के माध्यमों से कोई खुशखबरी मिल सकती है। साहस के साथ नए कदम बढ़ाएं।

कन्या – आज कोई भी निर्णय भावनाओं में बहकर न लें। गुप्त शत्रुओं से सावधान रहने की आवश्यकता है। वाणी पर संयम रखें।

मीन – आज धन संचय के प्रयास सफल होंगे। व्यवहार में सौम्यता बनाएं रखें। परिवार में मांगलिक आयोजन की चर्चा हो सकती है।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

आज की ग्रह स्थिति : 2 मई, शनिवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- ज्येष्ठ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा 3 मई 00 .49 तक तत्पश्चात द्वितीया।

दिशाशूल-पूर्व, **ऋतु**- ग्रीष्म।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।
ताराबल-भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-विशाखा पूर्ण रात्रि।

सुडोकू - 136 का हल

4	5	8	3	1	6	2	9	7
9	3	1	5	7	2	6	8	4
6	7	2	4	9	8	1	5	3
7	2	9	8	6	3	5	4	1
1	8	5	2	4	9	7	3	6
3	6	4	7	5	1	8	2	9
2	9	3	1	8	7	4	6	5
8	4	7	6	3	5	9	1	2
5	1	6	9	2	4	3	7	8

सुडोकू -137

		9	5	4				
2	3				9			
4				6				
8			9					
	7						5	
			1		7			
	1			9		6		4
	9		4					8
5				3	2	7		

डेटा चोरी

अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा और साइबर सुरक्षा को गंभीर खतरे का दिया हवाला

चीन में निर्मित एआई मॉडलों की जांच कर रही अमेरिकी संसद

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी संसद की दो शक्तिशाली समितियों ने चीन से जुड़ी कंपनियों द्वारा बनाए गए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल की एक बड़ी जांच शुरू की है। सांसदों को डर है कि इन चीनी एआई मॉडलों से अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा और साइबर सुरक्षा को गंभीर खतरा हो सकता है, जिसमें डेटा की चोरी और रणनीतिक रूप से चीन पर बढ़ती निर्भरता शामिल है।

होमलैंड सिक्योरिटी कमेटी के अध्यक्ष एंड्रयू आर. गारबारिनो और चीन मामलों की कमेटी के अध्यक्ष जॉन मूलनार ने इस जांच का ऐलान किया। उनका मुख्य ध्यान डीपसीक, अलीबाबा, मूनशॉट एआई और मिनीमैक्स जैसी चीनी कंपनियों पर है, जिनके सस्ते एआई सिस्टम दुनिया भर में बहुत तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। जांच में सबसे बड़ा आरोप यह है कि चीनी कंपनियां मॉडल डिस्टिलेशन नाम की तकनीक का प्रयोग कर रही हैं।

आसान भाषा में कहें तो, ये कंपनियां अवैध तरीकों और फर्जी खातों के जरिए अमेरिका के महंगे और आधुनिक एआई सिस्टम की खूबियां चुरा लेती हैं। फिर वे उन्हीं खूबियों को अपने सस्ते एआई मॉडल में डाल देती हैं, लेकिन उनमें वो सुरक्षा घेरे (सेफगार्ड्स) नहीं होते जो अमेरिकी सिस्टम में अनिवार्य हैं। सांसदों ने चेतावनी दी है कि अमेरिकी कंपनियां शोध में अरबों डॉलर खर्च करती हैं, जबकि चीनी कंपनियां बहुत कम लागत में उस मेहनत को चुरा रही हैं। उन्होंने कहा कि बिना सुरक्षा मानकों वाले इन मॉडलों का इस्तेमाल आतंकी संगठन, अपराधी या दुश्मन देश गलत कामों के लिए कर सकते हैं। जांच के पहले चरण में एनीस्फीयर और एयरबीएनबी जैसी कंपनियों से जवाब मांगा गया है। एयरबीएनबी से पूछा गया है कि वह अपनी ग्राहक सेवा के लिए अलीबाबा के एआई मॉडल पर क्यों निर्भर है।

चीन ने अमेरिका-चीन संबंधों में ताइवान को बताया सबसे बड़ा खतरा

ताइपे। ताइवान ने चीन के उस बयान पर शुक्रवार को चिंता जताई, जिसमें उसने कहा है कि स्वशासित ताइवान, चीन-अमेरिका संबंधों के लिए सबसे बड़ा जोखिम है। ताइवान की सरकार ने यह चिंता चीन और अमेरिका के शीर्ष राजनयिकों के बीच हुई बातचीत के कुछ घंटे बाद बीजिंग के संबंधित बयान के बाद जताई। ताइवान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि ताइवान का विदेश मंत्रालय चीन के बयान को लेकर चिंतित है जिसमें एक बार फिर ताइवान मुद्दे पर धमकी भरी बातें की गई हैं। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने बृहस्पतिवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ हुई बातचीत में कहा कि अमेरिका को ताइवान के मुद्दे पर सही विकल्प चुनना चाहिए, ताकि दोनों देशों के बीच स्थिरता बनी रहे। यह जानकारी चीनी विदेश मंत्रालय के बयान में दी गई। यह बातचीत उस बहुप्रतीक्षित शिखर सम्मेलन से लगभग दो हफ्ते पहले हुई है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात होने की उम्मीद है। इस बैठक में ताइवान प्रमुख मुद्दों में से एक माना जा रहा है। चीन, ताइवान को अपना अलग हुआ प्रांत मानता है और आवश्यकता पड़ने पर बल प्रयोग से उसे फिर से अपने नियंत्रण में लेने की बात करता है।

दक्षिण अफ्रीका के पाठ्यक्रम में रखें भारतीय इतिहास

जोहानिसबर्ग। साउथ अफ्रीकन हिंदू धर्म सभा ने दक्षिण अफ्रीका में संशोधित किए जा रहे स्कूल पाठ्यक्रम में भारतीयों के इतिहास को पर्याप्त स्थान देने की मांग की है। एक खुले पत्र में सभा के अध्यक्ष राम महाराज ने कहा कि भारतीय समुदाय के इतिहास को पाठ्यक्रम में समुचित रूप से शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि 1981 में डरबन में आयोजित पहले राष्ट्रीय हिंदू सम्मेलन में हिंदू धर्म सभा ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर स्कूल पाठ्यक्रम में भारतीयों के इतिहास को पर्याप्त रूप से शामिल करने की मांग की थी।

एमएस धोनी मैच के दिनों में स्टेडियम में मौजूद नहीं रहते हैं, ताकि उनकी मौजूदगी से टीम का ध्यान न भटके। जाहिर है, कैमरे ज्यादातर उन्हीं पर फोकस करेंगे। दर्शक उनके लिए चीयर करेंगे और ऐसी ही दूसरी चीजें होंगी। वह पूरी तरह से टीम को समर्पित इंसान हैं।
– माइकल हसी, सीएसके के बैटिंग कोच

स्टेडियम

कानपुर नगर, शनिवार, 2 मई 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

चेन्नई सुपर किंग्स

बनाम

मुंबई इंडियंस

समय - शाम 7:30 बजे

दिल्ली कैपिटल्स ने हासिल किया अपने आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा लक्ष्य

आईपीएल-2026 : राजस्थान रॉयल्स को सात विकेट से हराया, केएल राहुल ने खेली शानदार पारी

अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते केएल राहुल। एजेंसी

जयपुर, एजेंसी

केएल राहुल (75), पथुम निसंका (62) और नीतीश कुमार राणा (33) की विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 43वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को पांच गेंद शेष रहते सात विकेट से हराकर अपनी चौथी जीत दर्ज करते हुए आईपीएल इतिहास का अपना सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल किया।

यह टूर्नामेंट में आरआर की चौथी हार है। आशुतोष शर्मा 15 गेंदों में (नाबाद 25) और ट्रिस्टन स्टब्स 11 गेंदों में (नाबाद 18) रनों की सूझबूझ भरी पारी ने आखिरीकार दिल्ली कैपिल्टस को आईपीएल इतिहास की सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत दिला दी। 226 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स को पथुम निसंका और केएल राहुल की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 110 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई। 10वें ओवर में रवींद्र जडेजा ने पथुम निसंका को पगबाधा आउट कर आरआर को पहली सफलता दिलाई। पथुम निसंका ने 33 गेंदों में छह चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 62 रनों की पारी खेली। 15वें ओवर में नीतीश कुमार रेड्डी आउट हुये। उन्होंने 17 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए 33 रन बनाये। अगले ही ओवर में जोफ्रा आर्चर ने केएल राहुल को आउट कर दिल्ली कैपिटल्स को बड़ा झटका दिया। केएल राहुल ने 40 गेंदों में छह चौके और पांच छक्के उड़ाते हुए 75 रनों की पारी खेली। दिल्ली कैपिटल्स ने 19.1 ओवर में तीन विकेट पर 226 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से अपने नाम कर लिया। आशुतोष शर्मा ने अपनी पारी में चार चौके लगाये। वहीं स्टब्स ने एक चौका और एक छक्का जड़ा। आरआर के लिए जोफ्रा आर्चर, तुषार देशपांडे और रवींद्र जडेजा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां कप्तान रियान पराग (90), डॉनोवन फरेरा (नाबाद 47) और ध्रुव जुरेल (42) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 225 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। राजस्थान रॉयल्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान रॉयल्स को मिचेल स्टार्क और काइल जेमीसन ने शुरुआती झटके दिये। पहले ओवर में स्टार्क ने यशस्वी जायसवाल (छह) को आउट किया। अगले ही ओवर में जेमीसन ने धाकड़ बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी (चार) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। 12 रन के स्कोर पर अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा चुकी आरआर को ध्रुव जुरेल और रियान पराग की जोड़ी ने संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे के लिए 102 रनों की साझेदारी हुई। 12वें ओवर में अक्षर पटेल ने ध्रुव जुरेल को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। जुरेल ने 30 गेंदों में चार चौके और एक छक्का उड़ाते हुए 42 रनों की पारी खेली। 17वें ओवर में मिचेल स्टार्क ने दूसरी गेंद पर रवींद्र जडेजा 14 गेंदों में (20) रन को आउट किया।

राजस्थान रॉयल्स

225/6 (20 ओवर)

यशस्वी जायसवाल का एवं बो स्टार्क	06
वैभव सूर्यवंशी बो जैमीसन	04
ध्रुव जुरेल का स्टब्स बो पटेल	42
रियान पराग का अक्षर बो स्टार्क	90
रविंद्र जडेजा का आशुतोष बो स्टार्क	20
डोनोवन फरेरा नाबाद	47
शुभम दुबे का आशुतोष बो नटराजन	06
जोफ्रा आर्चर नाबाद	01

अतिरिक्त : 09, **विकेट पतन** : 1-6, 2-12, 3-114, 4-167, 5-168, 6-208

गेंदबाजी : स्टार्क 4-0-40-3, जैमीसन 4-0-48-1, अक्षर 4-0-39-1, कुलदीप 4-0-41-0, नटराजन 4-0-54-1

दिल्ली कैपिटल्स

226/3 (19.1 ओवर)

पाथुम निसांका पगबाधा बो जडेजा	62
केएल राहुल का फरेरा बो आर्चर	75
नीतिश राणा का जुरेल बो देशपांडे	33
ट्रिस्टन स्टब्स नाबाद	18
आशुतोष राणा नाबाद	25

अतिरिक्त : 13, **विकेट पतन** : 1-110, 2-171, 3-177, **गेंदबाजी** : आर्चर 4-0-46-1, बर्गर 3-0-41-0, देशपांडे 4-0-38-1, बृजेश 3.1-0-35-0, बिश्नोई 2-0-28-0, जडेजा 3-0-33-1

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	8	6	1	1	13	1.043
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	9	6	3	0	12	1.420
3.	सनराइजर्स हैदराबाद	9	6	3	0	12	0.832
4.	राजस्थान रॉयल्स	10	6	4	0	12	0.510
5.	गुजरात टाइटंस	9	5	4	0	10	-0.192
6.	दिल्ली कैपिटल्स	9	4	5	0	8	-0.895
7.	चेन्नई सुपर किंग्स	8	3	5	0	6	-0.121
8.	कोलकाता नाइट राइडर्स	8	2	5	1	5	-0.751
9.	मुंबई इंडियंस	8	2	6	0	4	-0.784
10.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	8	2	6	0	4	-1.106

ऑरेंज कैप

- केएल राहुल दिल्ली-433 रन
- अभिषेक शर्मा हैदराबाद -425 रन
- हेनरिक क्लासेन हैदराबाद-414 रन

पर्पल कैप

- भुवनेश्वर कुमार बेंगलुरु-17 विकेट
- जोफ्रा आर्चर राजस्थान-15 विकेट
- इशान मलिंगा हैदराबाद-15 विकेट

मैदान से इतर के विवाद टीम के लिए सकारात्मक संकेत नहीं : संगकारा

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा ने कहा कि मैदान से बाहर की दो घटनाओं के लिए कप्तान रियान पराग और सहयोगी स्टाफ के एक सदस्य पर लगाए गए जुर्माने से टीम की छवि पर बुरा असर पड़ता है। पराग पर पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान गुरुवार को ड्रेसिंग रूम में ई-सिगरेट का सेवन करने के लिए उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। उन्हें खेल की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का दोषी पाया गया। इससे पहले टीम मैनेजर रोमी भिंडर पर डगआउट में फोन के इस्तेमाल से संबंधित नियमों का उल्लंघन करने के लिए एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच से पहले संगकारा ने कहा मुझे लगता है कि इससे निश्चित रूप से टीम पर सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है, फिर चाहे वह किसी भी तरह का विवाद हो। उन्होंने कहा मैं बस इतना ही कह सकता हूं कि बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) और फ्रेंचाइजी ने दोनों ही मामलों पर ध्यान दिया है। जहां तक संस्कृति की बात है, हम हमेशा सकारात्मक और स्वस्थ संस्कृति बनाए रखने की कोशिश करते हैं। हमारे अपने मूल्य हैं जिनका हम पालन करते हैं। खिलाड़ियों को लगातार याद दिलाया जाता है कि वे फ्रेंचाइजी और हमारी संस्कृति और मूल्यों के प्रति जिम्मेदार रहें। बीसीसीआई ने गुरुवार को बयान जारी करके कहा था कि पराग को दंडित करने के बाद वह राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई करने पर विचार कर रहा है। पराग को इस सत्र के लिए राजस्थान रॉयल्स का कप्तान नियुक्त किया गया है लेकिन वह अभी तक बल्लेबाजी में खास प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं, लेकिन संगकारा ने उनका बचाव किया। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि उन्होंने कप्तान के तौर पर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।

हाईलाइट

एथेंस के पास पिराएस में ओलंपियाकोस और एएस मोनाको के बीच यूरोलीग प्लेऑफ बास्केटबॉल प्रतियोगिता देखते टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच (बाएं) व मिल्वौकी बक्स के जियानिस एंटेटोकोउनम्पो। एजेंसी

भारत टेस्ट रैंकिंग में तीसरे स्थान पर

दुबई। सालाना अपडेट का पुरुषों की टेस्ट रैंकिंग में टॉप दो टीमों पर कोई असर नहीं पड़ा। ऑस्ट्रेलिया नंबर 1 पर अपना दबदबा बनाए हुए है और तीन अंकों की बढ़त के साथ 131 अंकों पर पहुँचकर अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। मौजूदा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका भी नंबर 2 पर मजबूती से कायम है, जिसे तीन अंकों की इसी तरह की बढ़त से फ़ायदा मिला है और वह 119 अंकों पर पहुँच गई है। भारत एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे (104) स्थान पर पहुँच गया है, और उसने इंग्लैंड (102) को पीछे छोड़ दिया है। इंग्लैंड एक स्थान नीचे खिसक गया है क्योंकि 23 अप्रैल, 2023 से पहले के नतीजों का वेटेज अब रैंकिंग में शामिल नहीं है। इन नतीजों में न्यूज़ीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ़ घरेलू सीरीज़ में मिली जीत, और पाकिस्तान में 3-0 से मिली जीत शामिल थी। पाकिस्तान (89) को भी सालाना अपडेट से फ़ायदा मिला है। वेस्ट इंडीज़, बांग्लादेश और ज़िम्बाब्वे टॉप 10 में शामिल हैं, वहीं आयरलैंड रैंकिंग से बाहर हो गया है क्योंकि उसने रेटिंग अवधि में जरूरी मैच नहीं खेले हैं।

विश्व एथलेटिक्स रिले में हिस्सा लेंगी भारत की पांच टीमें

गैबोर्न (बोत्सवाना)। भारत की पांच टीमें शनिवार से यहां शुरू हो रही विश्व एथलेटिक्स रिले में हिस्सा लेंगी और अगले साल की विश्व चैंपियनशिप में जगह बनाने की कोशिश करेंगी। 21 सदस्यों वाली भारतीय टीम की अगुवाई स्टार स्प्रिंटर अनिमेष कुजूर कर रहे हैं और इस टीम में आठ महिला भी शामिल हैं। पहले दिन की शुरुआत मिश्रित चार गुणा 100 मीटर स्पर्धा के क्वालीफाइंग राउंसड से होगी। इसके बाद मिश्रित चार गुणा 400 मीटर, महिलाओं की चार गुणा 100 मीटर, पुरुषों की चार गुणा 100 मीटर और पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर में पहले दौर की क्वालीफाइंग रेस होंगी। मिश्रित चार गुणा 100 मीटर रिले ने 2025 में विश्व रिले के पिछले चरण में अपना वैश्विक पदार्पण किया था।

फेड कप में हिस्सा नहीं लेने पर प्रतिबंधित हो सकते हैं एथलीट

नई दिल्ली, एजेंसी

- एएफआई ने ठोस वजह बताने के दिए निर्देश

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने घोषणा की है कि कोई भी एथलीट जो 22-25 मई तक रांची में होने वाले राष्ट्रीय सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन कप में प्रविष्टि मिलने के बाद बिना किसी ठोस वजह के शामिल नहीं होता है तो उसे बाद की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने से प्रतिबंधित किया जा सकता है।

पिछले कुछ साल से एएफआई को इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है कि एथलीट अपनी स्पर्धा के लिए नाम तो दर्ज करवा लेते हैं, लेकिन मुकाबले के दौरान आते नहीं हैं। इसकी वजह शायद यह डर है कि राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी उनका डोप परीक्षण कर सकती है, या फिर कोई और वजह हो सकती है जिसके चलते किसी खास स्पर्धा में बहुत कम एथलीट ही हिस्सा लेते हैं।एएफआई ने फेडरेशन कप के संबंध में हाल में जारी एक सर्कुलर में कहा अगर कोई एथलीट बिना किसी ठोस वजह के प्रविष्टि भेजने के बाद भी मुकाबले में हिस्सा नहीं लेता है तो उसे बाद की किसी भी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की इजाजत नहीं दी जाएगी। महासंघ के पास यह अधिकार है कि वह बिना कोई वजह बताए किसी भी प्रविष्टि को खारिज कर सकता है। इसके अलावा फेडरेशन कप में सिर्फ वही एथलीट हिस्सा ले पाएंगे जिन्होंने इस साल के दौरान एएफआई द्वारा आयोजित कम से कम दो प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया हो। इस बीच एएफआई ने यह भी कहा कि जिन खिलाड़ियों ने अपनी निलंबन की अवधि पूरी कर ली है, वे अगर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हिस्सा लेना चाहते हैं तो वे उस तारीख से ठीक एक साल पहले की अवधि में हासिल किए गए अपने प्रदर्शन का सबूत जमा कर सकते हैं, जिस तारीख को उन पर यह निलंबन लगाया गया था।

शॉटगन विश्व कप में भाग लेगी भारत की 12 सदस्यीय टीम

नई दिल्ली। कजाकिस्तान के अल्माटी में होने वाले इस साल के दूसरे आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप में भारत की 12 सदस्यीय निशानेबाजी टीम भाग लेगी। भारतीय टीम शनिवार को आयोजन स्थल पर पहुंचेगी। दस दिन तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में 42 देशों के 284 खिलाड़ी भाग लेंगे। भारतीय टीम के आठ सदस्य भी आरपीओ (केवल रैंकिंग अंक के लिए) निशानेबाज के रूप में प्रतिस्पर्धा करने के लिए इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता सोमवार (चार मई) को पुरुषों और महिलाओं के स्कीट क्वालीफायर के साथ शुरू होंगी। इस स्पर्धा के फाइनल पांच मई को होंगे। ट्रैप स्पर्धा के दो फाइनल नौ मई को जबकि ट्रैप मिश्रित टीम का फाइनल अगले शनिवार यानी 10 मई को होगा।

चीनी ताइपे को हराकर भारत सेमीफाइनल में

होर्सेंस (डेनमार्क), एजेंसी

थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जीत दर्ज करने के बाद जश्न मनाती भारतीय टीम।

- थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में लक्ष्य और आयुष ने एकल जीते

देश के शीर्षस्थ एकल शटलर लक्ष्य सेन की शानदार वापसी के बाद सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी व चिराग शेट्टी की ख्यातिनाम जोड़ी और फिर युवा आयुष शेट्टी के दमदार प्रदर्शन से पूर्व चैम्पियन भारत ने शुक्रवार को यहां चीनी ताइपे पर 3-0 की निर्णायक बढ़त हासिल की और थॉमस कप के सेमीफाइनल में प्रवेश के साथ पुरुषों की टीम बैडमिंटन चैम्पयनशिप में पदक पक्का कर लिया।

लक्ष्य की मैच अंक से असाधारण वापसी फोरम होर्सेंस के कोर्ट नंबर दो पर सेमीफाइनल का पहला रबर खेलने उतरे विश्व नंबर 11 लक्ष्य ने दो मैच प्वॉइंट बचाते हुए असाधारण वापसी की और विश्व के छठे नंबर के शटलर चोउ टिएन चेन को हराकर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। 24 वर्षीय लक्ष्य अधिकतर समय तक पीछे चल रहे थे, लेकिन उन्होंने गजब का जुझारूपन दिखाया तथा एक घंटा 28 मिनट तक खिंची मैराथन कश्मकश में 18-21, 22-20, 21-17 से जीत दर्ज की। सात्विक-चिराग भी तीन गेमों के संघर्ष में जीते वहीं सात्विक व चिराग की विश्व नंबर चार जोड़ी ने चियू सियांग चिएह व वांग ची-लिन को एक घंटा 15 मिनट में 23-21, 19-21, 21-12 से हराकर भारत की बढ़त दुगुनी कर दी।

पहला गेम कड़े संघर्ष में जीतने के बाद भारतीय टीम दूसरा गेम गंवा बैठी। लेकिन निर्णायक गेम में चीनी ताइपे की विश्व नंबर 14 जोड़ी ज्यादा संघर्ष नहीं कर सकी। आयुष शेट्टी ने विश्व नंबर 8 लिन चुन-यी को स्तब्ध किया भारतीय टीम ने दूसरे एकल में विश्व नंबर 18 आयुष शेट्टी को उतारा और तेजी से उभर रहे इस युवा शटलर अपने शानदार प्रदर्शन से वाहवाही लूट ली।

पिछले ही माह बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप के फाइनल तक पहुंचे मेंगलुरु के 20 वर्षीय शेट्टी विश्व रैंकिंग में आठवें नंबर पर काबिज व मौजूदा ऑल इंग्लैंड ओपन चैम्पियन लिन चुन-यी को सिर्फ 48 मिनट में 21-16, 21-17 से स्तब्ध कर 3-0 की निर्णायक बढ़त के साथ भारत को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। भारत की फाइनल में प्रवेश के लिए अब जापान या फ्रांस से टक्कर होगी।

> यह यादगार प्रदर्शन वर्ष 2022 में खिताब जीतने के अलावा 1952, 1955 और 1979 में भी कांस्य पदक जीत चुकी भारतीय टीम के पूर्व कोच विमल कुमार ने इस जीत पर कहा, 'यह यादगार प्रदर्शन है। इससे भारतीय बैडमिंटन में बढ़ते आत्मविश्वास, तैयारी और ताकत का पता चलता है।

नेक विचार | रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार तेज गेंदबाज ने कहा- 'व्यक्तिगत उपलब्धियों पर ध्यान नहीं देते'

सिर्फ टीम के लक्ष्यों पर ध्यान करता हूं केंद्रित : भुवनेश्वर

अहमदाबाद, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने कहा कि वह अपने करियर के उस मुकाम पर पहुंच गए हैं जहां उनके लिए टीम की सफलता व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक महत्वपूर्ण है। यह 36 वर्षीय तेज गेंदबाज इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में सर्वाधिक विकेट लेने वाला गेंदबाज है और इस कारण उनके पास पर्पल कैप है। उन्होंने आरसीबी की तरफ से गुजरात टाइटंस के खिलाफ 28 रन देकर तीन विकेट लिए। उनकी टीम को हालांकि इस मैच में हार का सामना करना पड़ा।

भुवनेश्वर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा पर्पल कैप मिलना अच्छी बात है, लेकिन मुझे लगता है कि मैं उस दौर से आगे निकल चुका हूं जहां मैं व्यक्तिगत रूप से कुछ हासिल करना चाहता था। आरसीबी की टीम का लक्ष्य का पीछा करने में अच्छा रिकॉर्ड रहा है लेकिन गुजरात टाइटंस के खिलाफ उसे पहले बल्लेबाजी करनी पड़ी और उसकी टीम 155 रन पर आउट हो गई।

भुवनेश्वर ने स्वीकार किया कि इस सत्र में सभी मैदानों पर लक्ष्य का पीछा करना आसान रहा है। उन्होंने कहा अगर आप इस बार आईपीएल को देखें तो किसी भी मैदान पर लक्ष्य का पीछा करना थोड़ा आसान हो गया है। हमने टॉस नहीं जीता। हमें पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहा गया था। हमने गेंदबाजी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश की। अब नतीजा यह है कि हम हार गए। भुवनेश्वर ने आगे कहा हम रन बचाकर मैच नहीं जीत सकते थे। हम विकेट लेकर जीत सकते थे और जिन गेंदबाजों ने गेंदबाजी की वे विकेट लेने वाले सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज थे। आप हर मैच में हर विभाग में परफेक्ट नहीं हो सकते। हमने पूरे टूर्नामेंट में अब तक अच्छी बल्लेबाजी की थी। गुजरात टाइटंस की तरफ से वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जेसन होल्डर ने 29 रन देकर दो विकेट लेने के अलावा तीन कैच भी लिए। उन्होंने 12 रन भी बनाए और उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। गुजरात टाइटंस के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी ने कहा जब हम नीलामी में जेसन को अपनी टीम में शामिल करने की कोशिश कर रहे थे तो हमारा मकसद यही था कि वह बल्ले और गेंद दोनों की भूमिका निभा सके। उन्होंने पिछले कुछ समय में पांचवें और छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया है।

पुरस्कार जीतने की चाह नहीं

भुवनेश्वर कुमार ने कहा निश्चित रूप से मैं कुछ हासिल करना चाहता हूं। लेकिन अब यह टीम से जुड़ा हुआ है। अब मैं युवा नहीं हूं। जब आप युवा होते हैं तो पुरस्कार जीतना चाहते हैं और यह अच्छा प्रदर्शन करने पर ही आपको मिलते हैं। भुवनेश्वर ने कहा लेकिन जब आप टीम के लक्ष्य को ध्यान में रखकर काम करते हैं और तब आपको कोई व्यक्तिगत पुरस्कार या इनाम मिलता है, तो अच्छा लगता है। लेकिन सच कहूं तो मैं बस अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहा हूं।

उम्मीदें जीवंत रखने के लिए टकराएंगे चेन्नई और मुंबई

चेन्नई, एजेंसी

अब तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं करने वाली चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस की टीमों के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार को यहां करो या मरो का मुकाबला होगा, जिसमें दोनों का लक्ष्य प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने की उम्मीद जीवंत रखना होगा। आईपीएल इतिहास की दो सबसे सफल टीम का अब तक का अभियान निराशाजनक रहा है और वे लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही हैं।

सीएसके के लिए एमए चिदंबरम स्टेडियम की परिस्थितियां अनुकूल रही हैं लेकिन उनके प्रदर्शन में वह प्रभाव देखने को नहीं मिला है जो वर्षों से उसकी पहचान रही है।

अभ्यास सत्र के दौरान मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या (बाएं) और चेन्नई सुपर किंग्स के एमएस धोनी। एजेंसी

सीएसके की बल्लेबाजी में निरंतरता का अभाव रहा है। विशेषकर उसके बल्लेबाज बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उसके गेंदबाज भी दबाव वाली परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए जूझ रहे हैं।

मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन भी इस सत्र में उतार-चढ़ाव वाला रहा है। शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के बावजूद, पांच बार की चैंपियन टीम को कमजोर मध्य क्रम और गेंदबाजों ने निराश किया है। उसके गेंदबाज स्कोर का बचाव करने और महत्वपूर्ण मौकों पर विपक्षी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में नाकाम रहे हैं। अब टूर्नामेंट अपने निर्णायक चरण में पहुंच गया है तो इन दोनों टीम के लिए अपने प्रदर्शन में सुधार करने के अलावा अब कोई और विकल्प नहीं है। उन्हें अपनी किस्मत पलटने के लिए इस मैच से ही अच्छा प्रदर्शन करना होगा।